हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 29 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :137 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

फकीर की तरह लड़ा लोकसभा चुनाव, जीत का भरोसा नहीं था: सुप्रिया सुले

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा है कि उन्होंने इस साल हुए लोकसभा चुनाव में बारामती सीट से एक फकीरकी तरह चुनाव लड़ा था और उन्हें अपनी जीत का शत प्रतिशतभरोसा नहीं था।महाराष्ट्र की बारामती सीट से सांसद सुले ने एक निजी समाचार चैनल से शुक्रवार को कहा कि यह शायद असंभव है कि महाविकास अघाडी (एमवीए) महाराष्ट्र में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री पद के दावेदार के तौर पर पार्टी के किसी नेता के नाम की घोषणा करेगी।एमवीए के प्रमुख घटक राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुले ने कहा कि चुनाव के बाद ही गठबंधन उचित व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाएगा। उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी एवं अपनी भाभी सुनेत्रा पवार के साथ बारामती सीट पर हुए कड़े मुकाबले के बारे में सुले ने कहा, ह्लमुझे शत प्रतिशत यकीन नहीं था कि मैं इस चुनाव में जीत पाऊंगी क्योंकि मैं कई मुश्किलों के बावजूद लड़ रही थी।

ये नया भारत है, घर में घुसकर मारता है, जम्मू-कश्मीर में बोले पीएम मोदी,

आतंक के आकाओं को पाताल में भी खोज निकालेगा मोदी

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते दशकों में यहां सिर्फ कांग्रेस, ठउ और ढउढ के नेता और उनके परिवार ही फले-फुले। आपके हिस्से तो सिर्फ और सिर्फ तबाही आई। उन्होंने कहा कि ये जो हमारी पीढियां बर्बाद हुई हैं, इसकी सबसे बड़ी जिम्मेदार

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: जम्मू-कश्मीर चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू में एक बड़ी सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के शुरूआत में जम्मू की ये सभा इस विधानसभा चुनाव की मेरी आखिरी सभा है। मुझे बीते हफ्तों में जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग हिस्सों में जाने का अवसर मिला है। मैं जहां भी गया, वहां भाजपा को लेकर अभूतपूर्व उत्साह दिख रहा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग कांग्रेस, ठउ और ढउढ के तीन खानदानों से त्रस्त हैं। लोग फिर वही निजाम नहीं चाहते, जिसमें भ्रष्टाचार हो, नौकरियों में भेदभाव हो। जम्मू-कश्मीर के लोग आतंक, अलगाव और खून-खराबा अब नहीं चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पिछले 2 चरणों में हुए भारी मतदान ने जम्मू-कश्मीर की जनता का मूड बता दिया है। दोनों चरणों में भाजपा के पक्ष में जबरदस्त वोटिंग हुई है। अब यहां भाजपा की पूर्ण बहुमत की पहली सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि जम्मू क्षेत्र के लोगों के लिए इतिहास में पहले कभी ऐसा मौका नहीं आया है, जो इस चुनाव में आया है। अब पहली बार जम्मू क्षेत्र के लोगों की इच्छा वाली सरकार बनने जा रही है। आपको इस मौके को छोड़ना नहीं है। क्योंकि भाजपा की जो सरकार यहां बनेगी, वो आपकी पीड़ा को दूर करेगी।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते दशकों में यहां सिर्फ कांग्रेस, ठउ और ढउढ के नेता और उनके परिवार ही फले-फुले। आपके हिस्से तो सिर्फ और सिर्फ तबाही आई। उन्होंने कहा कि ये जो हमारी पीढियां बर्बाद हुई हैं, इसकी सबसे बड़ी जिम्मेदार कांग्रेस पार्टी है। आजादी के बाद से ही कांग्रेस की गलत नीतियों ने आपको सिर्फ और सिर्फ तबाही दी है। उन्होंने कहा कि जम्मू का बहुत बड़ा हिस्सा बॉर्डर से सटा है। आप वो दौर याद कीजिये, जब सीमापार से आए दिन गोले बरसते थे, आए दिन मीडिया में ब्रेकिंग न्यूज चलती थी कि 'एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन'। उधर से गोलियां चलती थी और कांग्रेस वाले सफेद झंडा दिखाते थे। लेकिन जब भाजपा की सरकार ने गोली का जवाब गोले से दिया, तो उधर वालों के होश ठिकाने आ गए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 28 सितंबर है, साल 2016 में आज की रात सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी... भारत ने दुनिया को बता दिया था कि ये नया भारत है... ये घर में घुस कर मारता है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि आतंक के आकाओं को पता है कि अगर कुछ भी हिमाकत की... तो मोदी पाताल में भी उन्हें खोज निकालेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वो पार्टी है, जिसने हमारी फौज से सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे थे। कांग्रेस वो पार्टी है, जो आज भी सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोलती है। क्या आप ऐसी कांग्रेस कपो माफ कर सकते हैं? देश के लिए मर-मिटने वालों का कांग्रेस कभी सम्मान नहीं कर सकती। मोदी ने कहा कि आज की कांग्रेस पूरी तरह अर्बन नक्सलियों के कब्जे में है। जब विदेशों से घुसपैठिए यहां आते हैं... तो कांग्रेस को अच्छा लगता है। उनमें इनको अपना वोटबैंक दिखता है लेकिन अपने ही लोगों की पीड़ा पर ये उनका भद्दे तरीके से मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी, ये संविधान के दुश्मन हैं। इन्होंने संविधान की स्पिरिट का गला घोंटा है। यहीं जम्मू में कई-कई पीढ़ियों से यहां रह रहे अनेक परिवारों को वोट देने तक का हक नहीं था। उन्हें कांग्रेस, ठउ और ढउढ ने इस हक से वंचित किया था।

'पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री, शहबाज का भाषण सबसे बड़ा पाखंड है',

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए कहा कि इस्लामाबाद की 'उंगलियों के निशान' दुनिया भर में आतंकवादी घटनाओं पर हैं और देश को यह महसूस करना चाहिए कि उसने अपने पड़ोसियों के खिलाफ लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का इस्तेमाल किया है, जिसके अनिवार्य रूप से परिणाम सामने आएंगे।भारत ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के संबोधन की तीखी आलोचना की, जिसमें उन्होंने एक बार फिर कश्मीर मुद्दा उठाया। उत्तर देने के अधिकार का प्रयोग करते हुए भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और उसने जम्मू-कश्मीर में चुनाव को बाधित करने के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल किया है, जो भारत का अभिन्न अंग है। भारतीय राजनयिक भाविका मंगलनंदन ने कहा, जैसा कि दुनिया जानती है, पाकिस्तान ने लंबे समय से अपने पड़ोसियों के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है।इसने हमारी संसद, हमारी वित्तीय राजधानी, मुंबई, बाजारों और तीर्थयात्रा मार्गों पर हमला किया है। सूची लंबी है। ऐसे देश के लिए कहीं भी हिंसा के बारे में बोलना सबसे बड़ा पाखंड है।मंगलनंदन ने अपने आरंभिक वक्तव्य में कहा, यह सभा आज सुबह दुखद रूप से एक हास्यास्पद घटना की गवाह बनी। आतंकवाद, मादक पदार्थों के व्यापार।

उत्तर देने के अधिकार का प्रयोग करते हुए भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और उसने जम्मू-कश्मीर में चुनाव को बाधित करने के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल किया है

जल्द छोड़ेंगे सीएम आवास, नए घर की तलाश तेज, जानें कहां रहेंगे?

एजेंसी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल जल्द ही राष्ट्रीय राजधानी में सिविल लाइन्स इलाके में स्थित दिल्ली के मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास खाली कर देंगे। इसका ऐलान उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा के ऐलान के समय कर दी थी। फिलहाल अरविंद केजरीवाल को लेकर उनके नए घर की तलाश शुरू हो गई है। दावा किया जा रहा है कि केजरीवाल अपने नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के पास ही रहेंगे। केजरीवाल ने इस महीने की शुरूआत में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि वह नवरात्रि अवधि के दौरान आधिकारिक फ्लैगस्टाफ रोड आवास से बाहर चले जाएंगे।शुभ हिंदू त्योहार अक्टूबर के पहले सप्ताह में शुरू होता है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जल्द ही सीएम आवास खाली कर देंगे और उनके लिए नए आवास की तलाश तेज कर दी गई है। केजरीवाल अपने विधानसभा क्षेत्र नई दिल्ली के पास के स्थानों को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि उनका इरादा वहां के लोगों से जुड़े रहने का है। पार्टी ने कहा कि आप विधायक, पार्षद, कार्यकर्ता और आम लोग अपनी सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना उन्हें अपने आवास की पेशकश कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश, जानें क्या है पूरा मामला

एजेंसी

दिल्ली: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को कोर्ट ने झटका दिया है। एक विशेष अदालत ने बेंगलुरु में तिलक नगर पीएस पुलिस को चुनावी बांड के संदर्भ में कथित तौर पर धमकी देने के लिए निर्मला सीतारमण के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।इन आरोपों के चलते जनाधिकार संघर्ष परिषद संस्थान और उसके अध्यक्ष आदर्श अय्यर ने तिलक नगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. लेकिन तिलक नगर पुलिस ने इस शिकायत को लेने पर आपत्ति जताई. इस संदर्भ में उन्होंने पिछले साल अप्रैल में विधानमंडल प्रतिनिधियों की अदालत में याचिका दायर की थी.इस याचिका पर कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की. उसी के तहत कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

चाइल्ड पोर्न पर एक क्लिक में आपको पहुंचा सकता है जेल, बच्चों से जुड़े सेक्सुअल कंटेंट पर क्या है कानून

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों के सेक्सुअल एक्सप्लाइटेटिव और अब्यूजिव मैटेरियल को लेकर बड़ा फैसला दिया। बच्चों के घटिया वीडियो को किस तरह बाजार में प्रसारित किया जा रहा है और एक समाज के तौर पर हम इस बुराई से कैसे डील कर सकते हैं, किस तरह की नीतियां बनाई जा सकती हैं। इन तमाम मुद्दों पर आज हम बात करेंगे। दरअसल, भारत में बच्चों से जुड़ी पोर्नोग्राफी पर 23 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला आया। बच्चों से जुड़ी अश्लील साम्रगी डाउनलोड करना, देखना और सकुर्लेट करना पोक्सो और आईटी एक्ट के तहत अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि हमने ये फैसला बच्चों के उत्पीड़न और उनसे दुर्व्यवहार की बढ़ती घटनाओं के आधार पर दिया है। अदालत ने संसद को सुझाव दिया कि पोक्सो एक्ट में बदलाव किया जाए। चाइल्ड पॉर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्सुअल एक्प्लोटेटिव एंड अब्यूजिव मैटेरियल (सीएसईएएस) का इस्तेमाल किया जाए। अगर कोई व्यक्ति इंटरनेट पर इस तरह का कंटेंट देखता है और इसे डाउनलोड नहीं करता है तो भी उस पर पोक्सो की धारा 15 के तहत केस बनेगा। ये माना जाएगा कि उसने इस तरह की सामग्री को कंज्यूम किया है। अगर इस तरह का कंटेंट देखने वाले का इसे आगे फॉरवर्ड करने का नहीं है या इससे वो कोई आर्थिक लाभ नहीं भी लेना चाहता है तो भी इसे अपराध माना जाएगा।

गिरिराज सिंह को पाकिस्तान के नंबर से मिली धमकी, सांसद प्रतिनिधि को आया कॉल, केंद्रीय मंत्री बोले- मैं डरने वाला नहीं

एजेंसी

पटना: अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को पाकिस्तान-पंजीकृत नंबर से धमकी भरा कॉल आया। वास्तव में यह कॉल उनके प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर के पास आया था। पाकिस्तान के नंबर से ये वॉट्सऐप कॉल आया था जिसमें गिरिराज सिंह और अमरेंद्र कुमार अमर को अंजाम भुगतने की धमकी दी गई। अमर ने बताया कि सुबह 11.28 बजे व्हाट्सएप के जरिए कॉल आई। कॉल के दौरान, कॉल करने वाले ने सिंह के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और धमकियां दीं।अमर, जो भाजपा की खगड़िया जिला इकाई का प्रबंधन भी करते हैं, ने तुरंत स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने पुष्टि की कि शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद एक पुलिस टीम ने अमर के आवास का दौरा किया। अधिकारियों ने यह भी नोट किया कि कॉल करने वाले ने एक अनिर्दिष्ट व्यक्ति की गिरफ्तारी का संदर्भ दिया। पुलिस ने आपराधिक धमकी का मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। वहीं, पूरे मामले पर गिरिराज सिंह का भी बयान सामने आया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि मुझे यह मेरे मोबाइल पर प्राप्त नहीं हुआ। इसे बेगुसराय से हमारे पार्टी नेता अमरेंद्र ने प्राप्त किया। भाजपा नेता ने आगे बताया कि उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी है ।

गुजरात सरकार पर कमेंट हटाने से SC का इनकार, घरेलू हिंसा एक्ट पर ऐतिहासिक फैसला, जानें कोर्ट में इस हफ्ते क्या हुआ?

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि भारत के किसी भी हिस्से को कोई भी पाकिस्तान की तरह नहीं बता सकता। जजों को ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी से परहेज करना होगा। इसके साथ ही कर्नाटक हाई कोर्ट के जज वी श्रीशानंद की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कार्रवाई को बंद कर दिया गया।पांच जजों की बेंच ने कहा कि जस्टिस वी. श्रीशेषानंद ने ओपन कोर्ट में 21 सितंबर को माफी मांग ली थी। चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा, 'जज सुनवाई के दौरान किसी भी अवांछित टिप्पणी से बचें। इस सप्ताह यानी 23 सितंबर से 28 सितंबर 2024 तक क्या कुछ हुआ? कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की निगरानी और प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने में विफल रहने के लिए केंद्रीय वायु गुणवत्ता पैनल को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से प्रदूषण और पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछा। न्यायालय ने प्रदूषण और पराली जलाने के मामले से निपटने के लिए गठित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को फटकार लगाते हुए कहा कि उसे और अधिक सक्रिय होने की जरूरत है।

झारखंड में BJP का हो गया JDU और अखरव के साथ गठबंधन, पितृपक्ष खत्म होने के बाद होगा ऐलान

एजेंसी

झारखंड: झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने गठबंधन को मजबूत कर लिया। भाजपा अपने सहयोगियों को साथ लेकर मैदान में उतरेगी। जनता दल (यूनाइटेड) और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू) के साथ भाजपा का गठबंधन लगभग तय हो गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी जानकारी दी है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि चुनाव में जनता दल (यू) और आजसू पार्टी के साथ गठबंधन होगा। सीटों का बंटवारा लगभग फाइनल हो चुका है।हिमंत बिस्वा सरमा ने यह भी कहा कि 1-2 सीटों पर चर्चा बाकी है। पितृ पक्ष खत्म होने के बाद हम गठबंधन की घोषणा करेंगे। जनता दल (यूनाइटेड) और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू) की राज्य में भूमिका महत्वपूर्ण है।हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि भारत का चुनाव आयोग चुनाव की तारीख तय करेगा, वहीं भाजपा चुनावी लड़ाई के लिए पूरी तरह से तैयार है। यहां बता दें कि इन गठबंधनों का लक्ष्य झारखंड में बीजेपी की स्थिति को मजबूत करना है। असम के मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि झारखंड में जनता की भावना बदलाव की ओर झुक रही है,। यह दशार्ता है कि भाजपा को मौजूदा सरकार को चुनौती देने और नए नेतृत्व की पेशकश करने का अवसर दिख रहा है।

स्मार्ट बिजली मीटर को तेजस्वी ने बताया चीटर, 1 अक्टूबर से आंदोलन का किया ऐलान, भाजपा का पलटवार

एजेंसी

पटना: बिहार में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर सियासत तेज हो गई है। नीतीश सरकार पर राष्ट्रीय जनता दल और तेजस्वी यादव आक्रामक हैं। तेजस्वी यादव लगातार स्मार्ट बिजली मीटर को चीटर बता रहे हैं और ऐलान किया है कि वह और उनकी पार्टी पहली अक्टूबर से राज्य में स्मार्ट मीटर के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन करेंगे। अपने एक्स पोस्ट में तेजस्वी ने लिखा कि बिहार में स्मार्ट मीटर नहीं स्मार्ट चीटर लगा दिया गया है। स्मार्ट मीटर में गड़बड़ी एवं बिजली के बढ़ते बिलों के खिलाफ 1 अक्टूबर से राष्ट्रीय जनता दल आंदोलन करेगा तेजस्वी के इस ऐलान पर भाजपा और राज्य सरकार उनपर हमलावर हो गई है। तेजस्वी यादव के ट्वीट पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि स्वाभाविक है। उनके (तेजस्वी यादव) प्रदेश अध्यक्ष के घर में जब 17% कम बिल आ रहा है तो प्रमाण देना चाहिए न कि कहां गड़बड़ी है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट तौर पर बिजली विभाग का मामला है। बिजली विभाग को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्देशित किया है कि कहीं भी कोई गड़बड़ हो तो तुरंत जनता को सहयोग करें।वहीं, मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि ट्वीट करने के अलावा वे करते ही क्या हैं?... उन्हें बिहार से कोई मतलब नहीं रहता है, बिहार के मुद्दों की समझ नहीं है। वे (फखऊ) लोग विकास के नाम से चिढ़ते हैं... किसी भी क्षेत्र में जब विकास होता है तो उसमें उन्हें कमी दिखती है। उन्होंने कहा कि जब भारत सरकार ने बिहार के लिए 60,00 करोड़ रुपये बजट में दिए तो वे लोग कितने आग बबूला हो गए थे। जब भी कोई विकास का काम होता दिखता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पैरालंपिक खिलाड़ियों को किया सम्मानित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भाजपा सदस्यता अभियान में 20 चर्चित खिलाड़ियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष जे . पी . नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष डॉ . दिलीप जायसवाल ने भाजपा की सदस्यता दिलाई
- पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित करने से बड़ा सौभाग्य कोई और नहीं : डॉ . दिलीप जायसवाल

पटना, 28 सितंबर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी . नड्डा ने आज यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित पैरालंपिक खिलाड़ी सम्मान और सदस्यता अभियान समारोह के तहत पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस मौके पर 20 चर्चित खिलाड़ियों ने भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, केंद्रीय मंत्री नित्यानन्द राय, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, बिहार प्रभारी विनोद तावड़े सहित अन्य प्रमुख नेता भी उपस्थित रहे।

इस समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि मैं पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित कर खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं। उन्होंने कहा कि जीवन मे ऐसा बहुत कम समय आता हैं जब इतना बड़ा काम करने का अवसर मिलता है।

उन्होंने जोर देकर कहा, " इससे बड़ा सौभाग्य का दूसरा कोई काम नहीं। कामना करता हूँ कि इन खिलाड़ियों के कार्यों की मुख्यधारा में सहभागिता हो। इस सम्मान समारोह में पेरिस पैरालिम्पिकस मेडल प्राप्त खिलाड़ी शैलेश कुमार और शरद कुमार को तथा अंतरराष्ट्रीय मेडल प्राप्त खिलाड़ी गजेंद्र कुमार, अमिसा प्रकाश, सिंटू कुमार, मोहम्मद शमीम, मानसी, ऑब्जर्वर शिवाजी कुमार सहित 108 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने 20 चर्चित खिलाड़ियों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इनमें राष्ट्रीय खिलाड़ी धीरज कुमार, राहुल दयाल, दीपक शर्मा, राजीव कुमार, दीपक कुमार, अमित कुमार सिंह, शैलेश कुमार, विनोद कुमार, श्यामजी पांडेय, अजय कुमार, जितेंद्र कुमार, अमन कुमार गुप्ता, रामनिवास, दीपू कुमार, जितेंद्र कुमार यादव, योगेश पासवान, अंकित कुमार , अंतरराष्ट्रीय वालीबॉल खिलाड़ी संतोष कुमार मिश्रा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी धर्मेंद्र कुमार प्रमुख हैं। इस समारोह का मंच संचालन सेवा पखवाड़ा प्रमुख प्रेम रंजन पटेल ने किया। इस मौके पर मंत्री मंगल पांडेय, श्रेयसी सिंह, भीखू भाई दलसानिया, संजय मयूख, संजय गुप्ता, क्रीड़ा प्रकोष्ठ के सतीश राजू, दिव्यांग प्रकोष्ठ के गणेश भी उपस्थित रहे।

इससे पहले आज सुबह राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के पटना हवाई अड्डा पहुंचने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा सहित पार्टी के कई नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष का आगमन को लेकर पूरे शहर को पार्टी के झंडों, होर्डिंग एवं बैनर से पाट दिया गया।जे.पी. नड्डा हवाई अड्डा से सीधे सचिवालय स्थित सप्तमूर्ति पहुंचे। वहां उन्होंने अमर शहीदों के स्मारक पर माल्यार्पण किया और उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद वह सीधे भाजपा कार्यालय पहुंचे।

जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर द्वारा आज समाज कल्याण विभाग,

बिहार द्वारा सारण जिले में संचालित पर्यवेक्षण गृह सह बाल सुधार गृह का निरीक्षण किया गया

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

सारण, छपरा28 सितंबर, 2024 जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर द्वारा आज समाज कल्याण विभाग, बिहार द्वारा सारण जिले में संचालित पर्यवेक्षण गृह सह बाल सुधार गृह का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित जिला योजना पदाधिकारी तथा कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, छपरा - 1 को विधायक मद से उक्त पर्यवेक्षण गृह भवन के जीर्णोद्धार कार्य हेतु सभी आवश्यक बिंदुओं को समावेशित करते हुए दो दिनों के अंदर जीर्णोद्धार कार्य से संबंधित नक्शा तैयार कर प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया ताकि जल्द से जल्द जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ कराया जा सके।

साथ ही जिलाधिकारी द्वारा प्रभारी सहायक निदेशक, बाल संरक्षण इकाई को निदेश दिया गया कि उक्त गृह में जो बच्चे बार बार आ रहें हैं, उनमें सुधार लाने हेतु उनके अभिभावकों से मिलकर अथवा उन्हें बुलाकर उनकी काउंसिलिंग कर उन्हें समझाने तथा संबंधित बच्चों में सुधार लाने के प्रयास हेतु आवश्यक कारवाई करना सुनिश्चित करें ताकि उक्त गृह से निकलकर वे पठन पाठन का कार्य कर समाज में प्रतिष्ठित हो सकें।

निरीक्षण के क्रम में बाल संरक्षण पदाधिकारी सहित जिला योजना पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन छपरा तथा स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

दलित बस्ती कृष्णा नगर, नवादा में हुई घटना में पीड़ित परिवारों को मुआवजा एवं सरकारी सहायता के सन्दर्भ में

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

18 सितम्बर कि रात को दलित बस्ती कृष्णा नगर, नवादा में हुई वीभत्स घटना अत्यंत ही पीड़ादायी है, जिसमें 34 घर जला दिया जिसमें 80 दलित परिवार प्रभावित हुए. इस घटना में इन परिवारों का सारा घरेलू सामान, राशन, फर्निचर्, बच्चों के पुस्तक, कांपी जल कर खाक हो गए. इस घटना में कुछ जानवर भी जल गए. एक जिम्मेदार राजनितिक दल का प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते 19 सितम्बर को ही मैं स्वयं घटनास्थल पर पहुँचकर पीड़ित परिवारों से मिला तथा उन्हें यथासंभव सहायता प्रदान किया. वहाँ का मंजर भयावह था जिसे देखकर बहुत पीड़ा हुई. हमारे दल के राष्ट्रीय नेता श्री के. राजू सहित कई विधायक एवं नेता भी दलित बस्ती कृष्णा नगर, नवादा का दौरा कर पीडित परिवारों का दुःख बाँटने का प्रयास किया तथा कांग्रेस पार्टी की तरफ से हर संभव सहायता देने का अश्वासन भी दिया।

स्थिति वहाँ अभी भी गंभीर बनी हुई है, लोग आज भी भयभीत हैं. ऐसी परिस्थिति में कांग्रेस पार्टी निम्नाकित माँगों को आपके समक्ष रखती है :-

1. शीघ्रता शीघ्र इन सभी पीडित परिवारों के नाम से जमीन का पट्टा सुनिश्चित किया जाय, जिससे आगे ये अपने जमीन के मालिक कहलायें और सुरक्षित रहे।
2. पीडित परिवारों को सरकार पक्का मकान उप्लब्ध कराये जिसमें सारी आवश्यक सुविधायें उपलब्ध हों।
3. सभी पीडित परिवारों को राशन कार्ड एवं अन्य आवश्यक परिचय पत्र शीघ्र ही उपलब्ध कराया जाय जो इस आगजनी में जल गया है.

कार्यक्रता साथियों के बदौलत विधानसभा में NDA की जीत सुनिश्चित होगी: रणविजय

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

सारण जिला जनता यूनाइटेड कार्यकारिणी एवं प्रखंड अध्यक्षों की एक दिवसीय समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू की अध्यक्षता में परिसदन छपरा में आयोजित की गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सारण प्रमंडल जदयू प्रभारी रणविजय कुमार को सर्व प्रथम सभी नेताओं एवं कार्यकताओं ने अंग वस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया अपने स्वागत से अभिभूत प्रभारी ने सारण की घरती को नमन किया जयप्रकाश नारायण की धरती पर पहुंच कर अपने को गौरवान्वित महसूस किया अपने संबोधन में प्रमंडल संगठन प्रभारी ने कार्यकताओं को माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिहार के आम जनों के लिए किये गये कल्याणकारी योजनाओं को जन - जन तक पहुंचाएं अपने नेता माननीय नीतीश कुमार के प्रति समर्पित रह कर आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को नई उंचाई तक पहुंचाये । अपने संबोधन में पूर्व मंत्री गौतम सिंह ने राज्य सरकार के विकास कार्यों की चर्चा की,पूर्व मंत्री मुनेश्वर चौधरी ने सभी जिला कार्यकारिणी के सदस्यों का एवं अभिनन्दन किया तथा जिला में आम जनों तक राज्य सरकार के विकास कार्यों को सभी तक पहुंचाये अपने संबोधन में पूर्व उपसभापति सलीम परवेज ने राज्य सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समाज के लिए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किये जा रहे कार्यों की व्यापक चर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष बैधनाथ प्रसाद सिंह विकल ने कहा की संगठन के बदौलत ही हम लोग पार्टी को ऊंचाई पर ले जाया जा सकता है कार्यक्रता को प्रदेश से नियुक्त विधानसभा प्रभारी ने संबोधित किया गड़खा विधानसभा प्रभारी डा.हुलास मांझी(बाल श्रमआयोग सदस्य), अमनौर विधानसभा प्रभारी संजय गिरी एकमा विधानसभा प्रभारी प्रमोद पटेल, विधानसभा गुलाम गौश, मढ़ौरा विधानसभा इंद्रदेव पटेल, छपरा विधानसभा प्रभारी सदेश महतो, परसा विधानसभा नरेंद्र कुमार चंद्रवंशी , प्रदेश उपाध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह बिकल,पूर्व जिला अध्यक्ष मुरारी सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ विशाल सिंह राठौड़, आनंद किशोर सिंह,कामेश्वर सिंह, ओमप्रकाश शर्मा,मदन सिंह कुशवाहा,अरशद परवेज मुन्नी , पशुपतिनाथ पटेल,कार्यालय प्रभारी ब्रजेश कुमार,ई.प्रभाष शंकर, ,चन्द्र भूषण पंडित, कुसुम देवी, शम्भू मांझी,रविप्रकाश, जयप्रकाश महतो, लियाकत अली,मन्नु गिरि, काजिम रजा रिजवी,पवन वर्मा , भगवान दास, महेश सिंह, बृजकिशोर चन्द्रवंशी, शंकर मालाकार, जावेद अब्बास पप्पू,वीरेंद्र गिरि, गौतम सिंह, ओमनाथ भारती, मनोज कुमार सिंह, रामाधार सिंह,पवन सिंह, चन्द्रेश्वर भारती, जितेन्द्र सोनी, शिवनारायण पटेल, गामा सिंह, अनवर आलम,प्रो.ज्वाला प्रसाद,रामसिंगार सिंह, बबलू सिंह, अख्तर अली, रमेश किशन कुशवाहा काफी संख्या है पार्टी के नेताओं कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

सोनपुर थानान्तर्गत लूट कांड का उद्भेदन कर 03 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शक्ति हैदर

दिनांक-20.09.2024 को सोनपुर थानान्तर्गत यदुवंशी चौक के पास अज्ञात 3-4 अपराधकर्मियों द्वारा एक पिकअप चालक को बंधक बनाकर पिकअप एवं उसपर लोड एयरटेल कंपनी का टेलीकॉम मेटेरियल सहित लूट की घटना कारित की गयी थी ।इस संबंध में चालक सुबोध कुमार के लिखित आवेदन के आधार पर सोनपुर थाना कांड संख्या-776/24 धारा-111/309 (4) बी०एन०एस० के कांड दर्ज किया गया था ।वरीय पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में तकनिकी साक्ष्य एवं प्राप्त आसूचना के आधार पर इस कांड का सफलता पूर्वक उदभेदन करते हुए इस घटना में संलिप्त 03 अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया एवं पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अपराधकर्मियों के द्वारा घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की गयी है और इनके निशानदेही के आधार पर कांड में लूटे गए पिकअप तथा घटना कारित करने में उपयोग किए गए 01 बोलेरो गाड़ी एवं 01 टिआगो कार को बरामद किया गया। कांड में लूटे गए पिकअप पर लोड एयरटेल टावर के सामानों की बरामदगी एवं शेष संलिप्त अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रतर कार्रवाई कि जा रही है। कांड अनुसंधान अंतर्गत है।

प्री-पेड स्मार्ट मीटर के इंस्टालेशन को लेकर मुख्य सचिव ने सभी प्रमंडलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारियों के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- सभी सरकारी कार्यालयों में 30 नवंबर तक लगाया जायेगा प्री-पेड स्मार्ट मीटर
- प्री-पेडस्मार्ट मीटर लगाने से उपभोक्ताओं को मिलती है काफी सहूलियत, कहीं से भी अपने घर के बिजली उपभोग एवं रिचार्ज बैलेंस की स्थिति को देख सकते हैं तथा करा सकते हैं रिचार्ज
- प्री-पेड स्मार्ट मीटर को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर कर लोगों को किया जायेगा जागरूक

सारण, छपरा 28 सितंबर, 2024 प्री-पेड स्मार्ट मीटर लगाने में बिहार देश के अग्रणी राज्यों में है। राज्य में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का कार्य सितंबर 2019 में शहरी क्षेत्रों में किया गया। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी शुरूआत जनवरी 2023 से हुई। राज्य में अबतक कुल 50 लाख 23 हजार स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं, जिसमें शहरी क्षेत्रों में 17.47 लाख तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 32.76 लाख लगाये गए हैं। वर्ष 2025 तक सभी घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के लक्ष्य को ससमय पूरा करने के उद्देश्य से आज मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रमंडलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक आहुत की गई। ऊर्जा सचिव श्री पंकज कुमार पाल द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत पूरा करने तथा इसको लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर करने के संबंध में बिंदु वार जानकारी दी गई।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर भ्रांतिः- यह भ्रांति फैलाई जा रही है कि यह मीटर तेज गति से चलता है एवं ऊर्जा खपत को बढ़ा देता है

स्मार्ट प्रीपेड मीटर की वास्तविकता एवं फायदेः-

(1) पुराने पोस्ट पेड मीटर के समतुल्य ही बिजली खपत दर्ज होती है। इसके लिये हजारों की संख्या में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के साथ साथ पुराने मीटर को टेस्ट मीटर के रूप में लगाकर इसका सत्यापन किया जा रहा है। आने वाले दिनों में सभी प्रखंडों/पंचायतों में टेस्ट मीटर लगाया जाने वाला है।

(2) रिचार्ज पर कुल तीन प्रतिशत का वित्तीय लाभ

(3) त्रुटि रहित एवं सहज विपत्रिकरण

(4) दैनिक ऊर्जा खपत /रिचार्ज बैलेंस की जानकारी कभी भी एवं कहीं से भी घर बैठे प्राप्त की जा सकती है

(5) बकाया राशि को आसान किश्तों में भुगतान की सुविधा

(6) 2000 रुपये से अधिक के अग्रिम जमा राशि पर ब्याज की सुविधा

(7) स्वीकृत भार(लोड) से अधिक भार के उपयोग पर छः महीने तक कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी।

बताया गया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर से संबंधित उपभोक्ताओं को होने वाली कुछ व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर करने के लिये भी कंपनी द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने प्रेस वार्ता कर स्मार्ट मीटर के लाभ एवं इससे संबधित भ्रांतियों के संबंध में दी विस्तृत जानकारी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने प्रेस वार्ता कर स्मार्ट मीटर के लाभ एवं इससे संबधित भ्रांतियों के संबंध में दी विस्तृत जानकारी। कहा, शून्य राशि से स्मार्ट मीटर का अधिष्ठापन,रिचार्ज में 3 प्रतिशत का लाभ, पूर्व की तरह सरकार द्वारा घोषित अनुदान का भी लाभ, प्रतिदिन खपत का आकलन,बिजली बिल नही मिलने की शिकायत नही, ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन रिचार्ज की सुविधा। उन्होंने कहा स्मार्ट मीटर से संबधित किसी भी समस्या के लिए अब जिले में होगा विशेष हेल्पलाइन नंबर। अग्रिम जमा राशि पर मिलता है बैंक दर से ब्याज साथ ही 3 महीना से 6 महीना रखने पर अतिरिक्त ब्याज भी मिलता है। उपस्थित उपभोक्ताओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों जो स्मार्ट मीटर का उपयोग कर रहे,उन्होंने ने भी स्मार्ट मीटर से होने वाली सुविधाओं पर रही अपनी बात,कहा,स्मार्ट मीटर बहुत ही सुविधाजनक।

आल इंडिया पासमंदा महाज को भी बुलाया गया 29 सांसद के साथ वक़्फ संशोधन बिल पे चर्चा करने के लिए..

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

यह ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज जो एक राष्ट्रवादी सामाजिक संगठन है जो शिक्षा और स्थानीय नेतृत्व के अभाव के कारण विकास में पीछे छूट गए समाज के लिए कार्य करता है। यह समुदाय मुख्य रूप से खेतिहर मजदूर, हस्तशिल्पी, तकनीकी कारीगर, बुनकर और छोटे किसान हैं।ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज महाराष्ट्र के प्रतिनिधि मण्डल के इरफान जामियावाला, मोहम्मद कमरउद्दीनने वक़्फ संशोधन बिल पे खुलकर बोला इस मीटिंग में 22 सांसद, श्री जगदम्पिका पाल जी, असदउद्दीन औवेसी,गौरव गोगोई, अरविंद सावंत, मौलाना मोहिबुल्ला, मोहम्मद जावेद ए. राजा, कल्याण बनर्जी, दिलीप साइकिया, खढउ संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर अपनी आपत्तियां और सुझाव प्रस्तुत किए और विधेयक के पारित होने का समर्थन किया। संगठन मानता है कि विधयेक के पारित होने पर वक्फ संपत्तियों से वक्फ माफिया से छुटकारा मिलेगा और इस संपत्ति का सदुपयोग होगा। इस से गरीब पसमांदा मुस्लिम समाज को लाभ होगा। यह एक ऐतिहासिक कदम था क्योंकि इससे पहले कभी भी किसी सरकार ने वंचित और शोषित पसमांदा समाज के संगठन को अशरफ संगठन के साथ अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया था।

महाज सरकार द्वारा पेश किए गए उन बिलों का समर्थन करता है जो पसमांदा मुस्लिम समाज के हित में हैं। संगठन भारतीय मूल के पसमांदा मुस्लिम समाज के सुधार और उनके विकास के लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए बातचीत जारी रखेगा।

कोसी बराज पर चढ़ा पानी, 3 दिन तक पुल पर यातायात बंद, नेपाल सरकार ने जारी किया आदेश

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सुपौल : कोसी नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, कोसी नदी की धारा उग्र होती जा रही है। पानी के बहाव को लेकर बैराज के सभी 56 फाटक खोल दिये गये हैं। बावजूद इसके पानी बराज पर चढ़ गया है। हालांकि, जिलाधिकारी कौशल कुमार ने बताया कि बैराज पर पानी नदी की धारा में उछाल की वजह से आ रहा है। स्थिति अंडर कंट्रोल है। बराज की सुरक्षा को लेकर डीएम कौशल कुमार के अनुरोध पर नेपाल सरकार ने अगले तीन दिनों तक कोसी बराज पर यातायात व्यवस्था को बाधित रखने का फैसला किया है। बैराज पर सभी प्रकार के वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी है, इसके लिए नेपाल सरकार ने आदेश भी निर्गत किया है। वहीं कोसी बराज के दोनों ओर अवरोधक लगा दिया गया है, जहां नेपाल पुलिस की तैनाती कर दी गयी है। हालांकि कोसी बराज की सुरक्षा में नेपाल पुलिस 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात रहती है। वहीं भारतीय प्रभाग के जल संसाधन विभाग के अधिकारी बैराज की सुरक्षा की पल-पल अपडेट लेते रहते हैं। अभियंताओं की टीम एक नियत समय पर कोसी बराज का जायजा भी लेते रहते हैं।

ADM कक्ष से हेडमास्टर और बिचौलिये की गिरफ्तारी के बाद शिक्षा भवन पर जमे कथित बिचौलियों के बीच हड़कंप

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

बीपीएससी फर्जी शिक्षक बहाली मामले में समस्तीपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित अपर समाहर्ता कक्ष में शुक्रवार को जांच के दौरान विभूतिपुर प्रखंड के चिन्हित 18 विद्यालयों के एचएम को अभिलेख के साथ तलब किया गया था। जांच के दौरान अपर समाहर्ता (आपदा) व जांच टीम के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के निर्देश पर दो शिक्षक व एक बिचौलिये को गिरफ्तार करने के बाद से अन्य प्रखंड कार्यालयों व जिला शिक्षा भवन पर कब्जा जमाए बिचौलियों के बीच भी हड़कंप मच गया है। जिला शिक्षा भवन पर कुंडली मार कर बैठे बिचौलिये को भी अपनी गिरफ्तारी का डर सता रहा है की कहीं उनके खिलाफ भी कोई साक्ष्य ना मिल जाए।

जानकारी के अनुसार उक्त कथित बिचौलिये, शिक्षक भी बताए जा रहे हैं जो विभागीय कार्यों के नाम पर अपने विद्यालयों को छोड़ शिक्षा भवन पर कुंडली जमाए रहते थे व सरकारी कागजातों व गोपनीय सूचनाओं को भी बाहर लिक किया करते थे। शिक्षा भवन के एक अति गोपनीय कक्ष जहां जांच को रखे गये शिक्षकों के फोल्डर व अभिलेख रहता है वहां देर रात तक इन सभी के द्वारा बैठकी किये जाने की बात भी दबी जुबान से कुछ शिक्षक बताते है। हालांकि इसकी पुष्टि हमारा अखबार नहीं कर्ता उन कथित बिचौलियों द्वारा रिश्वत के पैसे से करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित करने की बात भी दबी जुबान लोग कर रहे हैं। बहरहाल यह तो जांच का विषय है कि इसमें कितनी पारदर्शिता रखी जाती है और शिक्षा विभाग द्वारा जांच कमिटी की कितनी मदद की जाती है। बहरहाल शिक्षक बहाली फजीर्वाड़ा मामले को लेकर शिक्षा विभाग के माध्यमिक निदेशक योगेंद्र सिंह भी पल-पल की रिपोर्ट ले रहे हैं। बता दें कि की जिस समय इस फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ था उस समय योगेंद्र सिंह समस्तीपुर के जिलाधिकारी थे।

शांभवी ने समस्तीपुर पर दिया ऐसा बयान कि होने लगी ट्रोल, अब JDU ने विद्यापति व कपूर्री की धरती बता सांसद को दी नसीहत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर की सासंद और बिहार सरकार मंत्री अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी ने अपने एक इंटरव्यू के दौरान एक ऐसा बयान दिया जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल है। लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास से समस्तीपुर की सांसद शाभंवी ने अपने साक्षत्कार के दौरान कहा था कि संसद में उनके द्वारा समस्तीपुर की बात रखने से लोगों को पता चला कि समस्तीपुर बिहार के मैप में कहां है? पहले लोगों को पता नहीं था कि समस्तीपुर नक्शे में कहां है? शाभंवी के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनको ट्रोल किया जा रहा है ।इस बीच एनडीए में लोजपा (रा) की सहयोगी पार्टी जदयू की तरफ से भी इस बयान पर प्रतिक्रिया दी गई है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता सह एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि समस्तीपुर पैराणिक रूप से विद्यापति की धरती है। जननायक कपूर्री ठाकुर की कर्मस्थली है। झोपड़ी के लाल कपूर्री ठाकुर जब मुख्यमंत्री थे तब उनकी पत्नी बकरी चराती थी । नीरज ने कहा कि हम नीतीश कुमार का आभार व्यक्त करते हैजिन्होंने जननायक कपूर्री ठाकूर के निधन के बाद उनके पुत्र रामनाथ ठाकुर को बिहार मे मंत्री परिषद में स्थान दिया और साथ ही साथ केंन्द्र में मंत्री बनाया।समस्तीपुर सांसद के बयान पर नीरज कुमार ने कहा कि कौन क्या कहता है इस पर हम क्या ज्ञान दें। जदयू प्रवक्ता ने बिना शांभवी का नाम लिए नसीहत के लहजे में कहा कि इस बात को हमेशा याद रखना चाहिए कि समस्तीपुर विद्यापति और जननायक कपूर्री ठाकुर की धरती है. उन्होंने कहा कि अगर मैं बोलूं कि मेरे जन्म लेने के बाद मेरे जन्मस्थल मोकामा को सबने जाना तो यह दुखद बाद है। कोई भी प्रतिनिधि किसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है तो उसका सम्मान बढ़ता है।गौरतलब है कि शांभवी चौधरी के बयान को लेकर उन्हें लगातार ट्रोल किया जा रहा है। इन सबके बीच अब बिना शांभवी चौधरी का नाम लिए जदयू की ओर से भी समस्तीपुर की महत्ता को बताया गया है। इतना ही नहीं जनप्रतिनिधियों को कैसे संयमित भाषा का प्रयोग करना चाहिए इस पर भी सुझाव दिया गया।

जिला मे बाढ़ की स्थिति बन रही है सतर्क रहें: डीएम

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:जिले में लगातार बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में वृद्धि के मद्देनजर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। जिलाधिकारी रिची पांडेय के द्वारा सभी जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है। स्वयं जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा लगातार क्षेत्र विजिट किया जा रहा है। इस क्रम में आज जिलाधिकारी रिची पांडेय, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन तथा तकनीकी विभाग के पदाधिकारियों के द्वारा जिले के संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा आज बेलसंड प्रखंड के चंदौली बांध,मेजरगंज प्रखंड के बसबिट्टा पंचायत के रसूलपुर गांव, बैरगनिया प्रखंड के वंशी चाचा पुल एवं चकवा पंचायत के तकिया टोला इत्यादि का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा नदियों के जल स्तर पर तथा संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। बचाव कार्यों को मजबूती प्रदान करने एवं वर्नेबल एरिया पर विशेष फोकस करने का निर्देश दिया गया है।जिले में अभी बाढ़ की कोई स्थिति नहीं है। संभावित बाढ़ को देखते हुए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं और अधिकारियों को लगातार निर्देशित किया जा रहा है।

लगातार अत्यधिक बारिश होने एवं विभिन्न नदियों के जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि होने के कारण संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अनुमंडल स्तर पर बाढ़ आपदा प्रबंधन के मद्देनजर बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जिसका दूरभाष संख्या 06226–250236 है जो 24 घंटे कार्यरत रहेगा।वहीं जिला आपातकालीन संचालन केंद्र का नंबर 06226–250316 है।

जिले में लगातार बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन आम लोगों से अपील करता है कि इस स्थिति में सतर्कता बरतें एवं सुरक्षित स्थान पर रहें।नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने की संभावना भी है। साथ ही इस दौरान अधिकांश हिस्सों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात एवं हवा की गति झोंको के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार रहने की संभावना

भारी वर्षा, फ्लैश फ्लड से निपटने के लिए सरकार तैयार, लोग सतर्क-सुरक्षित रहें - सम्राट चौधरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपील की कि नेपाल और बिहार के व्यापक क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण फ्लैश फ्लड की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने पटना सहित 13 जिलों में अतिवृष्टि की चेतावनी दी है, इसलिए इन जिलों में लोगों को सुरक्षित और ऊंचे स्थान पर आश्रय लेने में देर नहीं करनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि सरकार ने संबंधित जिलाधिकारियों और एनडीआरएफ सहित सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने के लिए कहा है। तटबंधों की निगरानी की जा रही है। श्री चौधरी ने कहा कि सरकार का आपदा प्रबंधन विभाग हर स्थिति से निपटने को तैयार है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों की छुट्टी रद कर दी गई है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से भी लोगों की सहायता के लिए तैयार रहने की अपील की।

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा फ्लैश फ्लड की चेतावनी/ पूवार्नुमान एवं नेपाल क्षेत्र में हो रही लगातार वर्षा के आलोक में मधुबनी जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है :DM

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी/ 28 सितंबर 2024 भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा फ्लैश फ्लड की चेतावनी/ पूवार्नुमान एवं नेपाल क्षेत्र में हो रही लगातार वर्षा के आलोक में जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा ने समाहरणालय सभागार में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी /अभियंता कल शुक्रवार की रात्रि से ही तटबंधों की लगातार निगरानी कर रहे हैं एवं स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होने कहा कि कोसी बेसिन के इलाकों में भारी बारिश होने से जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा जिले के संभावित बाढ़ग्रस्त क्षेत्रो के आसपास बसे निवासियों को सचेत किया जा रहा है। नदी के आस-पास नीचले क्षेत्रो में एवं संभावित बाढ ग्रस्त क्षेत्रों

में रहने वाले लोगो को निर्धारित सुरक्षित स्थान में जाने के लिए अपील की जा रही है, जहाँ उनको ठहरने के लिए भी उचित व्यवस्था की गई है। एसडीआरएफ की पूरी टीम किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु मधेपुर में पहुँचकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। एडीएम आपदा सहित कई वरीय अधिकारी क्षेत्र में पहुँचकर स्थानीय अधिकारियों से मिलकर स्थिति की जायजा ले रहे है। उन्होने कहा कि एतिहातन सभी प्रकार की तैयारिया पूर्ण कर ली गई है।

शहीदए आजम भगत सिंह के 117वें जन्मदिन पर आरवाईए ने शहर में निकला युवा दावेदारी मार्च

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ मगरदही घाट स्थित भगत सिंह स्टैचू पर नौजवानों ने किया माल्यार्पण व लिया संकल्प :- रौशन कुमार

आज शहीदे आजम भगत सिंह के 117वें जन्मदिवस के मौके पर इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) झंडा वानर तले युवा दावेदारी मार्च भाकपा-माले जिला कार्यालय मालगोदाम चौक से मार्च स्टेशन रोड विभिन्न मार्ग होते हुए शहर के मगरदही घाट स्थित भगत सिंह स्टैचू पर माल्यार्पण कर सभा आयोजित किया गया। मार्च का नेतृत्व आरवाईए जिला सचिव रौशन कुमार ने किया।सभा को संबोधित करते हुए आरवाईए जिला

सचिव रौशन कुमार ने कहा कि देश की गद्दी पर बैठी भाजपा की सरकार देश को पुनः साम्राज्यवाद में परिवर्तित करना चाहती है। देश में साम्राज्यवाद, और पूँजीवाद को बढावा दे रही है। जहाँ देश की आधी से बड़ी आबादी नौजवान है जो सम्मान जनक रोजगार के लिए सैंकड़ों ठोकरें खा रही है। उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा है। दुसरी तरफ मोदी सरकार सरकारी संपत्तियों को प्राइवेट हाथों में बेच कर नौजवानों से रोजगार के अवसर छिन रही है। उन्होंने ये भी कहा कि भगत सिंह रोजगार गारंटी योजना लागू करे मोदी की सरकार, मौके पर आरवाईए जिला कार्यालय सचिव राहुल राय, जिला कमिटी सदस्य नवीन कुमार, तनंजय प्रकाश, जितेंद्र कुमार, विक्की कुमार, गणपत कुमार, दीपक कुमार, बैद्यनाथ महतो, मनोज कुमार, मो. हसन, रघुवीर मालाकार, विजय कुमार आदित्य कुमार व भाकपा-माले नेता अनिल चौधरी समेत दर्जनों नौजवान शामिल रहे।

सड़क निर्माण को लेकर दो पक्षों में मारपीट

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना.सिवान महाराजगंज दुरौंधा 28 सितम्बर शनिवार। दुरौंधा थाना क्षेत्र के धनौती गांव में सड़क निर्माण के दौरान हुई मारपीट मामले में दोनों पक्षों से प्राथमिकी कराई गई है। घटना 25 सितंबर की है। इस मामले में मैरवा थाना क्षेत्र के सिसवा बुजुर्ग निवासी सह संवेदक राम कल्याण सिंह के बयान पर दारौंदा थाना कांड संख्या 431/2024 में प्राथमिकी कराई गई है। जिसमें राजू कुमार सिंह, राजन कुमार साह, नितेश महतो, मुन्ना पटेल, मन्नू कुमार साह, गुड्डू कुमार साह, प्रमोद कुमार साह आठ लोगों पर सड़क निर्माण कार्य में रंगदारी नहीं देने पर जानलेवा हमला करने

तथा साठ हजार रुपए पाकेट से छीनने का आरोप लगाया है। वहीं दूसरी तरफ से राजराणा सिंह उर्फ राजू सिंह के बयान पर दारौंदा थाना कांड संख्या 432/2024 में प्राथमिकी कराई गई है। जिसमें संतोष सिंह, अंकित कुमार सिंह एवं दो तीन अज्ञात लोगों पर सड़क निर्माण कार्य नियमानुसार नहीं करने के कहने पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में दारौंदा थानाध्यक्ष छोटन कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों से प्राथमिकी कराई गई है। सभी बिन्दुओं पर जांच चल रही है।

अनुशासनहीनता के आरोप में कांग्रेस से अरुण पाठक छः वर्षों के लिए निष्कासित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. शनिवार 28 सितंबर, 2024 बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अनुशासन समिति के द्वारा दल विरोधी गतिविधियों के कारण अरुण पाठक को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छः वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर लगातार दल विरोधी गतिविधियों के कारण अरुण पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया था लेकिन पत्र का जवाब एक सप्ताह के अंदर नही देने कारण उनको पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से मुक्त करते हुए 6 वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है ।

बिहार कांग्रेस के अनुशासन समिति के अध्यक्ष पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक ने बैठक के उपरांत सर्वसम्मति से इस आशय का पत्र जारी किया है। साथ ही उन्होंने हिदायत दी है कि ऐसी किसी भी दल विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। पार्टी में अनुशासन को लेकर कांग्रेस हमेशा सख्त रही है और इसलिए इस कार्रवाई से पार्टी ने सभी को सख्त संदेश भी दिया है।दल विरोधी गतिविधियों के कारण अनुशासन समिति ने की कार्रवाई संवाददाता,पटना विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस जहां संगठन के साथ दूसरे नेताओं को जोड़ने में जुटी है. इधर प्रदेश कांग्रेस ने अनुशासन को लेकर कांग्रेस नेताओं पर कार्रवाई भी आरंभ कर चुकी है. लोकसभा चुनाव के बाद सोमवार को दल विरोधी गतिविधियों के आरोप में कमलदेव नारायण शुक्ला को अनुशासन समिति ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अगले छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया. शुक्ला के अलावा अरुण पाठक को भी कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है. कारण बताओ नोटिस जारी पूछा गया है कि इंटरनेट मीडिया पर लगातार दल विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें क्यों न पार्टी से निष्कासित कर दिया जाये. एक सप्ताह के अंदर अरुण को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है. उत्तर संतोषजनक नहीं हुआ तो उनको भी संगठन से छह वर्षों के लिए निलंबित किया जा सकता है. सारण जिला संगठन से जुड़े कमलदेव नारायण शुक्ला लोकसभा चुनाव महाराजगंज से पार्टी प्रत्याशी की दावेदारी की थी. प्रदेश अध्यक्ष डा अखिलेश सिंह के पुत्र आकाश सिंह को महागठबंधन ने प्रत्याशी बनाया था. कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने संगठन व नेतृत्व के प्रति अपना क्षोभ सार्वजनिक रूप से प्रकट करने लगे थे.।

संकुल संसाधन केन्द्र पर अर्द्ध वार्षिक परीक्षा उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करते शिक्षक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 28 सितम्बर शनिवार। बिहार परियोजना परिषद पटना द्वारा आयोजित अर्द्ध वार्षिक परीक्षा 18 सितम्बर से 26 सितम्बर तक परीक्षा सुचारू रुप से सम्पन्न हुआ। जिसे परीक्षा का उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन हेतु प्रखण्ड के विभिन्न संकुल संसाधन केंद्रों पर शिक्षकों को प्रतिनियुक्त कर मूल्यांकन अलग अलग विषयो के शिक्षक विधिवत रूप से कर रहे है। वही संकुल संसाधन केन्द्र मध्य विद्यालय सवान विग्रह मे प्रतिनियुक्त प्रधान परीक्षक मोहम्मद आरिफ और प्रदुमन प्रसाद सिंह के निगरानी मे चल रहा है। जहा

संकुल संचालक दीपिका कुमारी और समन्वयक कमलेश कुमार सिंह जांच में शामिल शिक्षको को कोई ऐसी दिक्कत न हो जिसे उन्हें परेशानी का सामना न कराना पड़े ।और अल्पाहार चाय ,पानी ईत्यादि का व्यवस्था मे मुस्तैद थे। तो वहीं उत्तर पुस्तिका की जॉच कर कौन से वर्ग और कौन विषय मे कितने नंबर प्राप्त किए इसका समेकन शिक्षक दुर्गेश कुमार, मुकेश सिंह, रविन्द्र कुमार सिंह, अनिल प्रसाद इसका समेकन कर प्रखण्ड संसाधन केंद्र दुरौंदा को सूचनार्थ करने में थे। और परीक्षक के रुप मे शिक्षक, जागृति, नीलम सिन्हा, बसंती देवी, पिंकी कुमारी, संतोष कुशवाहा, सुरेश शर्मा, रानी कुमारी, रोमा कुमारी ईत्यादि उपस्थित थे

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी रचना रश्मिरथी का मंचन गुरुवार देर शाम नगर भवन, मधुबनी में में संपन्न हुआ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी रचना "रश्मिरथी" का मंचन गुरुवार देर शाम नगर भवन, मधुबनी में में संपन्न हुआ। बताते चलें कि बिहार सरकार द्वारा रामधारी सिंह दिनकर जी की जयंती को समूचे राज्य में मनाया जा रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में मधुबनी में इसका मंचन पुण्यार्क कला निकेतन, पटना के मंजे हुए कलाकारों द्वारा किया गया।

उक्त अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन करते हुए जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी नीतीश कुमार ने कहा कि सभी कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुति की गई और समूचे प्रदर्शन के माध्यम से दानवीर कर्ण के जीवन संदेश पर विशेष प्रकाश डालने की कोशिश की गई जिससे जीवन में मूल्यों की आवश्यकता को समझने का एक नया आयाम दिखाई दिया।

आयोजन में ईपटा मधुबनी के कलाकार रणजीत, प्रभात कुमार, रमेश कुमार का सहयोग रहा। विषयिक उद्बोधन डॉ अभिषेक कुमार द्वारा किया गया।

भूमि विवाद एवं विधि व्यवस्था को लेकर हुई बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

दरभंगा :---- जिलाधिकारी दरभंगा राजीव रौशन की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में भूमि विवाद एवं विधि व्यवस्था को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारी एवं सभी थानाध्यक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि भूमि विवाद मामलों के निष्पादन हेतु शनिवार को सभी थानों में सुनवाई अनिवार्य रूप से करें।

भूमि विवाद से संबंधित जो वादी एवं प्रतिवादी है, उसका समाधान सभी थाना प्रभारी शनिवारीय बैठक में उपस्थित होकर करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि जो तमिला आ चुका है, लेकिन तमिला के बाद भी वादी उपस्थित नहीं होते हैं, उसका निराकरण हेतु अनुमंडल पदाधिकारी स्तर से प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया। उन्होंने आगामी पर्व त्यौहार को देखते हुए मुख्य चौक-चौराहों पर जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। शराब का उत्पादन परिवहन और सेवन करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। साथ ही ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से 24 घंटे जांच करने को कहा।

बिहार राज्य (अंतरजिला) विद्यालय वॉलीबॉल अंडर 19 प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने अपना पूरा दम खम दिखाया।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

बिहार राज्य (अंतरजिला) विद्यालय वॉलीबॉल अंडर 19 प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने शुक्रवार को अपना पूरा दम खम दिखाया।

मधुबनी जिला खेल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने बताया कि भारी बारिश के कारण शंभुआड़ उच्च विद्यालय के प्रांगण में पूर्व निर्धारित आयोजन स्थल पर मैच नहीं कराया जा सका। इसके बाद राज्य भर से आए तकनीकी पदाधिकारियों और राज्य बॉलीबॉल संयोजक संजीव कुमार सिंह ने खेल के हित में निर्णय लेते हुए इसे वाटसन स्कूल परिसर स्थित क्रीड़ा भवन के इंडोर परिसर में आयोजित करने पर सहमति जताई। इसके बाद मैचों को नॉक आउट पद्धति से आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

आयोजन के दौरान बेगूसराय ने मधेपुरा को, नालंदा ने वैशाली को, मुंगेर ने गया को, कैमूर ने पूर्णिया को, सारण में पूर्वी चंपारण को, औरंगाबाद में पटना को, जमुई ने लखीसराय को, नवादा ने शेखपुरा को, मुजफ्फरपुर में बक्सर को और भागलपुर ने खगड़िया को हराया। अन्य टीमों के द्वारा खेल का प्रदर्शन लगातार जारी है।

आयुक्त ने विभिन्न न्यायालय में विचारण हेतु लंबित वादों के निष्पादन को लेकर मनीष कुमार की अध्यक्षता में की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

दरभंगा:--- आयुक्त दरभंगा प्रमंडल दरभंगा मनीष कुमार की अध्यक्षता में प्रमंडल के विभिन्न न्यायालयों में विचारण के लिए लंबित वादों के निष्पादन दर को बढ़ाने के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की गई।

आयुक्त महोदय ने सर्वप्रथम प्रमंडल के सभी डीपीओ, एसडीपीओ, पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी से लंबित वादों के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया एवं वादों को निष्पादन की दर को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

उन्होंने लंबित विवादों को त्वरित निष्पादन के लिए स्पीडी ट्रायल के माध्यम से करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सात माह के अंदर 50 प्रतिशत वादों को निष्पादन करायें।साथ ही लक्ष्य के अनुरूप उन्होंने सभी पदाधिकारीयों को कार्य करने का निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि लंबित वादों को सामान्य तथा स्पीडी ट्रायल में वगीर्कृत करें। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि स्पीडी ट्रायल की संख्या बढ़ाए और लंबित वादों को स-समय निष्पादन कराए।

प्रतिनियुक्त अधिकारियों और कर्मियों के माध्यम से अधिक से अधिक वादों का निष्पादन कराए।

आयुक्त के सचिव सत्येंद्र कुमार के द्वारा लंबित वादों से आयुक्त महोदय को अवगत कराया गया।

बैठक में जिलाधिकारी दरभंगा, समस्तीपुर एवं मधुबनी, वरीय पुलिस अधीक्षक दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी, डीपीओ, एसडीपीओ, , उपनिदेशक जनसंपर्क सत्येंद्र प्रसाद, वरीय उप समाहर्ता निशांत कुमार थाना अध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी समस्तीपुर रोशन कुशवाहा एवं पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर द्वारा शांति समीक्षा समिति की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

शनिवार दिनांक 28.9.2024 को समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा एवं पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर द्वारा शांति समीक्षा समिति की बैठक एवं विधि व्यवस्था संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया ।सर्वप्रथम विभिन्न अनुमंडल से आए हुए शांति समिति के सदस्यों से पूर्व के अनुभव एवं विधि व्यवस्था से संबंधित विषयों पर चर्चा किया गया एवं सुझाव मांगे गए। शांति समिति के सदस्यों द्वारा पूर्व के किए गए अनुभव को शेयर किया गया एवं संवेदनशील जगहों पर अतिरिक्त पुलिस की प्रतिनियुक्ति, विधि व्यवस्था की चौकस व्यवस्था, यातायात संबंधी विषयों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए जिस पर जिलाधिकारी महोदय ने सभी को आश्वस्त किया कि विधि व्यवस्था पूरी तरह दुरूस्त रहेगी। इसके पश्चात जिलाधिकारी समस्तीपुर एवं पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर द्वारा सभी अनुमंडल पदाधिकारी ,सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सभी

प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं सभी थाना प्रभारी के साथ समीक्षा बैठक की गई। सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी से निरोधात्मक कार्रवाई के तहत किए गए कार्यों की समीक्षा की गई एवं अब तक उनके द्वारा किए गए कार्यों पर असंतोष जाहिर किया गया। साथ ही कड़ी चेतावनी दी गई कि किसी भी परिस्थिति में लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा पूरे पूजा अवधि भर एवं जुलूस के समय डीजे पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा, इसके लिए सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत डीजे संचालकों से मीटिंग कर लेंगे एवं उनको आवश्यक निर्देश दे देंगे ।पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी पूजा पंडाल या जुलूस बिना बिना लाइसेंस के नहीं होने चाहिए अगर ऐसा पाया जाता है तो त्वरित गति से कार्रवाई की जाएगी एवं संबंधित पदाधिकारी की जवाब देही तय की जाएगी। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि सांप्रदायिक स्वभाव बनाए रखने की जरूरत है किसी भी पूजा पंडाल में अवांछित नारे ,माहौल खराब करने वाले या किसी की भावना के आहत करने वाले गाने या किसी भी प्रकार के कार्य नहीं किए जाने चाहिए जिससे सांप्रदायिक सौहार्द खराब हो साथ ही विसर्जन के समय में बैरिकेडिंग की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। इसके अलावा जिन जिन स्थलों पर रावण वध का कार्यक्रम है वहां रावण वध समितियों से बात करके वालंटियर की प्रति नियुक्ति एवं पूजा समिति के सहयोग से अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जानी चाहिए ।पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया कि कई बार चंदा वसूली के क्रम में भी विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाती है इसलिए चंदा वसूली सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी हालत में नहीं होनी चाहिए सभी संबंधित थाना प्रभारी से अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करायेंगे। इसके पश्चात जिलाधिकारी समस्तीपुर द्वारा समीक्षा के क्रम में बताया गया कि एनजीटी की गाइडलाइन के हिसाब से नदियों में विसर्जन को प्रतिबंधित किया गया है इसलिए मूर्तियों के विसर्जन की वैकल्पिक व्यवस्था पर जोर दिया जाना चाहिए एवं इसके लिए पूजा समितियों से बात कर छोटे तालाब या अन्य जो व्यवस्थाएं हैं उसके हिसाब से मूर्तियों का विसर्जन किया जाने हेतु प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश कार्यालय द्वारा निर्देशित कार्यक्रम के तहत बिहार में स्मार्ट मीटर द्वारा गरीबो पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ

01 अक्टूबर को दिन के 11 बजे विभिन्न प्रखंड मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना दिया जाएगा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश कार्यालय द्वारा निर्देशित कार्यक्रम के तहत बिहार में स्मार्ट मीटर द्वारा गरीबो पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ दिनांक 01 अक्टूबर को दिन के 11 बजे विभिन्न प्रखंड मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना दिया जाएगा ।

राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश कार्यालय द्वारा निर्देशित कार्यक्रम के तहत बिहार में स्मार्ट मीटर द्वारा गरीबो पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को दिन के 11 बजे से जिला के विभिन्न प्रखंड मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। जिसके तैयारी हेतु राजद जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव के द्वारा विभिन्न प्रखंडों का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

(1) रहिका। सदाब आजम जिला महासचिव
(2) बिस्फी। संतोष पासवान। जिला सचिव
(3) बेनीपट्टी। राजेंद्र यादव जिला उपाध्यक्ष
(4) पंडौल। शिवशंकर यादव जिला सचिव
(5) कलुआही। रुदल यादव। जिला सचिव
(6) हरलाखी। मो. कमरान आरिफ सदस्य जिला कमिटी
(7) मधवापुर। बच्चेलाल महतो जिला उपाध्यक्ष
(8) मधुबनी नगर निगम कमरूल हुदा तमन्ने जिला उपाध्यक्ष

ज्ञात हो कि बिहार सरकार स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं से मोटी रकम वसूली की जा रही है, जिसमें राज्य सरकार उनकी सहायता कर रही है। गरीब परिवार के घरों की बिजली काटी जा रही है कई बार तो पुरे गांव की बिजली काट दी जा रही है। बिहार में स्मार्ट मीटर लागू करने से लेकर अभी तक किसी भी स्टेक होल्डर से मशवरा नहीं किया गया है क्योंकि सरकार भी मुनाफे की लाभार्थी है। बिहार में लगभग 2.76 करोड़ हाउस होल्ड (मकान) हैं। स्मार्ट मीटर की खराबी के कारण अगर इन सभी उपभोक्ताओं से 100 रुपए भी ज्यादा वसुला जाता है तो कुल लगभग 276 करोड़ कम्पनी को अलग से मुनाफा होगा। पुरे भारत में जितने स्मार्ट मीटर लगाये गये है, उनमें बिहार जैसे गरीब प्रदेश में सर्वाधिक स्मार्ट मीटर लगाये गए है। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में यदि मुख्यमंत्री ही प्राईवेट कम्पनियों के साथ मिल जाए तो जनता का त्राहिमाम करना स्वाभाविक है। राष्ट्रीय जनता दल जन सारोकार के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करते हुए दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को पुरे प्रदेश में प्रखण्ड मुख्यालय स्तर पर विशाल धरना आयोजित करने का निर्णय लिया है।

ब्रीफ न्यूज

विषय: मस्जिदों की सेवा: इमाम की मयार्दा और मुतवली की ज़िम्मेदारियाँ कुरान और हदीस की रोशनी में

जारीकर्ता: रेयाज आलम, डिप्टी मुतवली, मस्जिद हसन, चकनूर, समस्तीपुर
9934049786

तारीखः 27 सितंबरयह प्रेस विज्ञप्ति मस्जिद हसन, चकनूर के डिप्टी मुतवली, रेयाज आलम की ओर से जारी की जा रही है, जिसका उद्देश्य मस्जिदों में इमाम और मुतवली की महत्वपूर्ण भूमिका और जिम्मेदारियों को कुरान और हदीस की रोशनी में समझाना है और समाज को उनके कर्तव्यों से अवगत कराना है।

मस्जिदों का महत्व और इमाम का उच्च स्थान:

इस्लाम में मस्जिद को अल्लाह का घर कहा गया है, जहाँ केवल नमाज अदा नहीं की जाती बल्कि यहाँ से उम्मत की आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक शिक्षा की शुरूआत होती है। मस्जिद वह पवित्र स्थान है जहाँ मुसलमान इबादत के साथ-साथ सामुदायिक मामलों की देखरेख और मार्गदर्शन के लिए एकत्रित होते हैं।

कुरान में अल्लाह तआला फरमाता हैः

जो लोग अल्लाह की मस्जिदों को आबाद करते हैं, वे अल्लाह और कयामत के दिन पर ईमान रखते हैं" (सूरत अत-तौबाः 18)

इस आयत में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि मस्जिदों को आबाद करने वाले अल्लाह के पसंदीदा बंदे होते हैं और उन्हें ही आखिरत की कामयाबी मिलेगी।

इमाम की जिम्मेदारियाँ:

इमाम वह व्यक्ति होता है जिस पर मस्जिद की आध्यात्मिक नेतृत्व की जिम्मेदारी होती है। इमाम का कार्य केवल नमाज की इमामत करना नहीं है, बल्कि इस्लाम की शिक्षाओं का प्रसार करना, मुसलमानों को सही रास्ते पर चलने की नसीहत देना, और समाजिक व नैतिक समस्याओं के समाधान के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना भी उसकी जिम्मेदारियों में शामिल है।

हदीस में नबी करीम ? ने फरमायाः

इमाम जिम्मेदार है और मुअज्ज़िन अमानतदार है" (सुनन इब्न माजाह)

इसका मतलब यह है कि इमाम लोगों को सही मार्ग दिखाने के लिए जिम्मेदार है और उसकी जीवन का हर पहलू इस बात का प्रतिबिंब होना चाहिए कि वह लोगों को सही इस्लामी रास्ते पर कैसे ले जा रहा है।

उदाहरणः इमाम अबू हनीफा रहमतुल्लाह अलैह का किरदार हमारे लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। वे न केवल एक महान फकीह और आलिम थे, बल्कि इमाम भी थे। उनका नैतिकता, न्याय और ज्ञान का प्रसिद्धि दूर-दूर तक थी, और उन्होंने अपनी इमामत के दौरान हमेशा न्याय और सच्चाई का साथ दिया।

मुतवली की जिम्मेदारियाँ:

मुतवली मस्जिद का प्रशासनिक संरक्षक होता है, और उसकी जिम्मेदारी है कि वह मस्जिद की आवश्यकताओं का ख्याल रखे, उसकी मरम्मत, सफाई, वित्तीय मामलों और अन्य प्रशासनिक कामों को सही तरीके से निभाए।

कुरान में अल्लाह तआला फरमाता हैः

"और जो कोई मस्जिदों की तामीर में खर्च करेगा, अल्लाह तआला उसके लिए जन्नत में एक घर बनाएगा" (सूरत अत-तौबाः 18)

इस आयत से हमें मुतवली की अहमियत का पता चलता है कि मस्जिद की तामीर और देखभाल करने वालों के लिए जन्नत की खुशखबरी है। मुतवली का काम केवल मस्जिद के वित्तीय मामलों की देखरेख करना नहीं बल्कि इमाम के साथ मिलकर मस्जिद की आध्यात्मिक उन्नति में भी योगदान देना है।

उदाहरणः हजरत उमर बिन खत्ताब रज़ियल्लाहु अन्हु के दौर में जब मस्जिद-ए-नबवी की तामीर का मामला आया, तो उन्होंने बतौर खलीफा मस्जिद की देखरेख और तामीर में निजी रुचि ली। साथ ही उन्होंने इमाम और मुतवली के संबंधों को और मजबूत किया ताकि मस्जिद की उन्नति और इस्लाम की शिक्षा में कोई रुकावट न आए।

इमाम और मुतवली के बीच संबंधः

कुरान और हदीस के अनुसार इमाम और मुतवली दोनों का पद बेहद जिम्मेदारी भरा है, और दोनों को मिलकर मस्जिद के कार्यों को बेहतरीन तरीके से चलाना चाहिए। इमाम की आध्यात्मिक नेतृत्व और मुतवली की प्रशासनिक क्षमता मिलकर मस्जिद की तरक्की का कारण बनती हैं। उदाहरणः दुनिया की सबसे बड़ी मस्जिद, *मस्जिद-ए-हरम* को लें, जहाँ इमाम और मुतवली की संयुक्त कोशिशों से लाखों मुसलमानों को हर साल हज और उमरा की अदायगी में सहूलियत मिलती है। यह वह उच्च उदाहरण है जिससे जाहिर होता है कि दोनों पदों का आपसी सहयोग

कैसे उम्मत के लिए लाभदायक साबित होता है।

रेयाज आलम, डिप्टी मुतवली मस्जिद हसन, ने इस मौके पर कहाः

"इमाम और मुतवली के बीच मजबूत संवाद और सहयोग बेहद जरूरी है ताकि मस्जिद की तरक्की, इस्लामी शिक्षाओं का प्रसार और मुसलमानों की भलाई सुनिश्चित की जा सके। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी मस्जिद को एक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में बढ़ावा दें और अल्लाह की खुशी हासिल करें।

उन्होंने आगे कहाः हमें सभी मुसलमानों को चाहिए कि वे मस्जिद के प्रशासनिक और आध्यात्मिक मामलों में रुचि लें और इसके संचालन में अपनी भूमिका को समझें। मस्जिदों की उन्नति केवल मुतवली और इमाम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पूरी उम्मत की जिम्मेदारी है। हम दुआ करते हैं कि अल्लाह हमें इस महान जिम्मेदारी को निभाने की तौफीक दे और हमारी मस्जिद हसन को दुनिया और आखिरत के लिए खैर और बरकत का केंद्र बनाए।

शासन की फायदेमंद योजनायें अपने मकसद में कामयाब होना चाहिये: जिलाधिकारी

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के कार्यकुशल जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में बैंको की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक हुई संपन्न। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की फायदेमंद योजनायें जिस मकसद से बनाई गई हैं उनका मकसद पूरा होना चाहिये, इन योजनाओं के आवेदकों को कर्ज देने में बैंकों की टालमटोल हरगिज बर्दाश्त नहीं की जायगी। जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों को कौशल विकास से जोड़कर ट्रेनिंग देने का काम बेहतर तरीके से किया जाय, साथ ही लोगों को ग्रामीण गतिविधियों मशरूम पैदावार ,ड्रैगन फ्रूट पैदावार ,पॉलीहाउस ,बागवानी से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने की कोशिश की जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की योजनाओं में आवेदक का कर्ज पास होने के बाद उसको

फौरन दिलवाया भी जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद मे रूरल व अर्बन मार्ट बनाने की कार्यवाही तेजी से की जाय। जनपद मुख्यालय में स्ट्रीट फूड वेंडर्स के लिये एक जगह मार्क कर फूड स्ट्रीट डेवलप करने का काम किया जाय। जिलाधिकारी ने कहा की जिले में ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं में शामिल कर फायदा पहुंचाया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि कर्ज से जुड़ी योजनाओं में बैंकों की तरफ से जरूरी अभिलेखों की चेक लिस्ट बनाकर आवेदनकर्ताओ को मुहय्या करायी जाय, साथ ही उस लिस्ट बैंको में चस्पा भी किया जाय ताकि आवेदन कताओं को बेमतलब परेशान ना होना पड़े। इस दौरान जिलाधिकारी ने सरकारी कर्ज योजनाओं, एनपीए की स्थिति, एनपीए में जारी आरसी वसूली , सालाना कर्ज योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ,प्रधानमंत्री स्व निधि योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना ,मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना ,प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ,पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना, वित्तीय समावेशन, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना, अटल पेंशन योजना ,आधार सीडिंग ,एफपीओ सहित अलग-अलग बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा करने के साथ ही जिम्मेदारों को जरूरी निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन बैंकों का सीडी रेशियों कम है, वो इसे ठीक करें, साथ ही सरकार की अलग-अलग योजनाओं में बैंकों से प्रायर्टी पर कर्ज दिया जाय। पंजाब नेशनल बैंक के सीडी रेशियो में खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुये, इसे ठीक करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकों को शासन की अलग- अलग योजनाओं में कर्ज देने का जो टारगेट दिया गया है उसको वख्त पर पूरा किया जाय। पशु पालकों, दुग्ध उत्पादकों और मत्स्य पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड का फायदा दिया जाय, इसमें जितने आवेदन पत्र पैंडिंग हैं, उनका उस बैंक फौरन डिस्पोजल करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शासन की इम्पार्टेन्ट योजना है, इसमें स्वयं सहायता समूह के जो आवेदन पत्र पैंडिंग हैं, उनका डिस्पोजल जल्द करायें। जबकि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर को कर्ज बटवायें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में भारत सरकार के साथ ही प्रदेश सरकार की तरफ से चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का फायदा ज्यादा से ज्यादा लोगों को मुहैया कराएं ताकि लोग रोजगार से जुड़कर अपनी आमदनी को बढ़ा सकें। बैठक में सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला, एडीएम न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, एडीएम फा० रेवेन्यू, सीएमओ डॉ गीतम सिंह, पीडी साधना दीक्षित , एलडीएम , नाबार्ड, आरबीआई के अधिकारी, बैंकर्स सहित जिम्मेदार विभागों के अधिकारी मौजूद रहे ।

संक्षिप्त डायरी

संसदीय शोध, संदर्भ व अध्ययन समिति के सदस्य बने विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा

संवाददाता

कुशीनगर। क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा को उत्तर प्रदेश विधान सभा का संसदीय शोध, संदर्भ एवं अध्ययन समिति का सदस्य नामित किए जाने पर भाजपा कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। मनोनयन की जानकारी होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओ ने शुक्रवार को सुबह उनके आवास पर पहुंच कर उनको माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर अपने खुशी का इहाजर किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि यह मेरा नहीं बल्कि कार्यकर्ताओ का सम्मान है। कार्यकर्ताओ का सम्मान सर्वोपरी है इसके साथ किसी प्रकार की समझौता नहीं किया जायेगा। इस दौरान भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष राणाप्रताप सिंह, फाजिलनगर के युवा व्यापार मण्डल अध्यक्ष धीरज वर्मा, सुरेश कुशवाहा विकास मौर्या, अरुण यादव, सुरेन्द्र यादव, मनोज मौर्या, आनंद सिंह कुशवाहा, रामवृक्ष गिरी अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री के कुशीनगर प्रथम आगमन पर विधायक पीएन पाठक ने किया स्वागत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। जिले के नवनियुक्त प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को भगवान बुद्ध की पावन धरा पर प्रथम आगमन पर कुशीनगर में विधायक पीएन पाठक ने सैकड़ों भाजपा पदाधिकारियों कार्यकताओं के साथ उनको पुष्प देकर स्वागत किया और हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधायक पीएन पाठक ने जिले की मानचित्र पर प्रकाश डाला जिसको प्रभारी मंत्री ने बहुत गहनता पूर्वक जानकारी हासिल किया। इस दौरान कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कार्ययोजना को भी प्रभारी मंत्री के समक्ष रखा जिसपर प्रभारी मंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी कार्ययोजना को देखकर पूरा करने का काम किया जायेगा। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, सन्तोष सिंह, जिला पंचायत सदस्य नितिश, कुमार यादव, संजीव कुमार दुबे, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, अद्दया पाण्डेय, शैलेन्द्र सिंह, बैरिस्टर भारती, संदीप जयसवाल कुन्दन दुबे, शुभम दिक्षित, राजकुमार यादव सुनील कुमार सिंह मौजूद रहे।

विधायक पीएन पाठक के यूपी आवास संबंधी संयुक्त समिति के सदस्य नामित होने पर हर्ष

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भगवान बुद्ध की पावन स्थली कुशीनगर के विधायक पीएन पाठक को यूपी आवास संबंधी संयुक्त समिति का सदस्य नामित किया गया है यह नियुक्ति विधानसभा के सभापति की संस्तुति पर विधानसभा सचिवालय के सचिव ने पत्र जारी कर उनको ज़िम्मेदारी दी है। बता दें कि यूपी आवास संबंधी संयुक्त समिति में विधायक पीएन पाठक के साथ साथ कुल सात सदस्य नामित किया गया है यह सभी सदस्य प्रदेश में आवास संबंधी संयुक्त समिति के कार्य योजना तैयार कर आगे बढ़ाने का काम करेगे आने वाले समय में कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास में और गति मिलेगी नवनियुक्त समिति के सदस्य विधायक पीएन पाठक ने कहा कि सरकार द्वारा मिलने वाले दिशा निर्देश को आगे बढ़ाने में सहयोग करने के साथ साथ प्राथमिकता के आधार पर काम किया जायेगा। कुशीनगर विधायक पीएन पाठक को सदस्य नामित किए जाने पर भाजपा जिला अध्यक्ष दुर्गेश राय, भाजपा नेता संतोष सिंह, मण्डल अध्यक्ष रामायण कुशवाहा, बिनोद कुमार गुप्ता, अनिल प्रताप राव, किन नरेश चौबे, जिपंस नितिश यादव, सुधीर राव, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, शैलेन्द्र सिंह, राजकुमार यादव, सुनील कुमार पांडेय, संजय शुक्ला, दयाशंकर मिश्र आदि ने बधाई दी है।

लखनऊ में डेंगू से 3 दिन में दूसरी मौत: 79 नए केस

लखनऊ । 3 दिन में डेंगू के 79 मामले सामने आए हैं। तीन दिनों में 2 मरीजों की मौत हो चुकी है। गुरुवार को सुबह एक निजी हॉस्पिटल में फैजुल्लाहगंज निवासी छात्र की मौत हो गई। उसकी रिपोर्ट डेंगू पॉजिटीव आई थी। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि डेथ ऑडिट कराया जाएगा। इससे पहले फैजुल्लागंज में ही रहने वाली महिला सामंती की मंगलवार को डेंगू से मौत हो गई थी। फैजुल्लागंज प्रथम के श्रीनगर निवासी प्रदीप श्रीवास्तव का 18 साल का बेटा श्रेयांश इंटरमीडिएट का छात्र था। 7 दिन पहले उसे तेज बुखार आया। परिजनों ने क्लिनिक से दवा ली, लेकिन राहत नहीं मिली। हालत बिगड़ने पर उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां, 2 दिन भर्ती रहने के बाद भी स्थिति नहीं सुधरी। मंगलवार को परिजनों ने उसे शहीद पथ स्थित निजी कॉरपोरेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया, लेकिन वहां भी सुधार नहीं हुआ। बुधवार रात अचानक हालत बिगड़ी तो डॉक्टरों ने उसे वेंटीलेटर पर रखा। गुरुवार सुबह इलाज के दौरान ही छात्र की मौत हो गई।डॉक्टरों का कहना है छात्र बेहद गंभीर हालत में आया था। इलाज के बाद भी रिकवरी नहीं हो सकी। लखनऊ में डेंगू के 28 मरीज एक ही दिन मिले हैं। अब तक तीन दिनों में 79 मरीज सामने आए हैं। इस साल एक दिन में मिलने वाले मरीजों की यह सर्वाधिक संख्या है। इससे पहले बुधवार को 26 मरीज मिले थे। जिले में अब तक डेंगू के 363 मामले सामने आए हैं। सीएमओ प्रवक्ता योगेश ने बताया कि आलमबाग में 5, अलीगंज में 4, इंदिरा नगर, सरोजनी नगर व सिल्वर जुबिली इलाके से 3-3, टुडियागंज, एनके रोड, रेडक्रॉस और ऐशबाग से 2-2 मरीज मिले हैं। वहीं, गोसाईगंज और इटौंजा में 1-1 डेंगू का मरीज मिला है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने निरीक्षण के दौरान 19 घरों में मच्छर पनपने की स्थिति मिलने पर नोटिस भी जारी किया है।

लखनऊ में खेत में मिला महिला का शव

लखनऊ । इटौंजा थाना क्षेत्र में कर्वी की फसल के बीच एक महिला का शव मिला है। उसके कपड़े मेड़ पर पड़े थे। शव लगभग 3 से 4 पांच दिन पुराना बताया जा रहा है। शव में कीड़े पड़ चुके हैं। महिला की उम्र 35 साल बताई जा रही है। शुक्रवार सुबह खेत मालिक पालू नाई जानवरों के लिए चारा काटने गया। उसे मेड़ पर कुछ कपड़े दिखे। खेत में घुसा तो महिला का शव पड़ा मिला। मौके से पुलिस को फोन किया। गांव वालों को भी बताया। पुलिस के पहुंचते-पहुंचते घटनास्थल पर भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने खेत का एरिया सील कर दिया है। घटना स्थल पर किसी को जाने नहीं दिया जा रहा

है। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य इकट्ठा कर डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। महिला की शिनाख्त की जा रही है। घटना अकडरिया गांव की है। क्षेत्रीय लोग महिला के साथ दुष्कर्म होने के बाद हत्या किए जाने की आशंका जता रहे हैं। महिला का शव मिलने से इलाके के लोग भयभीत हैं। डीसीपी उत्तरी का कहना है कि शिनाख्त करवाने का प्रयास किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

सॉफ्टवेयर एसपीएसएस की सहायता से कार्यशाला में प्रतिभागियों को दी जानकारी

संवाददाता

कुशीनगर। बुद्ध पीजी कॉलेज, कुशीनगर में कम्युनिटी साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीपीएआई) व मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित सप्त दिवसीय कार्यशाला का गुरूवार को चौथा दिन रहा। चौथे प्रशिक्षण दिवस के प्रथम सत्र में सीपीएआई के महासचिव प्रो. रामजी लाल ने आज के व्याख्यानों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला समन्वयक प्रो. अमृतांशु शुक्ल ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्विद्यालय जौनपुर से मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह का स्वागत करते हुए उनका संक्षिप्त

परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. सिंह ने 'एकचरीय एवं बहुचरीय विश्लेषण' विषय पर व्याख्यान देते हुए सामाजिक विज्ञान में विश्लेषण हेतु प्रयुक्त होने वाले सॉफ्टवेयर एसपीएसएस की सहायता से प्रदत्त विश्लेषण को विस्तारपूर्वक प्रदर्शित किया। प्रो सिंह ने शोधार्थियों को शोध करने हेतु आवश्यक सांख्यिकीय विधियों की विस्तृत जानकारी दी। दूसरे सत्र में रणवीर सिंह विश्वविद्यालय, जिंद, हरियाणा के वाणिज्य एवम प्रबंधन विभाग के अधिष्ठाता और प्रोफेसर डा संजय कुमार सिन्हा ने प्रदत्त प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. सिन्हा ने मनोवैज्ञानिक शोध में प्रदत्त-संग्रह, प्रदत्त प्रक्रमण एवं प्रदत्त विश्लेषण से जुड़ी बारीकियों को बहुत ही सरलता से प्रतिभागियों को समझाया। कार्यशाला के पाँचवें प्रशिक्षण दिन शनिवार 28 सितम्बर को पहला सत्र प्रोविडेंस विश्वविद्यालय अमेरिका से आए प्रो. सचिन जैन द्वारा ₹शोध साहित्य का पुनरावलोकन₹ विषय पर एवं द्वितीय सत्र प्रो. एच सी पुरोहित द्वारा 'सामाजिक विज्ञान में नवीन धाराएं' विषय पर होना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र साहू ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रीना मालवीय ने किया। हाइब्रिड मोड में संचालित हो रही इस कार्यशाला में कुल 121 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण लाभ अर्जित किया।

गोरखपुर बन रहा टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी का हब: सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्सर इस बात का जिक्र करते हैं कि गोरखपुर कभी माफिया, मच्छर, गंदगी और खराब सड़कों के लिए जाना जाता था। यह सिर्फ भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि कुछ साल पहले तक की हकीकत थी। मगर हाल के वर्षों में गोरखपुर ने खुद को इतनी तेजी से बदला है कि अब यह पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बन गया है। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में हो रहे बड़े बदलावों ने इसे एक उभरते हुए हब में तब्दील कर दिया है। यहां बनने वाले फाइव स्टार होटलों की श्रृंखला, 7ऊथिएटर वाला जू, सुंदर झीलों का कायाकल्प, वाटर एडवेंचर एक्टिविटी और क्रूज-फ्लोटिंग रेस्टोरेंट इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। जहां कभी गोरखपुर की छवि अपराध से जुड़ी थी और बाहरी लोग यहां आने से कतराते थे, आज उसी गोरखपुर में रैडिसन ब्लू, मैरियट और रमाडा

जैसे वैश्विक ख्याति के फाइव स्टार होटलों में लोगों की भीड़ लगी रहती है। आने वाले समय में ताज और हॉलिडे इन जैसे बड़े ब्रांड्स भी यहां अपनी सेवाएं देंगे। गोरखपुर की खासियत यह है कि यह बौद्ध सर्किट के केंद्र में स्थित है। सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु और लुम्बिनी जाने वाले पर्यटकों का मुख्य ठिकाना यही शहर बन गया है। कुछ साल पहले तक यहां ऐसे किसी हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की कमी थी, जो विदेशी और अन्य राज्यों से आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर सके, लेकिन अब यह स्थिति बदल गई है। लंबे समय तक गोरखनाथ मंदिर ही यहां का मुख्य पर्यटन केंद्र था, लेकिन अब रामगढ़ताल और गोरखपुर के चिड़ियाघर ने भी पर्यटकों का ध्यान खींच लिया है। रामगढ़ताल, जो एक समय उपेक्षा और गंदगी का प्रतीक था, आज पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल बन गया है। यह न केवल सैलानियों का मन मोह रहा है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। रामगढ़ताल में बोटिंग, वाटर पैरासेलिंग और फिल्मों की शूटिंग जैसे आकर्षण इसे मुंबई और गोवा के समान बना रहे हैं। इसके अलावा, यहां पर प्रदेश का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी तैयार हो चुका है, जहां 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' की रोइंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन हो चुका है। अब यहां के युवाओं को रोइंग की ट्रेनिंग भी मिल रही है। इसी तर्ज पर शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित चिलुआताल को भी टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित किया जा रहा है। गोरखपुर में अब इको टूरिज्म का भी विकास हो रहा है। शहीद अशफाक उल्ला खां के नाम पर बने चिड़ियाघर में दुर्लभ वन्यजीवों को देखने के लिए पूर्वांचल भर से लोग आ रहे हैं। यहां का 7ऊ थिएटर पर्यटकों के लिए एक नया रोमांच लेकर आया है। इसके साथ ही, कैम्पियरगंज में दुनिया का पहला राजगिद्ध (जटायु) संरक्षण और प्रजनन केंद्र भी स्थापित हो चुका है, जो गोरखपुर की इको टूरिज्म की छवि को और भी मजबूत बना रहा है। गोरखपुर ने अपने इतिहास से निकलकर एक नई पहचान बनाई है, जो न केवल प्रदेश बल्कि देश के पर्यटन मानचित्र पर भी अपनी एक खास जगह बना रही है।

बजरंगदल के हंगामे के चलते नपे हेड मुहर्रिर

बस्ती । लालगंज थाने से पुलिस को चकमा देकर एक आरोपी भाग गया था, जिसके बाद लड़की के परिजनों ने बजरंग दल के कार्यकताओं के थाने पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया। मामले में एक्शन लेते हुए रढ ने थाने पर तैनात हेड मुहर्रिर सत्येंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। आरोप है कि सत्येंद्र यादव ने ही नारंगी रंग की टी शर्ट पहनकर थाने में हंगामा कर रहे लोगों से दुर्व्यवहार किया था। सीओ रुधौली की जांच रिपोर्ट में प्रथम दृष्ट्या हेड मुहर्रिर से जवाबदेही तय की गई है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस को चकमा देकर फरार आरोपी नवरत्न गुप्ता की गिरफ्तारी के लिए थाने की टीमें जुटी हुई हैं। लालगंज थाना क्षेत्र के महसों गांव में एक नाबालिग अपने रिश्तेदार के घर आई थी। जिसे महसों का ही नवरत्न गुप्ता बहला फुसलाकर भगा ले गया था। परिजनों ने लालगंज थाने पर तहरीर दी थी। 15 अगस्त को पुलिस ने आरोपी नवरत्न गुप्ता के खिलाफ नाबालिग को भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की थी। 23 सितंबर को चौकी प्रभारी महसों अनस अख्तर ने आरोपी थाने में हाजिर किया था। लेकिन, 25 तारीख की भोर में पेट दर्द का बहाना कर आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

मोरम, गिट्टी लेकर चलने वाले ओवर लोड ट्रकों पर पैनी नजर रखने के लिये हमीरपुर से जुडने वाले जिलों के लिंक रास्तों पर

सीसीटीवी कैमरों का होगा इस्तेमाल: जिलाधिकारी

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के कार्यकुशल जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की कलेक्ट्रेट के डॉ० एपीजे अब्दुल कलाम मीटिंग हाल में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि महोबा,बाँदा,कानपुर ,उरई जिलों से जोड़ने वाली सडकों के प्रवेश और निकास प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर ओवरलोड वाहनों सहित परिवहन से जुड़ी अवैध हरकतों पर पैनी नजर रखी जाय, साथ ही कहा कि मोरम, बालू लदे ट्रकों, भारी वाहनों से सड़कों पर पानी टपकने से सड़कें खराब होती हैं। जिसके लिये हाइवे के किनारे अवैध तौर से चल रहे धुलाई सेंटर की पुलिस

और एआरटीओ विभाग की ज्वांइट टीम के जरिये जांच कर कार्यवाही की जाय।

जिलाधिकारी ने कहा कि सड़कों पर खुले घूमने वाले गोवंशों के बैठने से हादसे होते हैं। एसे में पुलिस, राजस्व सहित पशुपालन विभाग की टीम ये तय करे कि किसी भी हाल में कोई भी गोवंश सड़क पर नहीं बैठा दिखना चाहिये, इसकी नियमित तौर से मॉनिटरिंग की जाय। आने वाले ठंड के मौसम में घने कोहरे के मद्देनजर रोड सेफ्टी के तरीकों, जिसमें एंटी स्मॉगर के इंतिजाम तय किये जायें जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में जहां भी हाई मास्क लाइट की जरूरत है उसकी सूचना बना ली जाय प्रपोजल भेजा जाय। सड़क सुरक्षा के तहत सड़कों का मेंटिनेंस का काम वख्त से कराया जाय। हाईवे में सड़क के दोनों तरफ और बीच में सफेद पट्टी खास तौर से होनी चाहिये, साथ ही ब्रेकर्स की जरूरत हो तो मानक के मुताबिक बनवाये जाय। जनपद में पुलों के पास लाईट का मुनासिब इंतिजाम किया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूलों में छात्र छात्राओं को लाने - ले जाने वाले स्कूल के अनुबंधित वाहन नियमानुसार पूरी तरह फिट होना चाहिये, साथ ही उसमे सभी लीगल पेपर होना चाहिये।

अनफिट और नियम के खिलाफ चल रहे वाहन किसी भी हालत में सड़को पर नहीं दिखने चाहिये। जिलाधिकारी ने कहा कि ज्यादा एक्सीडेंट होने वाली जगहों सहित हॉट स्पॉट की पहचान कर वहां पर जरूरी ट्राफिक मार्क सहित साइन बोर्ड लगवाय जायं। जिलाधिकारी ने कहा कि ओवरलोड वाहनों सहित अनफिट वाहनों पर लगातार कार्यवाही की जाय, जिलाधिकारी ने कहा कि रोड एक्सीडेंट रोकने के लिये शासन और प्रशासन के साथ ही समाज के सभी जिम्मेदार लोगों को आगे आकर कोशिश करना चाहिये। ताकि सड़क दुर्घटनाओं को हर हाल में रोका जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, अपर जिलाधिकारी फा० रेवेन्यू , एआरटीओ प्रवर्तन, प्रशासन, सीओ ट्रैफिक ,राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधि सहित जिम्मेदार मौजूद रहे ।

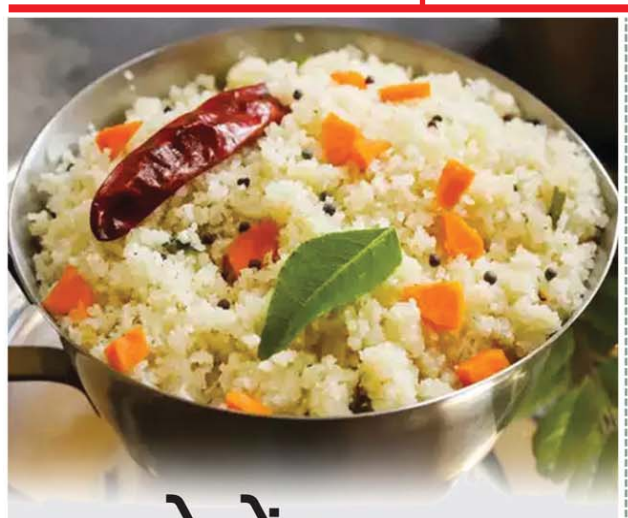

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

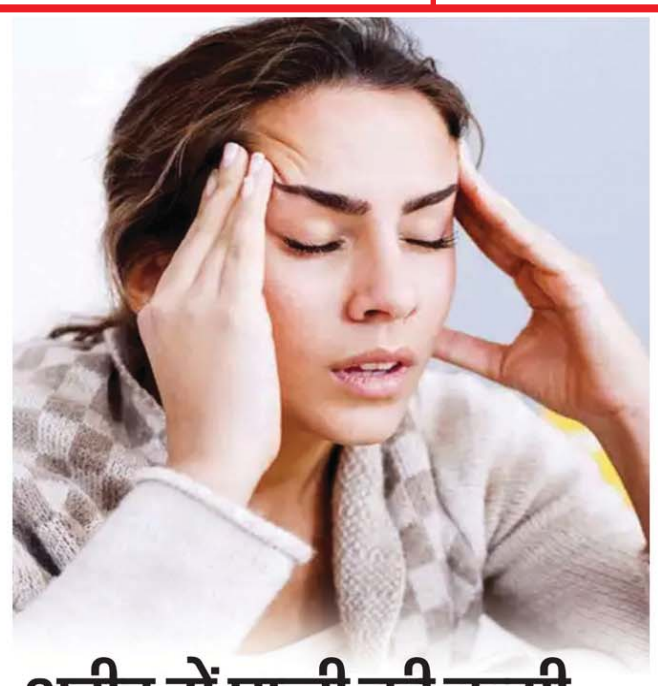

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

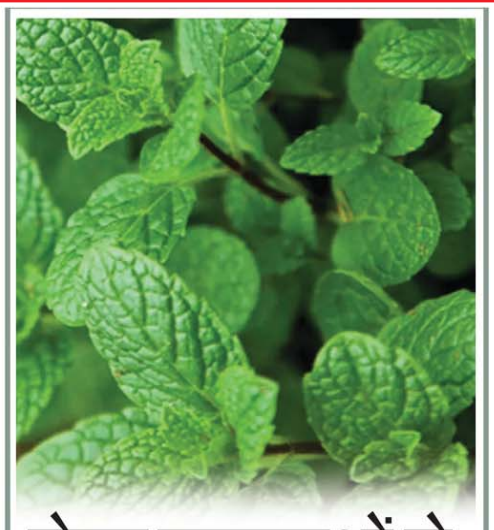

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

सरकार ने व्यक्तिगत जानकारी उजागर करने वाली कुछ वेबसाइट ब्लॉक की

- सरकार ने वेबसाइट में कुछ खामियां पाए जाने के कारण ब्लॉक करने का लिया फैसला

नई दिल्ली । सरकार ने भारतीय नागरिकों के आधार और पैन कार्ड विवरण सहित संवेदनशील व्यक्तिगत पहचान-योग्य जानकारी को उजागर करने वाली कुछ वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत संचालित भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) ने इन वेबसाइट में सुरक्षा खामियां पाई थीं। उसके बाद सरकार ने इन वेबसाइट को ब्लॉक करने का कदम उठाया है। बयान के मुताबिक मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि कुछ वेबसाइट भारतीय नागरिकों के आधार और पैन कार्ड विवरण सहित संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारियों को उजागर कर रही थीं। इस मामले को गंभीरता से लिया गया है क्योंकि सरकार सुरक्षित साइबर सुरक्षा व्यवहार और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इसके अनुरूप इन वेबसाइट को ब्लॉक करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाओं का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 के तहत आधार से जुड़े विवरण के सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक संबंधी प्रावधान के उल्लंघन पर संबंधित पुलिस अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई है। बयान में कहा गया है, सीईआरटी-इन ने इन वेबसाइट के विश्लेषण से कुछ सुरक्षा खामियां उजागर की हैं। संबंधित वेबसाइट मालिकों को आईसीटी अवसंरचना को मजबूत करने और खामियों को दुरुस्त करने के लिए उनके स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। आईटी अधिनियम के तहत कोई भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित पक्ष शिकायत दर्ज करने और मुआवजे की मांग करने के लिए निर्णायक अधिकारी से संपर्क कर सकता है। राज्यों के आईटी सचिवों को निर्णायक अधिकारी के रूप में अधिकार दिया गया है।

भारत के शीर्ष 7 शहरों में मकानों की बिक्री 11 फीसदी घटी

कीमतों में तेजी और मॉनसून की वजह से आई सुस्ती

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष सात शहरों में मकानों की बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। हाल ही में जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बाजार स्थिर हो रहा है और वित्तीय वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में इसमें 11 फीसदी की गिरावट आई है। एक प्रॉपर्टी कंसल्टिंग कंपनी द्वारा जारी आंकड़े दर्शाते हैं कि बिक्री पिछले साल की तीसरी तिमाही के 1.20 लाख मकानों से कम होकर इस साल 1.07 लाख हो गई है। एनाराॅक की बिक्री घटने का कारण उच्च कीमतें और मॉनसून को बताया है। इसने कहा कि श्राद्ध पक्ष के दौरान भारतीय मकान खरीदना नहीं चाहते हैं इसलिए भी मांग में गिरावट आई है। कुल मिलाकर पहली तिमाही में नए शिखर पर पहुंचने के बाद आवास बाजार स्थिर हो रहा है। शीर्ष सात शहरों में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), हैदराबाद, बेंगलूरु, चेन्नई, कोलकाता और पुणे हैं। इस साल की तीसरी तिमाही में 93,750 मकान पेश किए गए थे, जो बीते साल की समान अवधि के दौरान पेश किए गए 1,16,220 मकानों के मुकाबले 19 फीसदी कम हैं। इसके अलावा बढ़ती इनपुट लागत और इस साल की पहली तिमाही में अधिक बिक्री के अलावा एक बात यह भी है कि बीते एक से दो वर्षों में मकानों की कीमत बेतहाशा बढ़ी है। कई खरीदार फिर स्थिति पर नजर रखने लगे हैं। कंपनी रिसर्च के मुताबिक शीर्ष सात शहरों में औसत आवासीय कीमतों में पिछले साल की तीसरी तिमाही के मुकाबले इस साल की तीसरी तिमाही में 23 फीसदी की सालाना वृद्धि हुई है। इसके अलावा अगर हम डेटा रुझानों की तुलना करें तो औसत कीमत साल 2022 की तीसरी तिमाही के मुकाबले साल 2024 की तीसरी तिमाही में 37 फीसदी बढ़ी हैं। इससे कई खरीदारों पर दबाव पड़ा है। नई पेशकशों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी लक्जरी मकानों की है।

त्यौहारी सीजन से 50 हजार करोड़ से ज्यादा के आईपीओ बाजार में देंगे दस्तक

-ह्युंडै मोटर 25 हजार करोड़ से ज्यादा का आईपीओ लाने की तैयारी में

नई दिल्ली।

इस साल दीवाली के आसपास आईपीओ का बाजार में भी बूम आने की उम्मीद है। अक्टूबर के आखिर से नवंबर की शुरुआत तक 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के आईपीओ बाजार में दस्तक देंगे। ह्युंडै मोटर इंडिया 25 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का आईपीओ लाने जा रही है, जिसे भारत का अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। साथ ही फूड डिलिवरी कंपनी स्विगी 11,600 करोड़ रुपए का और एनटीपीसी ग्रीन 10 हजार करोड़ रुपए का आईपीओ लाने वाली है। इन तीन बड़े आईपीओ के अलावा शापूरजी पलोनजी समूह की कंपनी एफकॉन इन्फ्रास्ट्रक्चर करीब 6,500 करोड़ रुपए का और वारी एनर्जीज 7,500 करोड़ रुपए आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। इन बड़े निर्गमों को कामयाबी मिली तो वैश्विक बाजार में भारत का दबदबा और बढ़ जाएगा। इसके बाद कई अन्य कंपनियां भी भारतीय बाजार में सूचीबद्ध होने आ सकती हैं क्योंकि यहां मूल्यांकन दुनिया के सभी बाजारों से ज्यादा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इक्विटी पूंजी जुटाने के मामले में यह साल देसी बाजार के लिए रिकॉर्ड साल साबित हो सकता है। 2024 में 63 कंपनियां अपने आईपीओ के जरिये अभी तक 64,559 करोड़ रुपए जुटा चुकी हैं और कई आईपीओ ने बाजार में दस्तक दी तो निर्गमों के जरिये 1.2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की पूंजी जुटा ली जाएगी, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। आईपीओ की संख्या के मामले में भी 2007 के बाद यही सबसे अच्छा साल साबित हो सकता है।

2007 में 100 निर्गम बाजार में आए थे।दक्षिण कोरियाई कंपनी ह्युंडै मोटर्स की भारतीय इकाई को आईपीओ के लिए नियामक की मंजूरी मिल गई है। सॉफ्टबैंक सम र्थित स्विगी को भी नियामक की हरी झंडी मिल गई है। सूत्रों का कहना है कि बैंकर इन कंपनियों का मूल्यांकन तय करने के लिए संभावित निवेशकों से बात कर रहे हैं, जिसके बाद ही इनके आईपीओ के आकार तय हो किए जाएंगे।

इथेनाल के भाव और चीनी की एमएसपी बढ़ाएगी सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार इस वित्त वर्ष इथेनॉल की कीमत और चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (सुगर एमएसपी) बढ़ाने के बारे में विचार कर रही है। खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि इथेनॉल की कीमत बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। पेट्रोलियम मंत्रालय इस मामले पर विचार कर रहा है। एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से मंत्री ने यह भी कहा किया कि सरकार चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है, जो फरवरी 2019 में स्थापित दर 31 रुपये प्रति किलोग्राम के बाद से अपरिवर्तित हैं। फिलहाल केन जूस से बनने वाले एथेनॉल का भाव 65.61 रुपये प्रति लीटर है, वहीं बी हैवी मोलैसेज से बनने वाले एथेनॉल का भाव 60.73 और सी हैवी मोलैसेज से बनने वाले एथेनॉल का भाव 56.28 रुपये प्रति लीटर है।

वहीं चीनी के उत्पादन को लेकर केंद्रीय मंत्री ने उम्मीद जताई कि 2024-25 सीजन में उत्पादन बेहतर रह सकता है। उनके

मुताबिक बेहतर मॉनसून की वजह से ये संभव है। उनके मुताबिक कीमतों को लेकर इन कदमों से भारत के इथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर पहल को बढ़ावा मिलेगा और शुगर सेक्टर को जरूरी राहत मिलेगी। बता दें कि वर्तमान में भारत सरकार ने पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनाल ब्लेंडिंग को मंजूरी दी है।

इथेनाल की कीमत बढ़ने से पेट्रोल भी महंगा हो सकता है।

दवाई-बाइक सहित 100 वस्तुओं पर कर दरें संशोधित करेगी सरकार

- टैक्स की दरों को 12 से घटाकर 5 फीसदी करने की योजना, दिवाली से पहले ऐलान संभव

नई दिल्ली । महंगाई के संकट का सामना कर रहे आम लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलने की संभावाना दिखाई दे रही है क्योंकि केंद्र सरकार 100 से ज्यादा सामानों पर जीएसटी की दरों में बदलाव करने की योजना बना रही है। इनमें जरूरी दवाइयां, बाइक समेत कई वस्तुएं शामिल हैं। दरअसल केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह ने जीएसटी दरों में सुधार की कवायद तेज हो चुकी है। इस बारे में पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बताया कि जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने पर विचार किया जा रहा है और अगली बैठक 20 अक्टूबर को आयोजित होगी। इन 100 सामानों में बाइक्स और बोतलबंद पानी जैसे महत्वपूर्ण आइटम शामिल हैं। जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए मंत्रिस्तरीय पैनल ने 12 और 18 फीसदी स्लैब के विलय के अलावा 100 से अधिक वस्तुओं पर दरों को फिर से बनाने के प्रस्तावों पर चर्चा की है, लेकिन अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप देने से पहले इस पर विश्लेषण करेगा। भट्टाचार्य ने कहा कि आम आदमी द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं पर कर की दरों को कम किया जाना चाहिए और खाने-पीने से जुड़े सामानों पर जीएसटी की दरों को 12 प्रतिशत से पांच प्रतिशत के स्तर पर लाया जाना चाहिए। अभी मोटर साइकिल और उसके पुर्जे और सहायक उपकरण पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि ई-साइकिल पर पांच प्रतिशत कर लगता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने अस्थायी सरकारी व्यय विधेयक पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक अस्थायी सरकारी व्यय विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दिसंबर तक एजेंसियों का काम चलाने में मदद करेगा। इससे पहले कांग्रेस ने नवंबर चुनाव के बाद तक प्रमुख खर्च निर्णयों को टाल दिया था। विधेयक आम तौर पर 20 दिसंबर तक मौजूदा स्तरों पर एजेंसियों को धनराशि उपलब्ध कराता है। सीक्रेट सर्विस को मजबूत करने के लिए सांसदों ने उसे 23.1 करोड़ डॉलर देने के प्रस्ताव पर भी सहमति व्यक्त की। रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प पर दो बार हुए जानलेवा हमलों के प्रयास के मद्देनजर यह फैसला किया गया।राष्ट्रपति पद के चुनाव के बाद सत्ता हस्तांतरण में सहायता के लिए भी धनराशि दी गई है। विधेयक बुधवार को कांग्रेस में द्विदलीय आधार पर आसानी से पारित हो गया। यह सदन में 341-82 तथा सीनेट में 78-18 के मतों के अंतर से पारित हुआ।

ओला ई-स्कूटर एस1, एक्स 2केडब्ल्यूएच को मिला पीएलआई प्रमाणन

नई दिल्ली । ओला इलेक्ट्रिक के इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 एक्स 2केडब्ल्यूएच को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पात्रता आवश्यकताओं के तहत अनुपालन प्रमाणपत्र हो सिल हो गया है। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि इसके साथ ही कंपनी के पास अब दोपहिया वाहनों में पांच उत्पाद हैं जो पीएलआई योजना के तहत प्रमाणित हैं। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा` कि उत्पाद के लिए पीएलआई प्रमाणन प्राप्त करना हमारी एकीकृत विनिर्माण शक्ति की पुष्टि करता है, जो भारत के इलेक्ट्रिक वाहन लक्ष्य को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी मोटर वाहन पीएलआई योजना एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम रही है। इसने विनिर्माताओं को स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ाने, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और व्यापक आर्थिक वृद्धि हासिल करने में कंपनियों की सहायता करने के लिए प्रेरित किया है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहन चलाना और महंगा होगा

- टोल दर में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी को मंजूरी मिली

नई दिल्ली ।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए यमुना एक्सप्रेसवे से आना-जाना महंगा होने वाला है क्योंकि यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा को आगरा से जोड़ने वाले 165 किमी लंबे यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल दर में 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने कहा कि नई दरें 1 अक्टूबर से लागू होंगी। इससे अथॉरिटी को प्रतिदिन लगभग 1 करोड़ का टोल मिलेगा। दोपे हिया, तीन पे हिया और रजिस्टर्ड ट्रैक्टर्स के लिए नई टोल की दरें 1.50 प्रति किलोमीटर होंगी, जबकि पहले दरें 1.25 रुपये प्रे ति किमी थीं। वहीं कार, जीप और हल्के मोटर वाहनों के लिए 2.95 प्रे ति किमी थीं, जबकि पहले ये दर 2.6 प्रे ति` किमी थी। बस और ट्रकों को 4.15 प्रे ति किमी की पुरानी दर के मुकाबले 4.6 प्रे ति किमी का भुगतान करना होगा, जबकि भारी वाहनों को 12.90 किमी की पुरानी दर के मुकाबले 14.25 प्रे ति किमी का भुगतान करना होगा। भारी वाहन और मल्टी-एक्सल वाहनों पर टोल दर बढ़ाकर 14 रुपये 25 पैसे प्रति किलोमीटर कर दी गई है। पहले यह 12 रुपये 90 पैसे प्रति किलोमीटर थी। 7 या उससे अधिक एक्सल वाले वहानों पर 18 रुपये 35 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से टोल वसूला जाएगा। इससे 16.60 रुपये की दर से टोल वसूला जाता था। यमुना एक्सप्रेसवे पर नए टोल रेट लागू होने के बाद, ग्रेटर नोएडा से आगरा तक कार से सफर करने पर टोल की रकम 270 रुपये से बढ़कर 295 रुपये हो जाएगी। इसी तरह बसों के लिए यह राशि 895 रुपये से बढ़कर 935 रुपये होगी। वहीं ओवरसाइज वाहनों के लिए टोल 1760 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी रहने से आयी है। आज कारोबार के दौरान एचडीएफसी और आईसीआईसीई बैंक के शेयर नीचे आये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 264.27 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी नीचे आकर 85,571.85 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 142.13 अंक या 0.16 प्रतिशत चढ़कर 85,978.25 के नए रिकॉर्ड इंट्रा-डे उच्च स्तर पर पहुंचा था। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.10 अंकों करीब 0.14 फीसदी टूटटर 26,178.95 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 15 शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। सन फार्मा, रिलायंस, टाइटन, एचसीएल टेक और बजाज फिनसर्व सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, मारुति, टीसीएस, इंफोसिस, एसबीआई, एमएंडएम और आईटीसी के शेयर भी बढ़े।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 15 शेयर नीचे आये। पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, भारती

एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरे। इसके अलावा, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, जेएसडब्यू स्टील, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनैंस, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स और टेक महिंद्रा के शेयर नीचे आये।

एशियाई बाजारों में, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के शेयर ऊपर आये जबकि सियोल गिरावट पर बंद हुआ। यूरोपीय बाजार में भी तेजी रही। वहीं गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए। वहीं गत दिवस बाजार रिकॉर्ड तेजी पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह से सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में अपने नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 119.38 अंक चढ़कर 85,955.50 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 34.5 अंक बढ़कर 26,250.55 पर पहुंच गया।

डीएचएल एक्सप्रेस की जनवरी से पार्सल डिलीवरी महंगी होगी

मुंबई । लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस ने अगले साल एक जनवरी से भारत में पार्सल डिलीवरी की कीमतों में लगभग 6.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। डीएचएल ने कहा कि मुद्रास्फीति तथा मुद्रा गतिशीलता के साथ-साथ नियामक व सुरक्षा उपायों से संबंधित प्रशासनिक लागतों को ध्यान में रखते हुए वार्षिक आधार पर वैश्विक स्तर पर बाजारों में कीमतों को समायोजित किया जाता है। कंपनी बयान के अनुसार डीएचएल एक्सप्रेस ने मूल्य समायोजन की घोषणा की है जो एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। भारत में औसत (मूल्य) वृद्धि 6.9 प्रतिशत होगी।

एनबीसीसी को आईआईआईटी नागपुर के अतिरिक्त निर्माण का ठेका मिला

नई दिल्ली । एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को नागपुर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि उसे नागपुर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा विकास के लिए एक परियोजना का ठेका मिला है। बयान के अनुसार, 75 करोड़ रुपये की अनुमानित परियोजना लागत के साथ यह शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित आईआईआईटी नागपुर में शैक्षणिक सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रताप स्नैक्स में 46.85 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेंगी ऑथम और माही मधुसूदन

नई दिल्ली । ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर और माही मधुसूदन केला मिलकर प्रताप स्नैक्स में 46.85 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे। प्रताप स्नैक्स, अल्पाहार (स्नैक) ब्रांड येलो डायमंड और स्वीट स्नैक्स ब्रांड रिच फीस्ट का परिचालन करती है। कंपनी ने शेयर बाजार को शुक्रवार को बताया` कि कंपनी ने अपने तीन निजी इक्विटी प्रवर्तकों से 846.60 करोड़ रुपये के सौदे में 46.85 प्रतिशत शेयर हासिल करने के लिए प्रवर्तकों के साथ शेयर खरीद समझौता किया है। प्रवर्तक पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स-1, पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स-2 और सिकोइया कैपिटल जीएफआईवी मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स के पास क्रमशः 2.48 प्रतिशत, 34.65 प्रतिशत और 9.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा कंपनी ने नियंत्रणकारी हिस्सेदारी के अधिग्रहण से प्रेरित होकर बाजार से कंपनी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए खुली पेशकश की भी घोषणा की है। प्रति शेयर 864 रुपये की कीमत की पेशकश की है, जो कुल मिलाकर 544.17 करोड़ रुपये है। इंदौर में 2003 में स्थापित प्रताप स्नैक्स भारत की सबसे तेजी से बढ़ती स्नैक फूड कंपनियों में से एक है।

प्रमोटर शेयर बेचकर कर रहे हैं, मुनाफा वसूली

प्रमोटरों ने बुधवार को बेचे 40000 करोड रुपए के शेयर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार आसमान की ओर तेजी के साथ बढ़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार ने अभी तक की सबसे लंबी उड़ान भरी है। बुधवार को शेयर बाजार 85930 अंक के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। शेयर बाजार की इस स्थिति को देखते हुए कई कंपनियों के प्रमोटरों ने अपने शेयर बेचकर मुनाफा वसूली का खेल शुरू कर दिया। मुनाफा वसूली के इस खेल में इंडिगो, गौतम अडानी की अंबुजा सीमेंट, बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स, ईजी ट्रिप प्लानर्स, वेलस्पून लिविंग, सायंट डीएलएम जैसी कंपनियों ने सितंबर तिमाही खत्म होने के पहले ही 40000 करोड रुपए के शेयर बेचकर भारी मुनाफा कमाया है। शेयर बाजार में जिस तरह से छलांग लगाई है। उसके बाद से कंपनियों का वैल्यूएशन काफी बढ़ गया है। कंपनियों के पास नगदी का भंडार जमा हो गया है। कंपनियों को समझ नहीं आ रहा है कि वह कहां निवेश करें। जिस तरह से शेयर बाजार उड़ान भर रहा है। उसके बाद आशंका व्यक्त की जा रही है, शेयर बाजार गिरेगा, तो किसी को संभलने का मौका नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में कंपनियों के पास भारी नगदी जमा हो गई है। इक्विटी फंड्स मैनेजर के पास बड़ी मात्रा में नगदी जमा है। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, कि वह अपनी नगदी को कहां निवेश करें। क्वांट के पास 17103 पराग पारीक के पास 13971 मोतीलाल ओसवाल के पास 7168 आईसीसी के पास 30357 और एचडीएफसी के पास 25013 करोड रुपए का कैश जमा हो गया है। किसके कारण शेयर बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। कारोबार के अंतिम दिन शुक्रवार को बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मुनाफा वसूली शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर हो रही है। जिसके कारण बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है।

एनटीआर जूनियर ने रच दिया इतिहास; हिंदी बेल्ट में भी बुकिंग शुरू

मुंबई, सितंबर : पार्ट 1 के लिए उत्साह चरम पर है क्योंकि यह बहुप्रतीक्षित फिल्म कल सिनेमाघरों में आने वाली है। रिलीज से पहले ही, फिल्म को ब्लॉकबस्टर के रूप में सराहा जा रहा है, और एडवांस बुकिंग से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। ग्लोबल और साउथ इंडिया बॉक्स ऑफिस पर पहले ही रिकॉर्ड तोड़ चुकी इस फिल्म के लिए उत्तर में भी उत्साह है। हिंदी बेल्ट में एडवांस बुकिंग आधिकारिक रूप से शुरू होने के साथ ही, दर्शक बेसब्री से उस शानदार सिनेमाई अनुभव का इंतजार कर रहे हैं जो देवरा: पार्ट 1 देने का वादा करता है। दक्षिण में, देवरा: पार्ट 1 ने अपनी उल्लेखनीय एडवांस बुकिंग का सिलसिला जारी रखा है।

मोदी के बाद फिलहाल मोदी ही ,और कोई नहीं

राकेश अचल

अरविंद केजरीवाल खामखां माननीय मोदी जी से उलझ रहे हैं। उन्हें खुछ खास हासिल नहीं होगा सिवाय इसके कि वे भी मोदी जी की तरह दिल्ली वालों से अपने लिए तीसरा कार्यकाल मांगेंगे। क्योंकि आम आदमी पार्टी में भी केजरीवाल के बाद कोई नहीं है । और अगर हैं तो इतने हैं कि केजरीवाल के बाद खुद आपस में लड़-भिड़कर समाप्त हो जायेंगे। हाँ केजरीवाल के पास एक विकल्प है जो मोदी जी के पास नहीं है ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बहुत छलिया हैं । उन्होंने भाजपा और आरएसएस के साथ ही प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी की दुखती रग को छेड़ दिया है। केजरीवाल ने कहा है कि मोदी जी की तो रिटायरमेंट की उम्र हो चुकी है ,उनके बाद कौन उनकी दी जा रही गारंटियां लेगा ? केजरीवाल को ऐसा नहीं कहना चाहिए ,क्योंकि मोदी जी आम आदमी पार्टी का नहीं भारतीय जनता पार्टी का अंदरूनी मामला हैं। केजरीवाल की टिप्पणी के बाद पूरी भाजपा बिलबिला गयी है ,लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री और मोदी जी के हनुमान श्री अमित शाह से नहीं रहा गया । उन्होंने कह ही दिया कि मोदी जी अभी रिटायर होने वाले नहीं हैं,वे 2029 तक देश के प्रधानमंत्री रहेंगे। शाह साहब आखिर मोदी जी के बारे में इससे ज्यादा क्या कहते? वे ये तो नहीं कह सकते थे कि मोदी जी 2034 तक प्रधानमंत्री रहेंगे या 2047 तक ? शाह साहब को खुद नहीं पता कल के बारे में । लेकिन मैं चाहता हूँ कि मोदी जी कब तक प्रधानमंत्री रहेंगे ये भाजपा या शाह या केजरीवाल पर नहीं खुद मोदी जी के ऊपर छोड़ देना चाहिए। कोई उन्हें लालकृष्ण आडवाणी जी की तरह धकियाकर प्रधानमंत्री बने ये मुझे बर्दाश्त नहीं।

भारत की राजनीति में जैसे कांग्रेस के राहुल गांधी मोदी जी के सिर पर सवार एक भूत हैं ठीक उसी तरह मोदी जी का भूत राहुल गांधी के ही नहीं बल्कि पूरे विपक्ष और देश की 37 फीसदी आबादी के सिर पर सवार हैं। भूत होना कोई बुरी बात नहीं है। भूत ही अभूतपूर्व होता है। मोदी जी को नाश्ते में हर रोज दो किलो गालियां लगतीं हैं, वे अभूतपूर्व होने पर भी मिल रहीं है और भूतपूर्व होने पर भी आसानी से मिलेंगीं। जैसे मोदी जी दस साल बाद भी हर असफलता के लिए कांग्रेस की सरकार और देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर सत्रहवें प्रधानमंत्री को कोसते रहते हैं ,उन्हें भी वही उपचार उपलब्ध रहेगा।

दरअसल मोदी जी को लेकर देश ही नहीं पूरी भाजपा और भाजपा की जननी आरएसएस बुरी तरह से उलझ गयी है ।

दोनों के पास इस सवाल का कोई फौरी जबाब नहीं है कि - मोदी के बाद कौन ? इस सवाल पर दोनों संस्थाएं मौन हैं। तय है कि मोदीजी के बाद कोई तो होगा ? किन्तु किसी में इतना साहस नहीं है कि वो मोदी जी के सामने ये घोषणा कर सके कि मोदी के बाद फलां साहब भाजपा की और से प्रधानमंत्री के प्रत्याशी होंगे। ये समस्या ठीक वैसी ही है जैसी कि कांग्रेस में है। कांग्रेस में - राहुल के बाद कौन पर सब मौन रहते हैं। हालाँकि कांग्रेस में राहुल के बाद उनकी बहन खड़ी नजर आतीं है लेकिन भाजपा में तो मोदी के बाद कोसों ,मीलों दूर तक केवल और केवल मोदी जी ही दिखाई देते हैं।

मुझे तो कभी -कभी लगता है कि आज भी मोदी के आगे या पीछे केवल मोदी जी ही हैं। ठीक उसी तरह जैसे तीतर के आगे दो तीतर ,तीतर के पीछे दो तीतर होते हैं यानि आगे तीतर ,पीछे तीतर। अब बोलो कितने तीतर ? भाजपा में मोदी एक नहीं अनेक का प्रतीक हैं। वे अपने पूर्ववर्ती अटल बिहारी बाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ही नहीं अपितु संघ के संस्थापक से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जायेंगे। भाजपा चाहकर भी मोदी जी को किसी कालपत्र में रखकर जमीदोज नहीं कर सकती। [कालपात्र बनाने और उसे जमीदोज करने का सिलसिला तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने शुरूकिया था]

मुझे लगता है कि अरविंद केजरीवाल खामखां माननीय मोदी जी से उलझ रहे हैं। उन्हें खुछ खास हासिल नहीं होगा सिवाय इसके कि वे भी मोदी जी की तरह दिल्ली वालों से अपने लिए तीसरा कार्यकाल मांगेंगे। क्योंकि आम आदमी पार्टी में भी केजरीवाल के बाद कोई नहीं है । और अगर हैं तो इतने हैं कि केजरीवाल के बाद खुद आपस में लड़-भिड़कर समाप्त हो जायेंगे। हाँ केजरीवाल के पास एक विकल्प है जो मोदी जी के पास नहीं है । केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता को दिल्ली की राबड़ी देवी बना सकते हैं ,लेकिन मोदी जी ऐसा सात जन्म में भी नहीं कर सकते। क्योंकि उन्होंने अपने पहले जन्म में ही अपनी पत्नी का त्याग कर दिया। अपने उत्तराधिकारी के रूप में पत्नी को बैठने की इस परम्परा के लिए भारत की राजनीति माननीय लालू प्रसाद यादव की सदियों तक आभारी रहेगी। लालू जी को इसी अभिनव प्रयोग के लिए भारतरत्न मिलना चाहिए था।

बहरहाल अभी लोकसभा चुनाव के तीन चरण शेष हैं। तीन चरण के बाद आठवां चरण मतगणना का होग। इसी के बाद पता चलेगा कि देश को मोदी के किसी उत्तराधिकारी की जरूरत है भी या नहीं ? वैसे जैसे पति-पत्नी की जोड़ी बनाने का काम ऊपर वाला करता है वैसे ही उत्तराधिकारी बनाने का काम भी किसी न किसी के हाथ में तो होगा ही। अब नेहरू जी कौन सा शास्त्री जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित करके गए थे ,लेकिन वे नेहरू जी के उत्तराधिकारी बने । ऐसे ही शास्त्री जी के बाद इंदिरा गाँधी को भगवान ने ही शास्त्री जी का उत्तराधिकारी बनाया कि नहीं ? इंदिरा जी के बाद मोरारजी भाई या चौधरी चरण सिंह को किसी ने भी इंदिरा गाँधी का उत्तराधिकारी नहीं बनाया था लेकिन वे बने। उत्तराधिकार किस्मत से मिलता है। जैसे राजीव गांधी के बाद वीपी सिंह को मिला । वीपी सिंह के बाद चंद्रशेखर, नरसिम्हाराव और अटल बिहारी बाजपेयी को मिला। देवगौड़ा ,इंद्रकुमार गुजराल और डॉ मनमोहन सिंह को मिला। खुद नरेंद्र मोदी जी को मिला। ऐसे ही केजरीवाल को परेशान नहीं होना चाहिए कि मोदी जी के बाद कौन उनका उत्तराधिकारी होगा। फिलहाल अगर ताकत है तो पहले मोदी जी को अभूतपूर्व से भूतपूर्व बनाने की जुगत बैठाइये ,अन्यथा घर बैठिये।

संपादकीय

जीत और दस किलो अनाज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी लिख कर दे रहे हैं कि 4 जून के बाद प्रधानमंत्री मोदी इस पद पर नहीं रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का दावा है कि भाजपा 200 सीटें भी जीत नहीं पाएगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस हद तक बयान दे रहे हैं कि भाजपा 140 सीटों को भी तरस जाएगी। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आकलन है कि भाजपा 195 सीटों तक सिमट जाएगी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पहले ही अपना गणित बता चुके हैं कि भाजपा 220-230 सीटें ही जीत सकती है। विपक्ष के ऐसे दावों की हुंकार भरी जा रही है और वह लगातार देश को आश्वस्त करने में जुटा है कि उसने एक आंतरिक सर्वे कराया है, जिसके मुताबिक 'इंडिया' गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीत रहा है, लिहाजा अगली सरकार 'इंडिया' की ही बनेगी। खडगे ने लखनऊ प्रेस वार्ता के दौरान यह वायदा भी किया कि यदि 'इंडिया' की सरकार बनी, तो 80 करोड़ से अधिक उन गरीबों को 10 किलोग्राम अनाज प्रति माह मुफ्त दिया जाएगा, जिन्हें अभी 5 किलो मुफ्त अनाज मिल रहा है। सरकारी खजाने पर 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी का बोझ पहले से ही है, लिहाजा 10 किलो अनाज बांटने पर वह दोगुनी हो जाएगी। दिलचस्प है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने यह नया जुमला उछाला है, जबकि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने रायबरेली की जनसभाओं में इस योजना पर सवाल उठाते हुए जनता से पूछा है कि आपको रोजगार चाहिए या 5 किलो मुफ्त अनाज? राहुल गांधी समेत कांग्रेस के बड़े नेता भी इस योजना पर सवाल उठाते रहे हैं कि क्या 80 करोड़ से अधिक भारतीय इतने गरीब हैं कि यदि उन्हें मुफ्त अनाज न मिले, तो वे भूखों मर सकते हैं? इस योजना के 10 किलो तक विस्तार पर कांग्रेस में रणनीतिक विरोधाभास क्यों हैं? क्या नेतागण आपस में विमर्श नहीं करते? कांग्रेस का चुनाव घोषणा-पत्र भी इस मुद्दे पर बिल्कुल खामोश है, लिहाजा कई कांग्रेसी खडगे की घोषणा से हैरान भी होंगे! कांग्रेस अध्यक्ष ने, सपा अध्यक्ष की मौजूदगी में, नए वायदे की घोषणा तब की है, जब चार चरणों में 378 लोकसभा सीटों पर मतदान सम्पन्न हो चुका है और 164 सीटों पर मतदान ही शेष है। 70 फीसदी से अधिक जनादेश तय होकर ईवीएम में दर्ज हो चुका है। जिन 164 सीटों पर मतदान अभी शेष है, 2019 के चुनाव में उनमें से 97 सीटें भाजपा ने जीत कर हासिल की थीं। इस बार के आम चुनाव में अब विपक्ष के भीतर ऐसा कौनसा 'सुपर विश्वास' जाग उठा है कि उसने जीत के दावों की बौछार कर दी है। कई बार तो विपक्ष के दावों पर थोड़ा-सा यकीन भी होने लगता है, लेकिन देश के गृहमंत्री अमित शाह का दावा भी कौंधने लगता है कि जिन सीटों पर मतदान हो चुका है, उनमें से 270 सीटें मोदी जीत चुके हैं। यानी बहुमत भाजपा-एनडीए के पक्ष में मिल चुका है। दोनों पक्षों के दावों को छोड़ भी दिया जाए, तो यह भी नहीं भूलना चाहिए कि विपक्ष ने ऐसे दावे 2019 में भी किए थे। ऐसे आंतरिक सर्वे की बात राहुल गांधी तब भी दोहराया करते थे। मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, चोर चौकीदार नहीं रहेगा, यह तो कांग्रेस का चुनावी जुमला बन गया था। नतीजा पूरा देश जानता है। यदि अब भी आगामी चरणों में भाजपा की 50 फीसदी सीटें भी कम हो जाएं, तब भी वह 319 सीटें जीत सकती है। यदि भाजपा की जीत में 10 फीसदी सीटें ही कम हों, तो भी वह 357 सीटें जीत सकती है।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था। वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे

ईड़ी के पैरों पर सुप्रीम कोर्ट ने डाली बेड़ियाँ

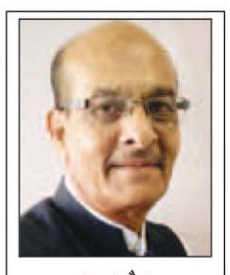

सनत जैन

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईड़ी के अधिकारियों द्वारा ?जिस तरह से पीएमएलए कानून में गिरफ्तारियां की जा रही थी। गिरफ्तारी करने के बाद सबूत तलाशे जाते थे। जिन लोगों को ईड़ी गिरफ्तार कर लेती थी। उन्हें महीनो और सालों तक जांच और चार्ज शीट पेश करने के नाम पर जेल में बंद रखकर प्रताड़ित किया जाता था। दिल्ली के शराब घोटाले मामले में 2 साल से आरोपी जेल में बंद है। हनुमान जी की पूंछ की तरह शराब घोटाले में आरोपियों और गिरफ्तारियो की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही थी। ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से पीएमएलए कानून में विशेष प्रावधान होने के कारण न्यायपालिका जमानत नहीं दे सकती थी। ईड़ी की कार्यप्रणाली को लेकर धीरे-धीरे खुलासे हुए। तब जाकर सुप्रीम कोर्ट को समझ आया, केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कानून मे मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं। बिना नियम कानून का पालन किये मनमाने तौर पर आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। मनी लॉन्ड्रिंग कानून में दोहरे प्रावधान होने के कारण आरोपियों को दो अलग-अलग परीक्षण से गुजरना होता था। ईड़ी के अधिकारी पीएमएलए कानून की धारा 19 तथा धारा 45 के नियमों के तहत मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे थे। सुप्रीम

कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जवल भुईया की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के पश्चात ईड़ी के अधिकारियों के पैरों पर कानून की बेडियां पहना दी ?हैं। अब ईड़ी के अधिकारी कानून के तहत मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग नहीं कर पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के ही न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपंकर दत्ता की खंडपीठ ने अरविंद केजरीवाल के मामले में भी अंतरिम जमानत देकर, ईड़ी की कार्य प्रणाली और ईड़ी के अधिकारियों द्वारा कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर जमकर लताड़ लगाई थी। ईड़ी के अधिकारियों द्वारा जो मनमानी की जा रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उस पर रोक लग जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी अब धारा 19 में किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे, जब तक इसकी अनुमति स्पेशल कोर्ट से न ली गई हो। गिरफ्तारी के पहले अधिकारियों को न्यायालय में सबूत प्रस्तुत करने होंगे। न्यायालय की संतुष्टी होने पर गिरफ्तारी की अनुमति मिलेगी। बिना सबूत, केवल आरोप के आधार पर अब किसी की गिरफ्तारी संभव नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है, जो आरोपी कोर्ट के सामने पेश हो जाता है। उसके संबंध में कोई भी ?निर्णय करने का अधिकार केवल न्यायपालिका को होगा। ??किसी भी कार्यवाही के लिए विशेष अदालत से ईड़ी को पूर्व अनुमति लेना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय दिया है। उसके अनुसार कोर्ट पहले सरकारी वकील को सुनेगा। उसके बाद यदि कोर्ट संतुष्ट होगी, आरोपी दोषी नहीं है, या उसकी गिरफ्तारी जरूरी है। ऐसे सभी मामलों में न्यायालय द्वारा निर्णय लिए जाएंगे। अदालत को ऐसा लगता है, जमानत मिलने के बाद आरोपी अपराध नहीं करेगा। तो विशेष अदालत (ट्रायल कोर्ट) भी आरोपी को जमानत दे सकेगी। पिछले दो-तीन वर्षों में ईड़ी के अधिकारियों का खौफ सारे देश में सभी वर्गों के ऊपर फैल गया था। पीएमएलए कानून में लंबे समय तक जमानत नहीं होती थी। दोहरे कानून होने के कारण न्यायालय से भी गिरफ्तार व्यक्तियों को जमानत नहीं मिल पा रही थी। विपक्ष लगातार आरोप लगाता था, सरकार के इशारे पर ईड़ी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं पर जानबूझकर आरोप के आधार पर जेल भेज रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद डरा -धमका कर बयान लेने और सबूत जुटाने का प्रयास ईड़ी के अधिकारी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से ईड़ी का जो खौफ विपक्षी दलों के नेताओं, अधिकारियों, कारोबारी तथा सरकार से सवाल पूछने वाले लोगों के बीच में बना हुआ था। उससे अब लोगों को राहत मिलेगी। राजनीति में भी पारदर्शिता आएगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जवाब देही तय होगी। ईड़ी का कितना भय था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। करोड़ों रुपए की ठगी, नकली ईड़ी के अधिकारी बनकर ठग करने लगे थे। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय देर से आया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने साबित कर दिया है, कानून का राज सभी के ऊपर लागू होता है। सरकार और ईड़ी के अधिकारी इससे अलग नहीं हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से संविधान में वर्णित स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की सराहना सर्वत्र हो रही है। आपातकाल के दौरान जिस तरह का भय लोगों में 1975 में देखने को मिलता था। उससे ज्यादा भय अघोषित आपातकाल में ईड़ी का भय लोगों के मन में देखने को मिल रहा था। इस डर और भय से मुक्ति दिलाने का काम सुप्रीम कोर्ट ने किया है।

राजनीति में अपशब्द का इस्तेमाल नहीं करें

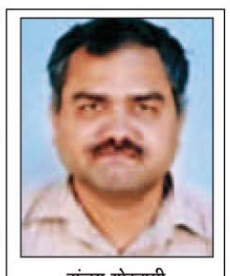

संजय गोस्वामी

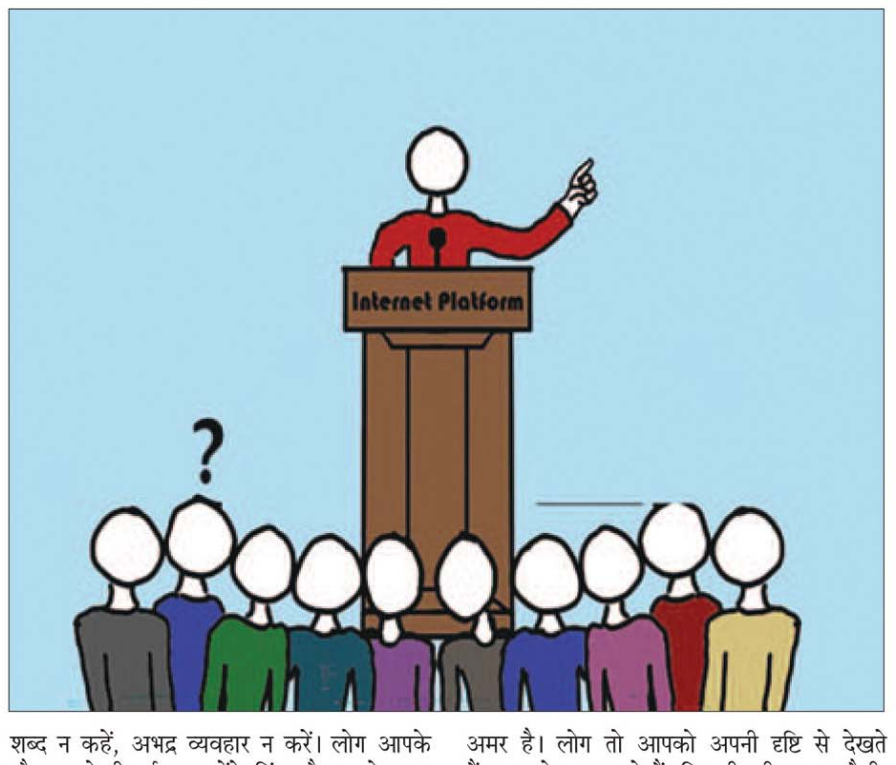

जिस तरह कोई भी नेता प्रधान मंत्री के बारे में मैं इतना बुरे शब्दों का इस्तेमाल करता व सत्ता पक्ष उसका जबाव देता है ऐ सबों की उसकी बौखलाहट का नतीजा है ऐ रे तुम ताम करना गलत है और प्रधान मंत्री ने उसका जवाब शांतिपूर्वक तरीके से दिया, शांति से काम दें देशहित में बात करें कहाँ क्या हुआ नहीं हुआ ऐ जनता को मालूम है खासकर युवाओ और बुजुर्गो को, देश के सेना पर सबाल उठाना नहीं चाहिए सर्जिकल स्ट्राइक हुआ ऐ मान लें तो क्या होगा क्योंकि ऐ सेना प्रमुख का बयान है जो सरहदो पर हमारी रक्षा करते हैं।

जब निर्दोष होने पर भी आपको प्रतिष्ठा पर आक्रमण हो रहा हो तथा आपका नाम घसीटा जा रहा हो, तो आप बौखलाकर कटु उत्तर न देने लगें, बल्कि संयम से काम लें तथा यत्र तत्र प्रलाप (लूज टाक) न करें। समय आने पर ही उत्तर दें तथा उचित एवं सीमित उत्तर दें। मितभाषी होना सीखें। अधिक बोलनेवाला व्यक्ति स्वयं ही अपने को उलझाकर समस्याएं खड़ी कर लेता है तथा फँसता जाता है। व्यर्थ की बकबक से मनुष्य अपनी गरिमा खो देता है। अति का भला न बोलना शब्द न कहें, अभद्र व्यवहार न करें। लोग आपके सौजन्य को भी दुर्बलता कहेंगे, किंतु सौजन्य तो मनुष्य की शोभा है, उत्तम प्रभावकारी गुण है। गाली का जवाब गाली नहीं है, आवत गारी एक है, उलटत होय अनेक। कह कबीर नहिं उलटिए, वही एक को एक। व्यक्तिगत हमला होने पर आपकी मान्यताओं एवं आस्थाओं की परीक्षा होती है। संघर्ष से आपका व्यक्तिगत निखरकर ऊपर उठ सकता है और भौतिक अमर है। लोग तो आपको अपनी दृष्टि से देखते हैं,आत्म-प्रेक्षपण करते हैं। जिनकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत तिन देखी तैसी। दुष्ट लोग सन्तों को घुन्ना, छिपा रुस्तम, बना हुआ पाखंडी, ऊँचा कलाकार कह देते हैं और उन्हें दुष्ट सिद्ध करने का प्रयत्न करते हैं। किसी के गुणप्रकर्ष को न जा सकने से उसकी निंदा होने पर आश्चर्य नहीं है। न वेत्ति यो यस्य गुणप्रकर्ष स तं सदा निन्दति नात्र चित्रम्। यथा किराती और दोषों को ही देखते हैं। दुष्ट को दूसरों को दोष ही दिखाई देते हैं, गुण नहीं दीखते। सुंदर मणियों से विनिर्मित भवन में भी चींटी छिद्र ही ढूंढती है- सुन्दरमणिमयभवने पश्यति पिपीलिका रन्ध्रम्। छिद्रान्वेषण करना दुष्टों का स्वभाव होता है। दोषदर्शन से कटुता उत्पन्न होती है। सर्प और बिच्छु प्रकृतिवाले दुष्ट वाले (सैडिस्ट) दिनभर इसी में सुख मानते हैं कि आज कितने लोगों को रुला दिया और कितने लोगों को सता दिया। वे दूसरों को सताने में, दूसरों का अकारण अपमान करने में सुख मानते हैं। आप उनसे कितने ही बचें, वे आपको नहीं छोड़ते। वे बनावटी प्रेम दिखाकर खून चूस लेते हैं। अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए आपके पेट में घुसकर आपसे काम ले लेते हैं और आपको आवश्यकता होने पर वे आपको सहायता देने के बजाय हानि पहुँचाने में सक्रिय हो जाते हैं तथा अपने क्रूर अत्याचार को सिद्धान्तों का जामा पहनाकर स्वयं अच्छे, भले नजर आते हैं। ऐसे व्यक्ति जब उच्च पदाधिकारी अथवा धन के कारण सत्ताधारी हो जाते हैं, तो त्राहि-त्राहि मच जाती है। उनके दमन का डटकर प्रतिरोध करते हुए भी उन्हें प्रेम से ही सुधारा जा सकता है। सन्त उन्हें क्षणा ही करते हैं। साधुपुरुष संकट में भी उत्तम स्वभाव का परित्याग नहीं करते। कपूर आग में जलने पर सुगान्धित हो जाता है। स्वभावं न जहात्यन्तः साधुरापद्गतोऽपि सन्। कर्पूरः पावकप्लुष्टः सौरभं भजतेतराम्। निन्दक को धन्यवाद दो। यदि नाटक में खलनायक (विलेन) न हो, तो नायक (हीरो) के व्यक्तित्व में चमक न आयेगी। विश्वास रखो कि समाज में एक दिन आपकी सत्यनिष्ठा का मान अवश्य होगा। वास्तव में निंदक आपके नाम को चमकाने में लगे हुए हैं। अतः राजनीति में कोई हारता है और कोई जीतता है लेकिन वाणी में संयम रखें सही है उनकी

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

निर्देशक मुझे अमीर, उच्च समाज का व्यक्ति नहीं मानते

अभिनेता मनोज बाजपेयी कई तरह की भूमिकाएँ निभाने के लिए जाने जाते हैं। हालाँकि, मनोज को एक प्रभावशाली और समृद्ध व्यक्ति के रूप में नहीं चुना गया है।

अपने हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा है कि, मुझे कभी भी उच्च-समाज की भूमिकाओं के लिए नहीं चुना गया। मनोज ने कहा, गुलमोहर (2023) से पहले एकमात्र फ़िल्म जिसमें मैंने एक अमीर आदमी की भूमिका निभाई थी, वह थी जुबैदा (2001)। यह श्याम बेनेगल का दृढ़ विश्वास था। वह वही थे जिन्हें लगा कि असली महाराजा ग्रीक देवता नहीं थे। वे सामान्य दिखते थे। वीर-ज़ारा (2004) में, मैंने पाकिस्तान के एक राजनेता की भूमिका निभाई। इसमें मेरे दो दृश्य थे, लेकिन यशजी (चोपड़ा) अड़े थे कि मैं यह करूँ। उन्होंने पिंजर (2003) देखने के बाद मुझे कास्ट किया। इन फ़िल्म निर्माताओं के पास वह नज़रिया था जो जीवन को करीब से देखने से उपजा है।

अभिनेता ने कहा, मैंने जो भूमिकाएँ निभाईं, वे ज़्यादातर मध्यम-वर्ग और निम्न-मध्यम-वर्ग की कहानियों पर आधारित थीं। मुझे कभी भी उच्च-समाज की भूमिकाओं के लिए नहीं चुना गया। कोई भी निर्देशक मुझे एक अमीर आदमी के रूप में नहीं देख सकता, सिवाय उन दो दिग्गजों के जिनका मैंने उल्लेख किया है। यह स्टीरियोटाइपिंग मौजूद है। मनोज बाजपेयी एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता हैं, जो गैंग्स ऑफ वासेपुर, शूल, सत्या, गुलमोहर, जोरम और कौन जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। अभिनेता को आखिरी बार कमर्शियल एंटरटेनर भैया जी में देखा गया था।

हमेशा से परिवार शुरू करना चाहती हैं शोभिता, सगाई के बाद अब किया खुलासा

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। 8 अगस्त को अभिनेता ने शोभिता धुलिपाला के साथ सगाई कर ली है। दोनों ने एक-दूजे को मंगनी की अंगूठी पहनाई। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया है कि शादी कर के घर बसाने की उनकी हमेशा से इच्छा रही है। यही नहीं, अभिनेत्री ने मां बनने पर भी खुलकर बात की है। एक साक्षात्कार के दौरान, शोभिता धुलिपाला ने बताया कि कैसे वह हमेशा शादी करना चाहती थीं और शादी के बाद बच्चे पैदा करना चाहती थी। उन्होंने खुलासा किया कि वह हमेशा खुद को शादी करने और मां बनने के अहसास को अपनाने की कल्पना करती रहती थीं। शोभिता ने कहा, मैंने हमेशा सोचा था कि मैं हमेशा मां बनने का पूरा अनुभव चाहती हूं। मैं इस बारे में बहुत स्पष्ट थी और शादी करना चाहती थी। मैंने हमेशा खुद को उस सेटिंग में देखा। यह कुछ ऐसा है, जिसके बारे में मैंने कल्पना की थी। इसके अलावा इंटरव्यू के दूसरे पॉइंट पर शोभिता ने नागा चैतन्य के साथ अपनी सगाई समारोह के बारे में भी बताया, जिसमें सब कुछ सरल और सादगी से हुआ था। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनके जीवन के इस खास पल को फैंसी होने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह दिन उनके लिए बिल्कुल सही था और वह संतुष्ट महसूस कर रही थीं। हालांकि, जब से नागा चैतन्य और शोभिता ने सगाई की है, तब से ही इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि उनकी शादी कैसी होगी। हालांकि, दोनों अभिनेताओं के करीबी सूत्रों ने न तो शादी की तारीख और न ही समारोह स्थल का खुलासा किया है, लेकिन कुछ पिछली रिपोर्टों की मानें तो दोनों राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकते हैं। नागा और शोभिता ने 8 अगस्त को हैदराबाद में अपने करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में सगाई कर ली थी। बाद में, नागार्जुन अक्किनेनी ने जल्द ही शादी करने वाले कपल की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसमें उनकी सगाई की घोषणा की गई और शोभिता का परिवार में स्वागत किया गया था।

क्रिस्टल डिसूज़ा ने टीवी इंडस्ट्री की पोली खोल!

एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा का टीवी करियर शानदार रहा है। उन्होंने सीरियल्स के अलावा फिल्मों में भी काम किया है। वो ओटीटी पर भी नजर आ चुकी हैं। अब उन्होंने इंडस्ट्री की पोल खोली है। हालिया इंटरव्यू में उन्होंने उन मुश्किलों का सामना किया है, जो उन्हें सहने के लिए मजबूर किए गए थे। सेट पर लगातार 60 घंटे तक काम किया, कई बार बेहोश भी हुईं। एंबुलेंस तक बुलाना पड़ा था।

क्रिस्टल डिसूजा ने इंटरव्यू में खुलासा किया कि हेल्थ संबंधी समस्याओं के बाद भी घंटों तक कड़ी मेहनत की। उन्होंने बताया कि कैसे एक्टर्स कभी-कभी 20-30 घंटे तक शूटिंग करते थे। मालूम हो कि क्रिस्टल को एक हजारों में मेरी बहना है से पहचान मिली थी। वो बिस्फोट में भी नजर आ चुकी हैं।

क्रिस्टल ने 2500 रुपये से की थी शुरुआत

एक्ट्रेस ने कहा, मैंने 2500 रुपये प्रति दिन से शुरुआत की थी। उस समय कोई नियम या गवर्निंग बॉडी नहीं थी, जो यह तय करती कि आप सिर्फ 12 घंटे ही शूटिंग कर सकते हैं।

60 घंटे लगातार शूटिंग, कई बार हुई बेहोश

उन्होंने आगे कहा, मैंने बिना रुके 60 घंटे तक शूटिंग की है। मैं कई बार सेट पर बेहोश हो चुकी हूं। टीम को एंबुलेंस बुलानी पड़ी। मुझे ड्रिप और दवाइयां मिलतीं और मैं शूटिंग पर वापस चली जाती। यहां तक कि अस्पताल जाने का भी समय नहीं था। वे अस्पताल को सेट पर ही ले आते थे। यह मुझ पर भारी पड़ रहा था, मैं वैसे भी नहीं चल पा रही थी। लेकिन मेरे लिए अपने काम में अच्छा होने के लिए यह जरूरी था।

टीवी ने क्रिस्टल को बनाया मजबूत

क्रिस्टल ने ये भी बताया कि उन्हें हमेशा लगता था कि वह उतनी अच्छी नहीं हैं। वो आर्थिक तंगी से भी जूझी हैं। उन्होंने कहा, टीवी ने मुझे बहुत मजबूत, कॉन्फिडेंट और सहज बनाया है। मैं टीवी की बदौलत ही अपना सबकुछ जी सकती हूं।

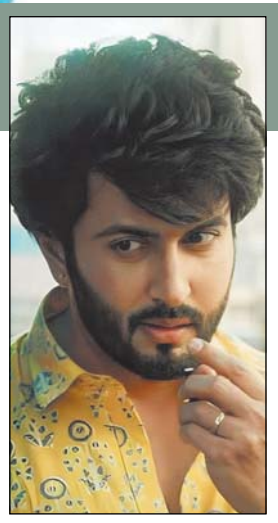

बिग बॉस 18 से बाहर हुए धीरज धूपर

सलमान खान के बिग बॉस 18 शो को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त हाइप बना हुआ है। शो के प्रोमो के आने के बाद से ही लोगों में शो को लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। शो को लेकर पिछले कई दिनों से प्रतियोगियों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, अब कई नाम कंफर्म भी हो गए है और मेकर्स द्वारा उनकी आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अब इन सब के बीच शो शुरू होने से पहले ही एक बिग बॉस 18 से एक नाम का पत्ता साफ हो गया है। कुंडली भाग्य से दर्शकों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बनाने वाले अभिनेता धीरज धूपर पिछले कुछ दिनों से टीवी से दूर अपनी निजी जिंदगी में काफी व्यस्त थे। हालांकि, कयासों का बाजार गर्म था कि अभिनेता बिग बॉस 18 से एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे, लेकिन अब अभिनेता के फैंस के लिए एक बुरी खबर है। धीरज का नाम लिस्ट से बाहर कर दिया गया है। खबर थी कि धीरज ने मेकर्स के सामने अपने कुछ डिमांड रखे थे और पिछले कई दिनों से इसे लेकर मेकर्स से उनकी बातचीत चल रही थी। अब शो की हालिया लिस्ट को देखकर लगता है कि मेकर्स ने अभिनेता की डिमांड मानने से इनकार कर दिया है। इससे पहले ईशा कोप्पिकर भी शो करने से पीछे हट गई थीं। धीरज के अलावा जारी की गई लिस्ट में बाकी सितारों के नाम को कंफर्म ही बताया जा रहा है। वही, कई रिपोर्ट्स यह भी दावा कर रही हैं कि धीरज ने शो में आने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि उनका कहना था कि शो में कई बड़े और नामी चेहरे आ रहे हैं। ऐसे में वह शो जीतने में शायद असफल साबित होंगे। इससे पहले सायली सालुंखे के नाम को लेकर भी चर्चा तेजी, लेकिन पिछले दिनों खबर आई कि वह इस शो में हिस्सा नहीं ले रही हैं।

हमें महिलाओं पर अधिक फिल्में बनाने की जरूरत है, लापता लेडीज की सफलता पर बोलीं किरण

किरण राव की निर्देशित फिल्म लापता लेडीज ने रिलीज होने के बाद से ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और खूब प्यार बटोरा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इसके अलावा ओटीटी पर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म को लेकर लोगों का प्यार और भी बढ़ गया है। हालांकि, यह सब यही नहीं रुका। यह फिल्म अब ऑस्कर में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि है। अब किरण ने महिला प्रधान फिल्मों को लेकर अपनी बात रखी है। हाल ही में एक बातचीत में, किरण ने बताया कि उन्हें क्या लगा कि फिल्म की यह कहानी सच में काम आई। उन्होंने कहा, कहानी ने मुझसे बात की। यह दो लड़कियों के बारे में है जो स्वतंत्रता, अवसर और आवाज की तलाश कर रही हैं।, उन्होंने आगे कहा कि हिंदी सिनेमा को महिलाओं के बारे में और महिलाओं द्वारा बनाई गई अधिक फिल्में बनाने की जरूरत है।

किरण राव ने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमें महिलाओं पर अधिक फिल्में बनाने की जरूरत है। यह बहुत जरूरी है कि हम महिला कहानीकारों, निर्माताओं, अभिनेताओं और महिलाओं की निर्देशित प्रोजेक्ट्स में ज्यादा पैसा लगाए। इस फिल्म की सफलता के बाद मैं महिला किरदारों के आस-पास घूमती कहानियां बताना जारी रखूंगी। यही नहीं, किरण राव ने आगे कहा कि लोगों ने फिल्म से जुड़ाव महसूस किया क्योंकि इसमें कॉमेडी का भी मिश्रण था। हम कॉमेडी के जरिए इन मुद्दों को कहानी में शामिल करना चाहते थे क्योंकि कोई भी सिनेमा में जाने पर लेक्चर नहीं सुनना चाहता। मेरा मानना है कि कॉमेडी सबसे असहज मुद्दों से निपटने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। हमें लगा कि कहानी को जीवंत बनाए रखने से यह कहीं और मनोरंजक बन जाएगी। यही एक मुख्य कारण है कि दर्शकों ने इसे इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। बता दें कि इससे पहले, फिल्म के निर्माता आमिर खान ने ऑस्कर में इसकी प्रविष्टि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम सभी इस खबर से बहुत खुश हैं। मुझे किरण और उनकी पूरी टीम पर गर्व है। मैं फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन समिति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने ऑस्कर में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमारी फिल्म को चुना।

चिरंजीवी संग अपने रिश्ते पर बोले कोर्टला शिवा

हाल में ही तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हुआ है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री इस वक्त देशभर में काफी ज्यादा चर्चित है। आए दिन इस फिल्म इंडस्ट्री की फिल्में चर्चाओं में बनी रहती हैं। कंटेंट आधारित फिल्मों के साथ-साथ नए तरह के प्रयोग भी इन फिल्मों में देखने को मिल रहे हैं। बड़े बजट की फिल्मों से लेकर दर्शकों के लिए कुछ नया परोसने तक साउथ फिल्म इंडस्ट्री लगातार खुद को बेहतर साबित कर रही है। इस क्रम में अब देवरा- भाग 1 भी पर्दे पर रिलीज होने को तैयार है, जिसमें दर्शकों को समुंदर के भीतर खतरनाक एक्शन दृश्य दिखाए जाने वाले हैं। अब इस फिल्म के निर्देशक कोर्टला सिवा ने चिरंजीवी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की है।

देवरा- भाग 1 के लिए दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। इस फिल्म के लिए जूनियर एनटीआर और मशहूर निर्देशक कोर्टला शिवा एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। हाल में ही उन्होंने तेलुगु मीडिया के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने अपने और चिरंजीवी के संबंधों को लेकर फैले अफवाहों पर बात किया है। गौरतलब है कि दोनों ने फिल्म आचार्य में साथ काम किया था। इस फिल्म के फीके प्रदर्शन के बाद ये अफवाहें उड़ी थीं कि दोनों के संबंधों में खटास आ गई है। अब उन्होंने इन सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए देवरा निर्देशक ने दिलचस्प जानकारी साझा की है।

दोनों के बीच है अच्छे संबंध

कोर्टला शिवा ने कहा कि आचार्य फिल्म की असफलता के बाद सबसे पहले उनसे चिरंजीवी ने ही संपर्क किया था। उन्होंने कहा कि इस दौरान मजाकिया अंदाज में उन्होंने निर्देशक से कहा था कि दोनों के बीच अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, चिरंजीवी सबसे पहले मुझसे संपर्क करने वाले थे, उन्होंने मुझे मैसेज किया, तुम वापस उछल जाओगे, शिवा। हमारे बीच अच्छे संबंध हैं। जाहिर है कि शिवा के ये शब्द दोनों दिग्गजों के बीच किसी भी तरह के दरार को गलत ठहराते हैं।

27 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

बताते चलें कि देवरा इस साल 27 सितंबर को रिलीज हो रही है। फिल्म में एनटीआर के अलावा बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। फिल्म पूरे देश भर में विभिन्न भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म में सैफ अली खान नकारात्मक भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म को एनटीआर आर्ट्स और युवासुधा आर्ट्स के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है। अब तक जारी किए गए टीजर और ट्रेलर में फिल्म के दृश्य काफी भव्य नजर आ रहे हैं। फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस के बीच काफी उत्सुकता देखी जा रही है।

कॉन्सर्ट के बीच दिलजीत को झटका, सेंसर बोर्ड ने बढ़ाई मुश्किलें

मशहूर अभिनेता और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ अक्सर अपनी फिल्मों और गानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के 'दिल-लुमिनाती टूर के भारत चरण के टिकटों को लेकर फैंस में होड़ मची हुई है हालांकि, इसके अलावा दिलजीत के खाते में कई बड़ी फिल्में भी शामिल हैं। अब उनकी फिल्म 'पंजाब 95' की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। सेंसर बोर्ड और मेकर्स के बीच उनकी यह लड़ाई थमने का नाम नहीं ले रही है। फिल्म में पहले ही सेंसर बोर्ड ने 85 कट की मांग की थी, हालांकि, रिवाइजिंग कमिटी के रिव्यू के बाद अब फिल्म में 120 कट्स लगाने की डिमांड की गई है। फिल्म के मेकर्स अपनी डिमांड से पीछे नहीं हट रहे हैं।

भारत / बांग्लादेश दूसरा टेस्ट : एक भी गेंद फेंके बिना रद्द हुआ दूसरे दिन का खेल, 9 साल बाद हुआ ऐसा

कानपुर (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैच की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच का कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन का खेल लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया। सुबह हल्की बूंदाबांदी के बाद तेज बारिश शुरू हो गई जिससे ग्रीन पार्क स्टेडियम पर दूसरे दिन कोई खेल नहीं हो सका। पहले दिन भी बारिश की वजह से मैच देरी से शुरू हुआ था। 35 ओवर का खेल होने के बाद बारिश के कारण आगे का खेल रद्द करना पड़ा। इससे पहले 2015 में ऐसा हुआ था, जब साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में पूरा दिन खेल नहीं हो सका था।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2015 में चार मैच की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में बारिश की वजह से मैच ड्रॉ रहा था। बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर वहां भी पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। अफ्रीका ने पहली पारी में 59 ओवर में सभी विकेट खोकर 214 रन बनाए। भारत ने 22 ओवर में 80 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद मैच को ड्रॉ घोषित करना पड़ा।

भारत और बांग्लादेश मैच की बात करें तो दूसरे दिन मैदानकर्मियों ने 11.15 के आसपास बारिश रुकने पर तीन सुपर सोपर्स लगाए। रोशनी भी साफ नहीं थी जिस कारण सवा दो बजे आधिकारिक तौर पर खेल रद्द करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी बारिश की संभावना है। हालांकि, सोमवार और मंगलवार को आसमान साफ रहने की उम्मीद है। ऐसे में मैच ड्रॉ की ओर बढ़त दिख रहा है।

एआईटीए ने नये पदाधिकारियों का चुनाव किया, अदालत के निर्देश पर परिणाम रोका गया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने नये पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन कर लिया, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार परिणाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई। अदालत में महासंघ द्वारा खेल संहिता के उल्लंघन की याचिका पर सुनवाई जारी है। एआईटीए को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में चुनाव करवाना था, लेकिन मतदान की जरूरत नहीं हुई क्योंकि निर्वाचन अधिकारी को प्रत्येक पद के लिए केवल एक नामांकन प्राप्त हुआ था।

इस चुनाव में नये अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के अलावा आठ उपाध्यक्ष, चार संयुक्त सचिव और कार्यकारी परिषद के 10 सदस्य चुने गये हैं। यह पता चला था कि रोहित राजपाल और एक अन्य उम्मीदवार ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था लेकिन भारतीय डेविस कप के गैर-खिलाड़ी कप्तान रहे राजपाल ने बाद में अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ियों सोमदेव देववर्मन और पूरव राजा ने एआईटीए चुनावों पर रोक लगाने की मांग की थी।उनका दावा था कि महासंघ खेल संहिता का पालन नहीं कर रहा है और चुनाव लड़ने वाले कई उम्मीदवार इसके लिए योग्य नहीं है।

अदालत ने इस याचिका पर चुनावों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन एआईटीए और खेल मंत्रालय से अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा, '' चुनाव तत्काल रिट याचिका के परिणाम के अधीन रहेगा। चुनाव के परिणाम को चुनाव अधिकारी द्वारा सीलबंद लिफाफे में रखा जाएगा, जिसका अर्थ है कि चुनाव के परिणाम को प्रकाशित नहीं किया जाएगा। इस मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। मामले की सुनवाई तक पदाधिकारियों की नयी और पुरानी टीम संयुक्त रूप से महासंघ का ध्यान रखेगी।

कोहली का मानक इतना ऊंचा है कि मामूली गिरावट भी आलोचना बन जाती है

-पार्थिव पटेल और तमीम इकबाल ने विराट के प्रदर्शन को लेकर कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पार्थिव पटेल और तमीम इकबाल ने विराट कोहली की स्थिति को लेकर कई बातें साझा की हैं, विराट की तुलना फैब फोर के खिलाड़ियों- स्टीव स्मिथ, केन विलियमसन, और जो रूट से की है। दोनों पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि विराट कोहली पर बाकी तीनों की तुलना में बहुत ज्यादा दबाव होता है, और यह उनके प्रदर्शन पर असर डाल सकता है।

पार्थिव पटेल ने कहा विराट ने अपनी बल्लेबाजी का मानक इतना ऊंचा कर लिया है कि वह 60 या 70 रन भी बनाते हैं, तो उसे विफलता के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि कोहली पर भारतीय क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों का दबाव हमेशा रहता है। जब भी वह मैदान में आते हैं तो उनसे शतक की उम्मीद की जाती है लेकिन पार्थिव ने यह भी कहा कि विराट के अंदर अभी भी खेल के प्रति जोश और जुनून मौजूद है और वह अपने खेल का आनंद लेते हैं। विराट उम्र के साथ जरूर बदल रहे हैं, लेकिन दबाव का सामना करने की उनकी क्षमता भी बड़ी है।

वहीं तमीम इकबाल ने विराट कोहली को बेहतरीन बल्लेबाज माना, खासकर उनके सफेद गेंद वाले क्रिकेट के प्रदर्शन को लेकर। इकलाब ने कहा कि विराट ने भारत को अकेले दम पर कई मैच जिताए हैं, जो बाकी तीन खिलाड़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कोहली पर जितना दबाव होता है, उतना दबाव स्टीव स्मिथ, जो रूट, और केन विलियमसन पर नहीं रहता। इन टिप्पणियों से यह साफ हो जाता है कि विराट की महानता और उनके ऊपर उम्मीदों का दबाव हमेशा उनके प्रदर्शन के साथ जुड़ा रहा है। उनका मानक इतना ऊंचा है कि मामूली गिरावट भी उनकी आलोचना बन जाती है, लेकिन वे अब भी भारतीय क्रिकेट के सबसे अहम और दबाव में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं वह वाकई विराट हैं।

आर्चर ने फेंकी ऐसी गेंद मार्श को नहीं दी दिखाई और लौटे पवेलियन

-इंग्लैंड ने चौथे वनडे में आस्ट्रेलिया को 186 रन से हराया

लंदन (एजेंसी)। जोफ्रा आर्चर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने से पहले ही तेज गेंदबाज बन गए हैं। कैरेबियन देश में जन्मे आर्चर ने 2019 में इंग्लैंड के लिए डेब्यू किया था। वर्ल्ड कप 2019 के फाइनल में सुपर ओवर डालकर अपनी टीम को जीत दिलाई। फिर उसी साल एशेज सीरीज अपनी पेस बॉलिंग कर हर बल्लेबाज में अपना डरा बैठा दिया, लेकिन फिर चोट के कारण आर्चर मैदान से दूर हो गए। बीच-बीच में वापस लौटे लेकिन फिटनेस ने उनका साथ नहीं दिया।

अब आर्चर ने फिर वापसी की है और पूरी लय में नजर आ रहे हैं। इंग्लैंड टीम अपने घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रही है। जोफ्रा आर्चर भी इस सीरीज में इंग्लैंड टीम में शामिल हैं। लॉर्ड्स पर खेले गए

चौथे मुकाबले में जोफ्रा आर्चर ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श को बोल्ड मार कर पवेलियन रवाना कर दिया। आर्चर की गेंद इतनी तेजी से अंदर आई कि मार्श को लाइन में जाने का भी मौका नहीं मिला। गेंद उन्हें छकाती हुई विकेट में जा लगी। मार्श अच्छी बैटिंग कर रहे थे और 34 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हुए।

मार्श के आउट होने के बाद मार्नस लाबुशेन मैदान पर आए। आर्चर ने करीब 149 की स्पीड से गेंद फेंकी। यह गेंद लाबुशेन के हाथ पर लगी और वह दर्द से कराह उठे। डॉक्टर ने उन्हें चेक किया। उनके हाथ पर पट्टी लगाई गई। फिर कहीं जाकर वह खेलने के लिए तैयार हुए। वह ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक पाए और 10 गेंद पर 4 रन बनाकर आउट हो गए। आर्चर ने 7 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट लिए। 39-39 ओवर के इस मैच को इंग्लैंड ने 186 रन से जीत लिया।

बता दें लॉर्ड्स के ही मैदान पर 2019 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट हुआ था। उसमें आर्चर ने स्टीव स्मिथ के हेलमेट पर बाउंसर मारकर उन्हें घायल कर दिया था। फिर कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में मार्नस लाबुशेन प्लेइंग इलेवन में आए थे। दूसरी पारी में पहली ही गेंद पर आर्चर ने लाबुशेन के ग्रिल पर बाउंसर मार दी थी।

ऑस्ट्रेलिया की शर्मनाक हार, 126 पर सिमटी, सीरीज 2-2 की बराबरी पर

खेल डेस्क। लॉर्ड्स के मैदान पर टॉस जीतना इन दिनों फायदा का सौदा होता जा रहा है। रिकॉर्डबुक खंगाले तो यहां खेले गए पिछले 9 वनडे मुकाबलों में जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करती है वह जीतने में सफल रहती है। शुक्रवार शाम इंग्लैंड टीम को भी इसी तरह ऑस्ट्रेलिया पर बड़ी जीत हासिल हुई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच वनडे मैचों की सीरीज के चौथे मैच में इंग्लैंड को 186 रनों की जीत मिली है। इंग्लैंड ने बारिश बाधित मैच में पहले खेलते हुए हैरी ब्रूक के 87 और लिविंगस्टोन के 62 रनों की बदौलत 312 रन बनाए थे जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 126 रन पर ही ऑलआऊट हो गई।

इंग्लैंड ने ओपनर फिलिप सॉल्ट (22) का विकेट 10वें ओवर में गंवाया। जबकि विल जैक 10 ही रन बना पाए। लेकिन इसके बाद बेन डंकेट और कप्तान हैरी ब्रूक ने स्कोर 150 पार लगाया। डंकेट ने 62 गेंदों पर 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 63 रन बनाए। जबकि ब्रूक 58 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्के की मदद से 87 रन बनाने में सफल रहे। जेमी स्मिथ ने 28 गेंदों पर 39 रन बनाए। इसके बाद मध्यक्रम में लियाम लिविंगस्टोन और बीथल स्कोर को 5 विकेट के नुकसान पर 312 तक ले गए। लियाम ने 27 गेंदों पर तीन चौके और 7 छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए जंपा ने 66 रन देकर 2 विकेट लीं।

अभी संन्यास नहीं लेंगे आदिल राशिद

डरहम। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद ने कहा कि अभी उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। साथ ही कहा कि वह वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक खेलते हुए युवाओं से अपने अनुभव साझा करना चाहते हैं। 36 वर्षीय राशिद ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ एक केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जो

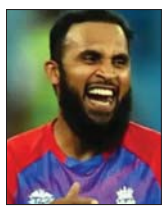

उन्हें 2025 के अंत तक टीम में बनाए रखेगा और उनका लक्ष्य अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी, 2026 टी20 विश्व कप और 2027 50 ओवर का विश्व कप खेलना है। राशिद ने कहा, मैंने अभी तक भविष्य के बारे में नहीं सोचा है। खेलते रहना, इसका आनंद उठाना, फिट रहना, अच्छी गेंदबाजी करना, जीत में योगदान देना, उम्मीद है कि विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना मेरा अंतिम लक्ष्य है। मैं हर मैच और हर सीरीज खेल रहा और अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं, तो मैं खेलना जारी रखूंगा। इतने लंबे समय तक खेलना और विकेट लेना, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, इसलिए उम्मीद है कि मैं इसे जारी रखूंगा। यह उतार-चढ़ाव के साथ एक मजेदार सफर रहा है और उम्मीद है कि मैं अपने करियर के बाकी बचे हिस्से में भी इसी तरह आगे बढ़ूंगा। साथ ही कहा, मैंने अभी तक संन्यास लेने या ऐसा कुछ करने के बारे में नहीं सोचा है, यह मेरे दिमाग में भी नहीं आया है।

आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई प्रतिनिधि चुनना एजीएम का मुख्य एजेंडा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की रविवार को होने वाली 93वीं सालाना बैठक का मुख्य एजेंडा आईसीसी की बैठकों में भारत के दो प्रतिनिधियों का चुनाव होगा और निवर्तमान सचिव जय शाह के बाद नये सचिव की तलाश एजेंडे में नहीं है। बैठक इसलिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूएई में महिला टी20 विश्व कप के बाद दुबई में आईसीसी कांक्लेव होने वाली है। महिला टी20 विश्व कप का फाइनल 20 अक्टूबर को दुबई में है और तब तक शाह बीसीसीआई सचिव पद पर रहेंगे। वह एक दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालेंगे। बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में सौरव गांगुली का कार्यकाल खत्म होने के बाद से शाह आईसीसी बैठकों में भारत की नुमाइंदगी करते आये हैं। बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी वैकल्पिक निदेशक हैं जो बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व आईसीसी बैठकों में कर सकते हैं लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं है। उनके कार्यकाल का एक ही साल बचा है लिहाजा देखना होगा कि वह वैकल्पिक निदेशक बने रहेंगे या किसी और को नामित किया जायेगा। सचिव का चयन एजेंडे में नहीं हैं। यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के नये परिसर के उद्घाटन के लिये एकत्र हुए सदस्य इस पर आपस में बात कर सकते हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: ऑस्ट्रेलिया टीम को सता रहा अश्विन और जडेजा का डर

-मैक्सवेल बोले- ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उनके बल्लेबाज भारत की स्पिन जोड़ी, अश्विन और जडेजा से कैसे निपटते हैं। भारत ने पिछले दोनों दौरों में ऑस्ट्रेलिया को उनकी धरती पर हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी और अब टीम इंडिया तीसरी बार यह उपलब्धि हासिल करने की तैयारी में है।

मैक्सवेल ने कहा कि अक्सर अश्विन और जडेजा की जोड़ी ही खेल का नतीजा तय करती है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इन

दोनों गेंदबाजों का सामना करने के बाद ऐसा लगता है कि उनके खिलाफ हमारा प्रदर्शन मैच का परिणाम तय करता है। हालांकि मैक्सवेल खुद ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट की योजना का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन्होंने यह साफ कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को भारत के अनुभवी स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अश्विन और जडेजा की जोड़ी ने मिलकर अब तक 330 पारियों में 821 विकेट लिए हैं और 50 बार पांच विकेट लेने का कारनामा कर दिखाया है। मैक्सवेल के मुताबिक यदि ऑस्ट्रेलिया इन दोनों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर पाती है, तो टीम जीत की अच्छी स्थिति में होगी। मैक्सवेल ने गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी तारीफ की, जिन्हें वह 2013 में आईपीएल के दौरान पहली बार नेट्स में गेंदबाजी करते हुए देख चुके हैं। मैक्सवेल ने कहा कि अब बुमराह को इस तरह शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए देखना अद्भुत है। वह तीनों प्रारूपों में शायद सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। अश्विन और जडेजा की कुशल स्पिन और बुमराह की तेज गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत की संभावनाओं को काफी हद तक प्रभावित करेगा।

हार्दिक पंड्या के टेस्ट क्रिकेट खेलने पर पार्थिव पटेल ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। इन दिनों हार्दिक पंड्या को लेकर कहा जा रहा है कि, वह नवंबर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट में वापसी कर सकते हैं। लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल का मानना है कि हार्दिक पंड्या टेस्ट क्रिकेट में कभी वापसी नहीं कर पाएंगे। हालांकि, उन्होंने इसके पीछे के कारण का भी खुलासा किया है। हाल ही में हार्दिक पंड्या को नेट्स में लाल गेंद से अभ्यास करते देखा गया और उसके बाद कयास लगाने लगे कि उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी हो सकती है। हार्दिक पंड्या पीठ में सर्जरी के बाद से खुद को सिर्फ वनडे और टी20 के लिए उपलब्ध रखा है। उन्हें टी20 वर्ल्ड कप 2023 के दौरान भी चोट लगी थी और उसके बाद उन्होंने फिर से क्रिकेट के मैदान पर कई महीनों के बाद वापसी की थी और पहले आईपीएल 2024 में हिस्सा लिया और फिर भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भी खेला। सोशल मीडिया पर हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो लाल गेंद से अभ्यास करते हुए दिखे थे। उसके बाद माना जा रहा था कि वो अगले रणजी सीजन में खेलते हुए दिख सकते हैं। हार्दिक ने साल 2018 में बड़ोदा के खिलाफ आखिरी फर्स्ट क्लास मैच खेला था। अब पार्थिव पटेल ने उन अफवाहों पर विराम लगाने का काम किया है जिसमें कहा जा रहा था कि वो लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। पार्थिव पटेल ने कहा कि पंड्या ने लाल गेंद से इस वजह से प्रैक्टिस की क्योंकि सफेद गेंद उपलब्ध नहीं थी।

इंग्लैंड और दक्षिण अफीका के बीच खेला गया था सबसे लंबा टेस्ट

मुम्बई। आजकल जहां टेस्ट क्रिकेट में भी आक्रामक रणनीत अपनायी जा रही है। जिससे अधिकतर मैच पांच दिनों से पहले ही समाप्त हो रहे हैं। वहीं पहले के दौर में ऐसा नहीं था तब कई मैच ड्रॉ होते थे। इसके बाद भीटेस्ट क्रिकेट की कितनी दीवानगी थी उसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि साल 1939 में डरबन में इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक ऐसा ही बेहद लंबा टेस्ट मैच खेला गया था। यह मैच 43 घंटे 16 मिनट चला और इसमें कुल 1981 रन बने थे। साल 1939 में डरबन में ये ऐतिहासिक टेस्ट मैच खेला गया था। तीन मार्च से शुरू हुआ यह मुकाबला 14 मार्च तक चला पर इसके बाद भी ड्रॉ रहा। 12 दिन के इस मैच में दो रेस्ट डे थे और एक दिन खराब मौसम के कारण खेल नहीं हुआ। इस प्रकार नौ दिन हुए खेल में 680.7 ओवर फेंके गये। उस समय 8 गेंद का एक ओवर हुआ करता था. जबकि आज 6 गेंद का ओवर हो रहा है। अभी टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो एक मैच में तकरीबन 450 ओवर 2700 गेंद का खेल होता है। वहीं जरूरी होने पर अंतिम दिन 8 ओवर बढ़ाए जा सकते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो उस टेस्ट में अभी से दोगुने से भी ज्यादा ओवर में फेंके गए थे। इस सबसे लंबे टेस्ट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 530 और दूसरी पारी में 481 रन बनाए थे जबकि इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 316 रन ही बना पायी थी। अंतिम पारी में उसे जीत के लिए 696 रन बनाने पर वह 5 विकेट पर 654 ही बना पायी थी। नौवें दिन के बाद ये मैच बिना परिणाम के ही समाप्त हो गया।

केन विलियमसन को एक ही सेशल में दो बार करनी पड़ी बल्लेबाजी, श्रीलंका के सामने पस्त न्यूजीलैंड

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की बुरी हालत हो गई है। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। मेजबान श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए खेल के तीसरे दिन 5 विकेट पर 602 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित किया। इसके जवाब में जब न्यूजीलैंड की बैटिंग शुरू हुई तो पूरी टीम ताश के पत्तों की रह बिखर गई। न्यूजीलैंड की टीम दूसरे सेशन के खत्म होने से पहले ही 88 रन पर ही ढेर हो गई। न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे ज्यादा मिचेल सैंटनर ने 29 रनों की पारी खेली। इसके अलावा 7 बल्लेबाज ऐसे रहे जो दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाए। टीम के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन 53 गेंद खेलकर महज 7 रन बना सके। इसके साथ विलियमसन के नाम के एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हो गया जिसे वह कभी याद नहीं रखना चाहेंगे। केन विलियमसन दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक हैं। विराट कोहली, जो रूट और स्टीव स्मिथ के साथ मॉर्डन डे क्रिकेट में वह फैब फोर में गिने जाते हैं, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच में उन्हें करियर में पहली बार एक ही सेशन में दो बार बैटिंग के लिए उतरना पड़ा जो कि काफी शर्मनाक है। श्रीलंका के मिले फॉलोऑन के बाद विलियमसन को बिलकुल भी उम्मीद नहीं थी कि उन्हें दोबरा बैटिंग के लिए जाना पड़ेगा। दरअसल, न्यूजीलैंड की शुरुआत दूसरी पारी में भी निराशजनक रही थी। ओपनर बल्लेबाजों ने अपना विकेट जल्दी गंवा दिया। ऐसे में उन्हें मैदान पर उतरना पड़ा गया। दूसरी पारी में केन ने क्रीज पर अपना पैर जमाया और डेवोन कॉन्वे के साथ मिलकर टीम के लिए फिफ्टी साझेदारी की।

बल्लेबाजी की तरह ऋषभ पंत की कप्तानी की भी अलग शैली है: मनोज तिवारी

सूरत (गुजरात) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने ऋषभ पंत की कप्तानी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी कप्तानी करने की एक अलग शैली है। पंत ने टी20 विश्व कप 2024 के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी की है। उन्होंने 8 मैच में 127.61 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 128 गेंदों पर 85.16 के स्ट्राइक रेट से 109 रन की पारी खेलकर फैंस का दिल जीत लिया। पंत के बल्ले से इस दौरान 13 चौके और 4 छक्के भी निकले थे। वह अपनी फार्म में हैं। ऐसे में मनोज ने कहा कि पंत की कप्तानी की शैली अलग है लेकिन फिर भी गिल के राष्ट्रीय टीम के अगले कप्तान बनने की अधिक संभावना है। तिवारी ने कहा कि जो व्यक्ति एक नेता के रूप में सामने आ रहा है, उसे ही टीम का नेतृत्व करना चाहिए। हाल ही में, हमने देखा कि शुबमन गिल को कई श्रृंखलाओं में कप्तानी दी गई थी। इससे पता चलता है कि बीसीसीआई उनका समर्थन कर रहा है, लेकिन भारत के पास ऋषभ पंत भी हैं। पंत के पास है कप्तानी की एक अलग शैली। इसलिए ये लोग अगली टीम का नेतृत्व करने के लिए दावेदार हैं, जिसमें से गिल के पास पंत से अधिक मौके हैं।

चोट से वापसी के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज का पहला क्रिकेट टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग 2024 पंत था, जहां वह मुख्य आकर्षणों में से एक थे। दिसंबर 2022 में अपनी भयानक कार दुर्घटना के बाद 14 महीने की रिकवरी के बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी की थी। आईपीएल 2024 में पंत ने 13 मैचों में 446 रन बनाए थे। बहरहाल, पंत अभी बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर के मैदान पर दूसरा टेस्ट खेलने में बिजी है। पंत के लिए यह टेस्ट सीरीज महत्वपूर्ण है जिसमें वह लय में आते दिख रहे हैं। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज होनी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पंत भारत के लिए तरुप का इक्का हो सकते हैं क्योंकि पिछले दो दौरों में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत रही है। इस दौरान पंत का प्रदर्शन शानदार रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भारत-चीन मतभेद मिटाने में सक्षम, द्विपक्षीय समझौते का सम्मान करेंगे; चीनी रक्षा मंत्रालय का बयान

एजेंसी, बीजिंग। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने कहा कि भारत और चीन टकराव वाले स्थानों से सैनिकों को हटाने व सभी मतभेदों को मिटाने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं। चीन के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन और भारत पूर्वी लद्दाख में जारी गतिरोध को समाप्त करने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने कहा, दोनों देश टकराव वाले स्थानों से सैनिकों को हटाने व सभी मतभेदों को मिटाने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं। झांग ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन और भारत राजनयिक और सैन्य चैनलों के जरिए से एक-दूसरे के साथ बीते कछ दिनों से लगातार बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में चीन के विदेश मंत्री और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बीच हुई वार्ता का भी जिक्र किया। कहा, दोनों देश सीमा पर शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए द्विपक्षीय समझौतों और विश्वास-निर्माण उपायों का सम्मान करेंगे। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय से चल रहे सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के लिए दोनों देश बातचीत के जरिये प्रयासरत हैं। डेमचोक और देपसांग से सैनिकों को पीछे हटाने के लिए दोनों देशों के बीच वार्ता कई दौर की वार्ता हो चुकी है। गत दिनों विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बैठक के बाद भारत ने कहा था कि 75 फीसदी तक मामला हल हो गया है।

सबसे लंबे समय तक मौत की सजा पाने वाले कैदी की 45 साल बाद हुई रिहाई, हत्या के मामले में बरी

टोक्यो, एजेंसी। इवाओ हाकामाडा को करीब 45 साल पहले मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से उसकी मौत की सजा टलती रही। ऐसे में साल 2014 में इवाओ हाकामाडा का नाम सबसे लंबे समय तक मौत की सजा काटने वाले कैदी के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया था। जापान में सबसे लंबे समय तक मौत की सजा काटने वाले एक व्यक्ति को आखिरकार रिहा कर दिया गया। अदालत ने 88 साल के इवाओ हाकामाडा को निर्दोष मानते हुए आरोपों से बरी करने का आदेश दिया। इवाओ हाकामाडा पर साल 1966 में चार लोगों की हत्याओं का आरोप था। गौरतलब है कि इवाओ हाकामाडा को करीब 45 साल पहले मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से उसकी मौत की सजा टलती रही। ऐसे में साल 2014 में इवाओ हाकामाडा का नाम सबसे लंबे समय तक मौत की सजा काटने वाले कैदी के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया था। जापान को शिजुओका जिला न्यायालय ने इवाओ हाकामाडा को दोषमुक्त करार दिया। इवाओ हाकामाडा की देखभाल उसकी बहन करती है। अदालत के आदेश पर खुशी जाहिर करते हुए इवाओ हाकामाडी की बहन हिदेको हाकामाडा ने कहा कि जब मैने टीवी पर अदालत का आदेश सुना तो मैं बहुत भावुक हो गई और मेरी आंखों से आंसू बहते रहे। दरअसल जिन सबूतों के आधार पर इवाओ को मौत की सजा दी गई थी, उन पर संदेह के चलते साल 2014 में इवाओ हाकामाडा के मामले पर फिर से सुनवाई शुरू हुई थी। इवाओ हाकामाडा एक पूर्व बॉक्सर है और उस पर अपने पूर्व बॉस और उसके परिवार की चाकू घोंपकर हत्या करने और उनके घर को जलाने का आरोप था। मामले के ट्रायल के दौरान इवाओ हाकामाडा ने अपना अपराध स्वीकार भी कर लिया था, लेकिन बाद में इवाओ ने अपना बयान वापस ले लिया और आरोप लगाया कि पुलिस के दबाव में उसने बयान दिया था। इवाओ को साल 1968 में मौत की सजा सुनाई गई थी और साल 1980 में जापान के सुप्रीम कोर्ट ने भी इवाओ की मौत की सजा बरकरार रखी थी।

इस्राइल ने यमन की मिसाइल को सफलतापूर्वक मार गिराया; हिजबुल्ला के साथ संघर्षविराम से किया इनकार

यरुशलम/ वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और गाजा के बीच करीब एक साल से जंग छिड़ी हुई है। वहीं, हिजबुल्ला से भी तनाव जारी है। इस बीच, यमन ने भी इस्राइल पर मिसाइल दागी। हालांकि, इस्राइली रक्षा बलों का दावा है कि उन्होंने मिसाइल को पहले ही अपने एरो एरियल डिफेंस सिस्टम के जरिए मार गिराया। इसके अलावा एक मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस्राइल ने हिजबुल्ला के साथ संघर्षविराम को खारिज कर दिया है। इस्राइली रक्षा बल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, यमन की तरफ से दागी गई मिसाइल को इस्राइल के एरो एरियल डिफेंस सिस्टम के जरिए सफलतापूर्वक मार गिराया। मिसाइल के फटने और छर्रे गिरने के बाद सायरन और विस्फोट सुने गए। जबकि एक मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इस्राइल ने हिजबुल्ला के साथ संघर्षविराम के आह्वान पर ध्यान देने से इनकार कर दिया है। इस्राइल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका ने तनाव को बढ़ने से रोकने तथा वहां और गाजा में कूटनीति को मौका देने के लिए इस्राइल-लेबनान सीमा पर 21 दिनों के युद्ध विराम का आह्वान किया है। पेंटागन ने कहा कि युद्ध विराम की योजना पर अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे ऑस्टिन , ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हीले और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने सहमति जताई है।

अमेरिका इतिहास के सबसे खराब सीमा संकट का सामना कर रहा, डोनाल्ड ट्रंप का कमला हैरिस पर निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप ने कहा कि कमला हैरिस के पास सीमा संकट से जूझने की कोई योजना नहीं है, न ही उनके पास ऐसा करने की क्षमता है। कॉमरेड कमला हैरिस ने जानबूझकर हमारी सीमा खोली, जिससे हमारे देश को लगभग तबाह करने में मदद मिली। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि करीब चार साल से अमेरिका दुनिया के इतिहास में सबसे खराब सीमा संकट का सामना कर रहा है। गुरुवार को डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने अमेरिका-मेक्सिको सीमा का दौरा किया था। उसके बाद ही ट्रंप ने यह बयान दिया है। गौरतलब है कि ट्रंप जिन मुद्दों को लेकर बाइडन-कमला हैरिस की सरकार को घेर रहे हैं, उनमें अवैध प्रवासियों का मुद्दा सबसे अहम है।

बीते चार वर्षों में सीमाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया : शुक्रवार को न्यूयॉर्क में मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि करीब चार साल से हम दुनिया के इतिहास में सबसे खराब सीमा संकट से गुजर रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, इसने हमारी धरती पर पीड़ा, दुख ला दिया है। इस विनाश की सूत्रधार कमला हैरिस हैं। ट्रंप ने कहा कि जब आप बीते चार वर्षों को देखते हैं, तो उन्होंने सीमा को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। वह अब सीमा पर क्यों जा रही हैं। उन्होंने जो किया है कोई उसे अच्छा नहीं बता रहा। उन्होंने शायद किसी भी सीमा के इतिहास में सबसे खराब काम किया है।

कमला हैरिस के पास सीमा संकट से जूझने की कोई योजना नहीं : ट्रंप ने कहा कि कमला हैरिस के पास सीमा संकट से जूझने की कोई योजना नहीं है, न ही उनके पास ऐसा करने की क्षमता है। कॉमरेड कमला हैरिस ने जानबूझकर हमारी सीमा खोली, जिससे हमारे देश को लगभग तबाह करने में मदद मिली। हमारा देश कभी इस तरह की घेराबंदी में नहीं रहा। उन्होंने कहा कि चार साल पहले, कमला हैरिस को अमेरिकी इतिहास में सबसे सुरक्षित सीमा विरासत में मिली थी, जिसमें रिकॉर्ड पर सबसे कम अवैध अप्रवास था। जिन लोगों ने हमारी सीमाओं का उल्लंघन किया, उन्हें पकड़ा गया, हिरासत में लिया गया और ट्रंप प्रशासन के तहत तुरंत वापस घर भेज दिया गया, लेकिन पदभार संभालने के अपने पहले दिन, कमला हैरिस ने सीमा को सील करने और सुरक्षित करने वाली ट्रंप की हर नीति को समाप्त कर दिया। उन्होंने सीमा की दीवार के निर्माण को तुरंत रोकने का आदेश दिया। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि कमला हैरिस ने कांग्रेस को एक विधेयक भेजा जिसमें सभी अवैध विदेशियों के लिए माफी की मांग की गई, भले ही वे अपराधी, हत्यारे, ड्रग डीलर, मानव तस्कर हों। वह सभी के लिए माफी चाहती थीं। वह एक कट्टरपंथी वामपंथी व्यक्ति हैं।

कमला हैरिस ने कहा- ट्रंप को चुनने के गंभीर परिणाम होंगे : वहीं पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में कमला हैरिस ने अपने समर्थकों से कहा कि ट्रंप एक गैर-गंभीर व्यक्ति हैं। उन्हें व्हाइट हाउस में वापस लाने के परिणाम बेहद गंभीर होंगे। कमला हैरिस ने आरोप लगाया कि डोनाल्ड ट्रंप अगर फिर से राष्ट्रपति चुने गए तो उनका इरादा सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर में कटौती करने का है। वे हमारे जलवायु निवेशों को रद्द कर देंगे और हजारों अच्छे वेतन वाली स्वच्छ उर्जा नौकरियों को विदेश भेज देंगे। ट्रंप रोजमर्रा की जरूरतों पर 20 प्रतिशत कर लगाना चाहते हैं, जिससे औसत अमेरिकी परिवारों को हर साल चार हजार डॉलर का नुकसान होगा।

वैश्विक भ्रष्टाचार रोधी ग्लोब नेटवर्क का सदस्य बना भारत, चीन में कई चरणों के मतदान के बाद चयन

एजेंसी, बीजिंग। अधिकारियों ने बताया कि बीजिंग में भ्रष्टाचार निरोधक कानून प्रवर्तन प्राधिकारों के वैश्विक परिचालन नेटवर्क (ग्लोब नेटवर्क) की पांचवीं पूर्ण बैठक के दौरान बहुचरणीय मतदान प्रक्रिया के बाद भारत को संचालन समिति के लिए चुना गया। भारत को वैश्विक भ्रष्टाचार रोधी मंच ग्लोब नेटवर्क की 15 सदस्यीय संचालन समिति का सदस्य चुना गया है। अधिकारियों ने बताया की चीन की राजधानी बीजिंग में विभिन्न चरणों के मतदान के बाद भारत का चयन हुआ। 121 सदस्य देशों और 219 सदस्य प्राधिकार वाले ग्लोब नेटवर्क में नेतृत्व प्रदान करने के लिए संचालन समिति में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और 13 सदस्य हैं। अधिकारियों ने बताया कि बीजिंग में भ्रष्टाचार निरोधक कानून प्रवर्तन प्राधिकारों के वैश्विक परिचालन नेटवर्क (ग्लोब नेटवर्क) की पांचवीं पूर्ण बैठक के दौरान बहुचरणीय मतदान प्रक्रिया के बाद भारत को संचालन समिति के लिए चुना गया। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि भारत संचालन समिति के सदस्य के रूप में भ्रष्टाचार और संपत्ति वसूली के खिलाफ वैश्विक एजेंडे को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। भ्रष्टाचार से निपटने में भारत की विशेषज्ञता और अनुभव ग्लोब नेटवर्क के लिए अहम होगा। सीमा पार वित्तीय अपराधों से निपटने के प्रयासों को मिलेगी मजबूती प्रवक्ता ने कहा कि यह एक खास मंच बनकर उभरा है, जहां दुनिया भर की एजेंसियां सर्वोत्तम प्रथाओं, आपराधिक खुफिया जानकारी साझा करती हैं, रणनीति विकसित करती हैं और भ्रष्टाचार से निपटने के साझा उद्देश्य में सहयोग करती हैं। बयान में कहा गया कि ग्लोब नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है और भारत की भागीदारी सीमा पार वित्तीय अपराधों और भ्रष्टाचार से निपटने के उसके प्रयासों को मजबूत करेगी।

सुरक्षा परिषद को पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनाने के लिए तुरंत सुधार की जरूरत, विदेश मंत्रालय का बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को अधिक पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनने के लिए तत्काल सुधार की जरूरत है। तन्मय लाल ने यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम लीडरशिप फॉर पीस के दौरान कही। उन्होंने कहा कि दुनिया विनाशकारी सशस्त्र संघर्षों से जूझ रही है और यूएनएससी की मौजूदा प्रतिक्रिया अपर्याप्त है, जो इन संघर्षों को रोकने या हल करने में विफल रही है। तन्मय लाल ने कहा कि गंभीर सशस्त्र संघर्ष हमारी परस्पर जुड़ी दुनिया में अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को प्रभावित कर रहे हैं और वर्तमान यूएनएससी ऐसे संघर्षों को समाप्त करने या रोकने, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से निपटने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में गंभीर रूप से विफल हो रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को आठ दशक पहले एक अलग युग में गठित किया गया था, उस वक्त आज के संयुक्त राष्ट्र के तीन-चौथाई सदस्य देश उपनिवेश थे, लेकिन अब समय बदल गया है, दुनिया आगे बढ़ गई है। उन्होंने कहा, यूएनएससी को प्रतिनिधि, पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनना होगा।

खैबर पख्तूनख्वा में विस्फोट में एक बच्चे की मौत, 25 पुलिसकर्मी घायल; लाहौर में स्कूल की छत गिरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को एक पुलिस थाने में जबर्दस्त विस्फोट हुआ, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई और 25 लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। यह घटना पेशावर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्वाबी पुलिस थाने में हुई। केंद्रीय पुलिस कार्यालय द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, विस्फोट पुलिस थाने की पहली मंजिल पर स्थित डिपो के अंदर 'शॉर्ट सर्किट के कारण' हुआ। बचाव और अग्निशमन दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायल पुलिसकर्मियों को बाचा खान मेडिकल अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं और इमारत का ऊपरी हिस्सा ढह गया है। इमरान खान का पार्टी नेताओं को निर्देश- सरकार के साथ न करें बातचीत अदियाला जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने पार्टी नेतृत्व को निर्देश दिया कि वह सरकार के साथ सभी तरह की बातचीत तुरंत बंद करे। उन्होंने कहा कि ऐसी बातचीत केवल उनके विरोधियों को मजबूत करती है। खान ने यह बात बुधवार को जेल में मीडिया से बात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ बातचीत करने का मतलब ही नहीं है। जितना हम पीछे हटेंगे, उतने ही हम कुचले जाएंगे। यह नीति किसी संस्थान की नहीं, बल्कि थर्ड अंपायर की है। जब उनसे नेता अली अमीन गंडापुर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि गंडापुर सहित पार्टी

के नेतृत्व सरकार सरकार के साथ बातचीत न करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा, बाजवा के समय में हमें कहा गया कि मध्यस्थ (न्यूट्रल) के बारे में बात न करें जितना ही हम पीछे हटेंगे, वे हमें कुचलेंगे। यह थर्ड अंपायर की नीति है, न कि किसी संस्थान की। खान ने अपने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें लगता था कि मैं (जेल के अंदर) टूट जाऊंगा और एकांत में नहीं रह पाऊंगा। मैंने 21 से 22 घंटे एकांत में बिताए हैं। गर्मी में इतना पसीना बहता है कि मेरे कपड़े खराब हो जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक खेल के खिलाड़ी की ट्रेनिंग कैसी होती है। हम दबाव में खेलने के लिए तैयार रहते हैं। लाहौर-स्कूल की छत गिरने से एक की मौत, 10 घायल पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक स्कूल की छत गिरने से एक 14 वर्षीय छात्र की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गोए। घटना मुजफ्फरगढ़ जिले में हुई, जो लाहौर से करीब 350 किलोमीटर दूर है। पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई, जब वेसंदीवाली गांव के अलीगढ़ पब्लिक स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्र अपनी क्लास में मौजूद थे। अचानक छत गिरने से 11 छात्र मलबे में दब गए। घटना की सूचना मिलते ही बचाव कर्मी मौके पर पहुंचे और घायल छात्रों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जी4 देशों ने किया ह के शिखर सम्मेलन का स्वागत, विदेश मंत्रियों ने UNSC में सुधार की बताई जरूरत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। जी 4 देश (भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान) ने एक संयुक्त बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के शिखर सम्मेलन का स्वागत किया। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह्स्ष्ट) में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। चार समूह देशों में शामिल भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा, जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक और जापान के विदेश मामलों के मंत्री योको कामिकावा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र से इतर बैठक के दौरान कहा कि संयुक्त राष्ट्र परिषद में सुधार की संभावनाओं पर संयुक्त राष्ट्र महासभा को चर्चा करनी चाहिए।

चारों देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त बयान में वैश्विक शासन में बदलाव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के शिखर सम्मेलन के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार पर चर्चा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। मंत्रियों ने सुरक्षा परिषद को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, समावेशी, पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनाने की वकालत की। जी4 मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखते हुए बहुपक्षीय प्रणाली की वर्तमान महत्वपूर्ण चुनौतियों पर ध्यान दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा परिषद का व्यापक सुधार संयुक्त राष्ट्र को समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने और वर्तमान व भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के प्रयास का अनिवार्य हिस्सा है। जर्मनी, भारत और जापान ने ज्ञ-20 की अध्यक्षता मिलने पर ब्राजील की ओर से शुरू की गई कॉल टू एक्शन पहल का स्वागत किया।

जी4 मंत्रियों ने सदस्यता की स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में 15 देशों की सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए अपना आह्वान दोहराया। इसे परिषद की वैधता बढ़ाने के लिए वार्ता प्रक्रिया के दौरान महत्वपूर्ण संख्या में सदस्य राज्यों द्वारा समर्थन दिया गया है। बयान में कहा गया कि वे दोनों सदस्यता श्रेणियों में सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले देशों की भूमिका और भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर सहमत हैं।

नेपाली उप प्रधानमंत्री ने चीनी समकक्ष से की मुलाकात, परियोजनाओं को तेजी से लागू करने पर हुई चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नेपाल के वित्त मंत्री पौडेल ने गुरुवार की चर्चा के दौरान दोनों सरकारों के बीच हुए समझौतों को लागू करने में तेजी लाने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। नेपाल के उप प्रधानमंत्री बिष्णु प्रसाद पौडेल ने अपने चीनी समकक्ष डिंग शुएशियांग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने समयबद्ध तरीके से परियोजनाओं के लागू करने सहित द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की।

सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता: पौडेल : पौडेल चीन की छह दिवसीय यात्रा पर गए हुए हैं। वह शनिवार को काठमांडू लौटेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नेपाल के वित्त मंत्री पौडेल ने गुरुवार की चर्चा के दौरान दोनों सरकारों के बीच हुए समझौतों को लागू करने में तेजी लाने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

चीनी उप प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों की सराहना की : वहीं, डिंग ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की सराहना की। साथ ही परस्पर लाभ के लिए नेपाल और चीन के बीच व्यावहारिक सहयोग के महत्व पर जोर दिया। इसके अलावा, चीन के उप प्रधानमंत्री ने समझौतों के समय पर लागू करने के प्रस्ताव पर भी सहमति जताई।

इन परियोजनाओं पर फोकस : विदेश मंत्रालय

ने एक बयान जारी कर कहा कि दोनों नेताओं ने ट्रांस-हिमालयन बहुआयामी संपर्क नेटवर्क के अंतर्गत परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। विशेष रूप से काठमांडू-केरुंग रेलवे, सीमा पार ट्रांसमिशन लाइन, किमाथांका-हिले और हिल्सा-सिमिकोट सड़क परियोजना पर काम करना है। पौडेल और डिंग ने बुनियादी ढांचे, पर्यटन, शिक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की। इससे पहले, नेपाली वित्त मंत्री ने नेपाल-चीन विकास सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी के अध्यक्ष लुओ झाओहुई से मुलाकात की। इस दौरान बुनियादी ढांचे के विकास, कनेक्टिविटी, व्यापार एवं परिवहन तथा बंदरगाहों के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

जेलेंस्की ने की बाइडन-हैरिस से मुलाकात, यूक्रेन की विजय योजना के विवरण पर हुई चर्चा, अमेरिका का जताया आभार

वॉशिंगटन, एजेंसी। जेलेंस्की ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ भी विजय योजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी लोगों, यूक्रेनी बच्चों और सभी को पुतिन की बुरी नजर से बचाना होगा। यूक्रेन भाग्यशाली है कि इस परिस्थिति में अमेरिका हमेशा साथ खड़ा रहा है। रूस के साथ चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन की विजय योजना के विवरण पर चर्चा के लिए राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान जेलेंस्की ने अमेरिकी के समर्थन के लिए ाभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस युद्ध की शुरुआत से ही अमेरिका यूक्रेन के साथ खड़ा है। व्हाइट हाउस में यह बैठक यूक्रेन के लिए एक नए पैकेज और 80 लाख रुपये की सहायता की घोषणा के बाद हुई। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात के दौरान मैंने उनके सामने जीत की योजना पेश की। इस यौजना को मजबूत करने को लेकर हमने चर्चा की। हमने अपने विचार और दृष्टिकोण साझा किए। उन्होंने आगे कहा, मुझे खुशी है कि रूस के साथ युद्ध की शुरुआत के समय से ही यूक्रेन और अमेरिका एकसाथ खड़ा है। आपकी दृढ़ संकल्प हमें मजबूत बनाने के लिए अविश्नीय रूप से महत्वपूर्ण है।

बाइजन बोले-यूक्रेन की होगी जीत : राष्ट्रपति बाइडन ने यूक्रेन के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने यह भी कहा कि रूस के साथ इस युद्ध में यूक्रेन की जीत होगी। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, आज राष्ट्रपति जेलेंस्की और मैं युद्ध के मैदान में यूक्रेन

की स्थिति को मजबूत करने पर फिर से चर्चा के लिए बैठे। दो चीजें स्पष्ट हैं, इस युद्ध में यूक्रेन की जीत होगी और अमेरिका हर कदम पर यूक्रेन के साथ खड़ा होगा।

कमला हैरिस के साथ भी हुई चर्चा : जेलेंस्की ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ भी विजय योजना पर चर्चा की। उन्होंने एक्स पर कहा, मैंने विजय योजना के विवरण को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ साझा किया। हमारे लिए अमेरिका के साथ पूर्ण समन्वय में काम करना बहुत महत्वपूर्ण है।जेलेंस्की ने अमेरिका के समर्थन पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हमें इस युद्ध को समाप्त करना होगा और न्यायपूर्ण शांति प्राप्त करनी होगी। हमें अपने लोगों को बचाना होगा। हमें यूक्रेनी लोगों, यूक्रेनी बच्चों और सभी को पुतिन की बुरी नजर से बचाना होगा। हम भाग्यशाली हैं कि इस परिस्थिति में अमेरिका हमेशा यूक्रेन के साथ खड़ा रहा है। एक बयान में, बाइडन ने उल्लेख किया कि अमेरिकी रक्षा विभाग यूक्रेन सुरक्षा सहायता पहल के माध्यम से 2.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सुरक्षा सहायता की घोषणा कर रहा है, जो यूक्रेन को अतिरिक्त वायु रक्षा, मानव रहित हवाई प्रणाली और हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियार प्रदान करेगा, साथ ही यूक्रेन के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करेगा और इसके रखरखाव और अन्य आवश्यकताओं का समर्थन करेगा।

बेंगलुरु के प्रतिष्ठित ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस जांच में निकली फर्जी

बेंगलुरु । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के प्रतिष्ठित ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। यह धमकी ईमेल के द्वारा दी गई, पुलिस ने जांच में इस धमकी को फर्जी करार दिया। जानकारी के अनुसार, शनिवार को अज्ञात अपराधियों ने एक ईमेल के द्वारा होटल में बम होने की धमकी दी। यह होटल प्रमुख राजनेताओं और क्रिकेटरों की मेहमान नवाजी के लिए मशहूर है। धमकी मिलने के बाद, पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने होटल पहुंचकर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान, पुलिस ने होटल के पूरे परिसर की जांच कर पाया कि यह धमकी फर्जी थी। डीसीपी सेंट्रल ने कहा कि हमें आज सुबह ताज वेस्ट एंड होटल के लिए एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। हमारी बीडीडीएस और एएससी टीम ने परिसर की जांच की और इस धमकी को फर्जी पाया। डीसीपी ने कहा कि इस मामले में हम शिकायत दर्ज कर आगे की जांच कर रहे है। धमकी भरे ईमेल के बाद होटल की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। होटल में ठहरे मेहमानों ने इस घटना को लेकर चिंता व्यक्त की। हालांकि, पुलिस ने सभी को यह आश्वस्त किया है कि स्थिति नियंत्रण में है। पिछले कुछ महीनों से बम धमकी से जुड़े ईमेल्स का चलन तेजी से बढ़ा है, जिससे कई महत्वपूर्ण संस्थानों और स्थानों में हड़कंप मच गया है।

कार शोरूम में फायरिंग... पुर्तगाल में बैठे गैंगस्टर से कनेक्शन

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली के नारायणा इलाके में एक कार शोरूम में ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना सामने आई है, घटना का सीसीवीटी फुटेज सामने आया है। फुटेज में देखा जा सकता है कि शूटर शोरूम में घुसकर फायरिंग कर रहे हैं, इससे इलाके में दहशत फैल गई। गनीमत यह रही कि घटना में किसी को गोली नहीं लगी। इस फायरिंग के पीछे मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ का नाम सामने आया है, जो फिलहाल पुर्तगाल में रह रहा है। भाऊ पर दिल्ली, हरियाणा पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में कई गंभीर मामलों में केस दर्ज हैं। इसके साथ ही, इंटरपोल ने हिमांशु भाऊ के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया है। दिल्ली पुलिस ने मामले में शामिल तीन शूटरों की पहचान कर ली है, जो हरियाणा के रहने वाले हैं और हिमांशु भाऊ के गैंग से जुड़े हुए हैं। पुलिस के अनुसार, 6 मई 2024 को तिलक नगर के फ्यूजन कार शोरूम में हुई फायरिंग के दौरान नारायणा के कार शोरूम के मालिक को भी भाऊ की ओर से धमकी दी गई थी, जिसमें 5 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। नारायणा के शोरूम मालिक ने पुलिस में शिकायत की, तब दिल्ली क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शूटरों की गिरफ्तारी के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है। इसके साथ ही, पुलिस यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि गैंगस्टर हिमांशु भाऊ घटना को किस प्रकार संचालित कर रहा है और उसके अन्य साथियों की पहचान भी की जा रही है।

फूड प्वाइजनिंग से इंजीनियरिंग के 45 छात्र बीमार

बेतिया। बिहार के बेतिया में शुक्रवार की रात फूड प्वाइजनिंग से इंजीनियरिंग के 45 छात्र बीमार हो गए। सभी बीमार छात्रों को बेतिया के जीएमसीएच में भर्ती कराया गया जहां सभी का इलाज चल रहा है। यह मामला सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज कुमारबाग का है। छात्रों के मुताबिक मेस में खाने के मेन्यू में चिकन चावल था जैसे ही छात्रों ने खाना खाया उसके बाद छात्रों की हालत बिगड़ने लगी। एक के बाद एक छात्र बीमार होने लगे। किसी को वोमिटिंग हो रही थी तो किसी के सिर में चक्कर की शिकायत मिली जिसके बाद सभी बीमार छात्रों को एंबुलेंस से देर रात जीएमसीएच लाया गया। जीएमसीएच में सभी बीमार छात्रों का इलाज चल रहा है। सभी छात्र खतरे से बाहर बताये गए हैं। कुछ छात्रों को इलाज कर उन्हें घर भेज दिया गया है। कुछ छात्रों को डॉक्टर की निगरानी में रखकर इलाज किया जा रहा है। हालात अब सामान्य है। उधर एक छात्र के थाली में मरी हुई छिपकली मिलने का भी आरोप छात्रों ने लगाया है। घटना के बाद इंजीनियरिंग कॉलेज में हड़कंप मचा है। घटना के बाद कुमार बाग गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रबंधन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, इस घटना के बाद छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ भी हंगामा किया।

त्यौहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे चलाएगा 10 हजार विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। त्यौहारी सीजन में रेलवे यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखते हुए दीपावली और छठ पूजा में ट्रेनों में होने वाली भीड़ को देखते हुए 10 हजार से ज्यादा विशेष ट्रेनें चलाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा, 108 ट्रेनों में जनरल कोच भी बढ़ाए जाएंगे, जिससे करीब एक करोड़ यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेलवे ने इसके लिए विशेष तैयारियां कर ली हैं, जिसमें दीपावली और छठ पूजा के दौरान 12,500 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। 2024-2025 में 5,975 ट्रेनों को अधिसूचित किया गया है, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक जाने में आसानी होगी। पिछले साल 2023-2024 में पूजा विशेष ट्रेनों की संख्या 4,429 थी। ट्रेन में भीड़ को ध्यान में रखते हुए आनंद विहार से बरौनी के बीच विशेष एसी ट्रेन 6 अक्टूबर से 17 नवंबर तक चलेगी। यह ट्रेन सुबह 9 बजे आनंद विहार से चलकर अगले दिन सुबह 6-30 बजे बरौनी पहुंचेगी। इस ट्रेन में 16 थर्ड एसी और 2 पावर कार समेत कुल 18 कोच होंगे, यह कई स्टेशनों पर भी रुकेगी। दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग यूपी और बिहार जाते हैं, छठ पूजा न केवल धार्मिक महत्व हैं, बल्कि परिवार से मिलने का भी एक अहम मौका होता है। इस दौरान अक्सर ट्रेन की टिकटे वेटिंग लिस्ट में चली जाती हैं, जिससे यात्रा करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इन सब परेशानियों को देखते हुए रेलवे ने यह फैसला लिया है।

'राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में नाचा गाना था', राहुल गांधी के बयान पर बवाल, बीजेपी ने बताया हिंदू आस्था का अपमान

मंडी (एजेंसी)। कांग्रेस के राहुल गांधी ने कथित तौर पर 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की 'प्राण प्रतिष्ठा' को 'नाच-गाना' कार्यक्रम के रूप में संदर्भित करने के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। हरियाणा के हिसार में एक सार्वजनिक सभा में बोलते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने भाजपा पर हमला बोलते हुए दावा किया कि भगवा पार्टी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से आम नागरिकों, विशेषकर किसानों को बाहर रखा।

27 सेकंड के वीडियो क्लिप में, राहुल गांधी को कथित तौर पर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को हाशिए के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के बजाय एक सेलिब्रिटी कार्यक्रम में बदलने के लिए सरकार की आलोचना करते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में मंदिर खुला तो आपको अडानी, अंबानी और अमिताभ बच्चन तो दिखे, लेकिन वहां एक भी किसान या मजदूर मौजूद नहीं था। इसमें 'नाच गाना' था, लेकिन उन लोगों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था जो वास्तव में भारत के श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राहुल गांधी की टिप्पणियों पर तुरंत भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रतिक्रियाएं आईं और उन्होंने हिंदू रीति-रिवाजों पर उनकी आस्था और रुख पर सवाल उठाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता की टिप्पणियों को निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और उनके परिवार ने हिंदू विरोधी भावनाओं का रिकॉर्ड साबित कर दिया है और कहा, INDI गठबंधन का मानना है - हिंदू आस्था पर करो चोट, लेना है वोटबैंक का वोट!'

उन्होंने एक्स पर लिखा कि हिंदू हिंसक और देवता भगवान नहीं हैं के बाद अब राहुल गांधी कहते हैं कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 'नृत्य कार्यक्रम' 'नाच गाना कार्यक्रम' था! क्या किसी अन्य आस्था और उनके पवित्र अवसरों के बारे में ऐसा कहा जा सकता है? उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल के परिवार ने राम जी के अस्तित्व, राम मंदिर का विरोध किया है, उनकी सरकार ने हिंदू आतंक गढ़ा है और उन्होंने द्वारका पूजा को भी अब 'नाटक' करार दिया है। सनातन संत से लेकर सनातन बीमारी है, हिंदू धर्म धोखा से लेकर राम चरितमानस को गाली देना - INDI गठबंधन का मानना है।

भाजपा के एक अन्य वरिष्ठ नेता तीरथ सिंह रावत ने गांधी के दावों का खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता की टिप्पणी भारतीय संस्कृति की समझ की कमी से उपजी है। रावत ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिष्ठा समारोह सभी के लिए एक उत्सव था और आम नागरिक भी इसका हिस्सा थे। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, तीरथ सिंह ने कहा, 'शायद राहुल गांधी ने अभी तक भारतीय संस्कृति को पूरी तरह से नहीं समझा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह का दिन उत्सव का दिन था, और आम लोगों सहित हर कोई उत्सव में शामिल था। भगवान राम के प्रति भक्ति सभी की साझा थी।'

दलाई लामा के नाम पर क्यों तिलमिला जाता है चीन

नई दिल्ली । चीन ने फिर अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। चीन ने भारतीय पर्वतारोहियों के एक दल द्वारा अरुणाचल प्रदेश में एक अनाम चोटी का नाम छठे दलाई लामा के नाम पर रखने पर आपत्ति जताई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने मीडिया से कहा कि अरुणाचल प्रदेश को चीन के क्षेत्र में स्थापित करना अवैध और अमान्य है। अरुणाचल प्रदेश की यह चोटी, जिसे छठे दलाई लामा त्सांगयांग ग्यात्सो के नाम पर रखा गया है, उसका नामकरण भारतीय रक्षा मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय पर्वतारोहण और साहसिक खेल संस्थान की टीम ने किया। इस टीम ने मोन तवांग क्षेत्र के गोरीचेन मासिफ में 20,942 फीट ऊंची चोटी पर चढ़ाई की। त्सांगयांग ग्यात्सो का जन्म 1682 में मोन तवांग क्षेत्र में हुआ था और उन्होंने बौद्ध धर्म के प्रति अपना योगदान दिया। उनके नाम पर चोटी का नाम रखने का उद्देश्य उनके योगदान को मान्यता देना है, खासकर मोनपा समुदाय के प्रति उनकी सेवा के लिए। जियान ने कहा कि उन्हें चोटी का नाम रखने के बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन उन्होंने यह साफ किया कि जंगनान क्षेत्र चीन का हिस्सा है। चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा मानता है और 2017 से वहां स्थानों का नाम बदलने का प्रयास कर रहा है। यह विवाद केवल एक नामकरण से शुरू हुआ है, लेकिन यह चीन और भारत के बीच चल रहे क्षेत्रीय विवाद का एक और उदाहरण है। भारत ने हमेशा अरुणाचल प्रदेश को अपना अभिन्न हिस्सा माना है, जबकि चीन अपने दावों को बनाए रखने की कोशिश करता है।

प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर के आसपास अवैध निर्माणों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

गिरसोमनाथ। सौराष्ट्र स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ मंदिर के आसपास किए गए अवैध निर्माणों का प्रशासन ने सफाया कर दिया है। गिर सोमनाथ में कल रात से 36 बुलडोजर इन अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने में लगे हुए हैं। इतना ही नहीं इसके मलबे को हटाने के लिए करीब 70 ट्रैक्टर-ट्रॉली भी साथ में लगाई गई हैं। जानकारी है कि इस साइट का उपयोग सोमनाथ विकास परियोजना में किया जाएगा। सोमनाथ मंदिर के पिछले हिस्से में कई अवैध निर्माणों को हटाने के लिए प्रशासन की एक टीम पहुंची। बताया जाता है कि गिर सोमनाथ के इतिहास का यह सबसे बड़ा अभियान चल रहा है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जिला कलेक्टर, आईजीपी, 3 एसपी, 6 डीवाईएसपी और 50 पीआई-पीएसआई स्टैंडबाय पर थे। इसके साथ ही 1200 पुलिसकर्मी भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान सुरक्षा में लगाए गए थे।

यूपी में मानसून रिटर्नर-कई जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट, आठ लोगों की जान गई

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में एक बार फिर मानसून सक्रिय होने से लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिली है, लेकिन दूसरी तरफ जनजीवन भी अस्त व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने पहले ही कई जिलों में तेज बारिश की संभावना जताते हुये अलर्ट जारी कर दिया था। बारिश के मद्देनजर अयोध्या और गोण्डा में सभी स्कूलों को शनिवार को बंद रखा गया है। वहीं बारिश प्रभावित जिलों में प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है। जरूरत पड़ने पर ही बाहर निकलने को कहा है।

पिछले 48 घंटों में प्रदेश के पूर्वी और तराई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। जिसकी वजह से अलग-अलग जिलों में हादसे हुए जिनमें आठ लोगों की जान चली गई। बारिश की वजह से कई गांवों की बिजली ठप हो गई तो वहीं दस से ज्यादा घरों के ढहने की खबर है। यूपी में शुक्रवार को 58 से ज्यादा जिलों भारी बारिश हुई। जबकि सुल्तानपुर के लंभुआ में सबसे अधिक 270 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान यहां भव्या क्षेत्र में बिजली गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं सीतापुर के 300 से ज्यादा गांवों में बिजली व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई। यहाँ के गवहिया गांव में घर की दीवार गिरने से 15 साल की एक लड़की की मौत हो गई। अयोध्या का हाल भी बेहद खराब रहा, यहां इस सीजन की सबसे अधिक 120 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। यहाँ के तारुन में छप्पर गिर गया, इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। ललितपुर और फतेहपुर में भी बिजली गिरने से एक बच्ची और महिला समेत तीन की मौत हो गई। अंबेडकर नगर में बिजली गिरने से चार बहनों की झुलस गई।

मौसम विभाग की तरफ से गोरखपुर, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, जालौन, बाराबंकी और हमीरपुर समेत आसपास के जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। उधर, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को बारिश से प्रभावित लोगों की तत्काल मदद करने के निर्देश दिये हैं। बारिश के चलते धान के किसानों की चिन्ता बढ़ गयी है। बताया जा रहा है कि कई जिलों में धान की फसल पक कर तैयार है। ऐसे में बारिश का होना धान की फसल के लिए अच्छा नहीं है।

बीजेपी का कांग्रेस पर वार, सुधांशु त्रिवेदी का सवाल, सिद्धारमैया को आरोपी नंबर 1, क्या राहुल उनके साथ हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में मुडा मामले को लेकर सियासत तेज है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कथित MUDA 'घोटाले' को लेकर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि इस मामले से जुड़े आरोप सबसे पहले कांग्रेस ने ही लगाए थे और कर्नाटक की लोकायुक्त अदालत में फैसला भी आ गया है। पार्टी पर आगे हमला करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और एआईसीसी अध्यक्ष सोनिया गांधी भ्रष्ट नेताओं का समर्थन कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के परिवार ने MUDA स्कैम में जमीन का दुरुपयोग और सरकारी अथॉरिटी का दुरुपयोग करते हुए भारी संपत्ति बनाई। उस विषय में निर्णय देते हुए न्यायालय ने सिद्धारमैया को आरोपी नंबर 1 बनाया है। उन्होंने दावा किया कि यह किसी केंद्रीय एजेंसी ने इस विषय में जांच नहीं की है। बल्कि कर्नाटक के लोकायुक्त कोर्ट ने यह निर्णय दिया है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मैं राहुल गांधी और सोनिया गांधी से पूछना चाहता हूं कि क्या आप भ्रष्टाचार के 'अरोपी नंबर 1' के साथ खड़े हैं या नहीं?

सुधांशु त्रिवेदी ने दावा किया कि ये भारत के इतिहास के उन चंद दुर्लभ केस में से एक है, जब किसी राज्य के सीटिंग मुख्यमंत्री को आरोपी नंबर 1 बनाया गया हो। अब राजनीति में नई सोच लाने के 99 के उबाल से लबरेज राहुल गांधी से मैं पूछना चाहता हूं कि आरोपी नंबर 1 के साथ आप खड़े हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया 1998 से भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों से जुड़े हुए हैं, जो राहुल गांधी के परिवार द्वारा शुरू की गई प्रवृत्ति को जारी रखता है। यह मुद्दा संवैधानिक और कानूनी निहितार्थों से परे है; यह कांग्रेस की अंतर्निहित संस्कृति को दर्शाता है। कांग्रेस नेताओं की लूट और भ्रष्टाचार देश के लिए एक बड़ी चुनौती है।

कांग्रेस नेतृत्व भाजपा पर राजनीतिक कारणों से मुख्यमंत्री को निशाना बनाने का आरोप लगा रहा है, वहीं त्रिवेदी ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों की इस प्राथमिकी में कोई भूमिका नही है। भाजपा नेता ने दावा किया कि यह मामला सिद्दरमैया के अपने कर्मों का नतीजा है क्योंकि उन्होंने तथा उनके परिवार ने गैरकानूनी रूप से संपत्ति हड़पने के लिए सरकारी शक्तियों का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के एक उम्मीदवार ने हाल ही में कहा था कि उनकी पार्टी के नेता सत्ता का इस्तेमाल खुद को और अपने रिश्तेदारों को अमीर बनाने के लिए करेंगे।

सेना-आतंकवादियों के बीच मुठभेड़, तीन जवान, एक पुलिसकर्मी घायल

* कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके को सुरक्षाबलों ने घेरा, मुठभेड़ जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के आदिगाम देवसर में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। यहां दो आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। कुलगाम जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में तीन जवान और जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक अधिकारी घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि जिले के आदिगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ समेत सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेरा तो आतंकियों ने खुद को घिरा देखा तो सुरक्षाबलों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। गोली लगने से सेना के तीन जवान और जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक अधिकारी घायल हो गया। सुरक्षाबलों ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी भागने के रास्ते बंद कर दिए हैं। मुठभेड़ स्थल पर पहले ही अतिरिक्त बल पहुंच चुके हैं। घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

आतंकवादियों ने पिछले तीन-चार महीनों के दौरान जम्मू डिवीजन के डोडा, कठुआ, राजौरी, पुंछ और रियासी जिलों में सेना, स्थानीय पुलिस और नागरिकों पर हमला कर उन्हें मार गिराया है। पहाड़ी इलाकों में सेना और अन्य लोगों पर घात लगाकर हमला करने के बाद आतंकवादी इन पहाड़ी जिलों के घने जंगलों और वन क्षेत्रों में भाग जाते हैं। आतंकवादियों के हमलों को नाकाम करने के लिए, जम्मू डिवीजन के ऊंचे पर्वतीय इलाकों और घने जंगलों में 4 हजार से ज्यादा पैरा कमांडो और पर्वतीय युद्ध में प्रशिक्षित जवानों को तैनात किया था। सुरक्षाबलों की इस रणनीति के बाद, इन जिलों में आतंकवादी हमलों में कमी आई है।

बांग्लादेशी पोर्न स्टार रिया 1 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में, उसके बचाव में 7 वकीलों की टीम

उल्हासनगर (एजेंसी)। मुंबई से सटे उल्हासनगर में बांग्लादेश की एक पोर्न अभिनेत्री रिया बर्डे को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसपर आरोप है कि वो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में रह रही हैं। उन्हें भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रिया एक बांग्लादेशी पोर्न स्टार हैं और यहाँ हिंदू बनकर अपने परिवार के साथ रह रही थी। पोर्न स्टार रिया बर्डे, जिन्हें बन्ना शेख और आरोही बर्डे के नाम से भी पोर्न इंडस्ट्री में जाना जाता है। अब पुलिस उसकी मां, बहन और भाई की तलाश कर रही है। इस बीच रिया को जब कोर्ट में पेश किया गया तो भारत में घुसपैठ करने वाली इस युवती का बचाव करने के लिए सात वकीलों की एक टीम पहुंची. कोर्ट में 7 वकीलों की टीम ने उनका बचाव करने की कोशिश की और रिया बर्डे की गिरफ्तारी का विरोध करने की कोशिश की. 7 वकीलों की एक टीम ने पुलिस से पूछा कि वे किस आधार पर

साबित कर सकते हैं कि रिया बर्डे बांग्लादेशी हैं। डेढ़ घंटे चले जिरह के बाद न्यायधीश ने रिया को 1 अक्टूबर तक रिया को पुलिस की हिरासत में भेज दिया।

- रिया बर्डे का राज कुंद्रा प्रोडक्शन हाउस से कनेक्शन सामने आया

एक युवा बांग्लादेशी बन्ना शेख ने अवैध रूप से भारत में घुसपैठ की, फिर अपना नाम बदला और पोर्न इंडस्ट्री में प्रवेश किया। उन्होंने पोर्न इंडस्ट्री में रिया बर्डे नाम से काफी लोकप्रियता हासिल की। यह भी खबर है कि वह राज कुंद्रा प्रोडक्शन हाउस से जुड़ी हैं। अब उन्हें फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनाने के आरोप में उल्हासनगर की हिल लाइन पुलिस ने 26 सितंबर को उल्हासनगर के पास नेवाली इलाके से गिरफ्तार किया।

- रिया के परिवार पर केस दर्ज

पुलिस ने रिया की मां अंजलि बर्डे जिसे पहले रूबी शेख के नाम से जाना जाता था, पिता अरविंद बर्डे जिसे पहले रियाज शेख के नाम से जाना जाता था, भाई रवींद्र को पहले रियाज शेख के नाम से जाना जाता था, बहन रितु जिसे पहले मोनी शेख के नाम से जाना जाता था, के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। रिया की मां ने महाराष्ट्र के अमरावती में रहने वाले अरविंद बर्डे से शादी की। बाद में, रिया ने जाली दस्तावेजों के आधार पर एक भारतीय पासपोर्ट बनाया। रिया की एक दोस्त ने पुलिस को उनके बारे में जानकारी दी थी. उन्होंने बताया था कि रिया बर्डे अवैध तरीके से भारत में रह रही थीं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में वसुंधरा एवं शिवराज आगे

* संघ लगाना चाह रही है मोदी-शाह पर लगाम
* संजय जोशी का नाम पर सहमति नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर एक बार फिर चौंकाने वाला परिणाम देने की तैयारी में दिख रही है। ऐसे में यदि संघ की चलती है तो वसुंधरा राजे सिंधिया बीजेपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगी। वैसे पार्टी आलाकमान वसुंधरा राजे और शिवराज सिंह चौहान के नामों को आगे कर विचार करने में लगे हुए हैं। वहीं संघ अब चाह रहा है कि मोदी और शाह पर लगाम कसी जाए और पार्टी के सभी लोग जिस नाम पर मोहर लगाएं उसे ही पार्टी अध्यक्ष बनाया जाए। इसे लेकर पार्टी और संघ में तनातनी की स्थिति बनी हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर चहुंओर चर्चाओं का दौर शुरु हो गया है। यहां पार्टी के शीर्ष सूत्रों की मानें तो पार्टी आलाकमान राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर गंभीरता के साथ विचार कर रहे हैं। वहीं पार्टी नेतृत्व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना चाह रहा है। इससे हटकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से पहले ही संजय जोशी का नाम अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया जा चुका था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह उनके नाम पर सहमत होते नहीं दिखे हैं। मोदी और शाह की पहली पसंद शिवराज सिंह चौहान बन गए हैं, संघ की पसंद वसुंधरा राजे का नाम है। ऐसे में संघ नहीं चाहता कि अध्यक्ष पद को लेकर किसी तरह खींचतान हो या फिर विवाद उत्पन्न हो, इसलिए संघ ने इशारा कर दिया है कि पार्टी के सभी लोग जिसे चाहें उसे ही पार्टी अध्यक्ष बनाया जाएगा।

लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष अब संघ की पसंद का ही होगा। इससे पार्टी में संघ का वर्चस्व बनाने में मदद मिलेगी। भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में वर्तमान नेतृत्व के खिलाफ जो नाराजगी है, संघ उस नाराजगी को दूर करके पार्टी को एकजुट बनाने की दिशा में काम कर रही है। संघ के फार्मूले पर यदि पार्टी अध्यक्ष का चुनाव होता है तो संजय जोशी या वसंधरा राजे ही अगले अध्यक्ष हो सकते हैं, यदि मौजूदा पार्टी नेतृत्व की चली तो शिवराज सिंह के नाम पर सहमति बनेगी, जो आगे भी तनातनी का कारण बनेगा। वैसे वसुंधरा राजे पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं।

नए अध्यक्ष के नेतृत्व में ही होगा महाराष्ट्र-झारखंड चुनाव

भारतीय जनता पार्टी के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में ही पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ने की रणनीति पर कार्य कर रही है। ऐसे में जो भी अध्यक्ष बनता है, उसकी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी दोनों ही राज्यों में पार्टी को बड़ी जीत दिलवाना। सूत्रों की मानें तो अगले महीने में ही चुनाव आयोग महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव घोषित कर सकता है, ऐसे में पार्टी के नये अध्यक्ष के लिए यह चुनौतीपूर्ण चुनाव नहीं होगा। समय कम होगा, और सभी को साधना कोई आसान बात नहीं होगी।